नई दिल्ली
रविवार, 7 जुलाई, 2024
आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष, द्वितीया वर्ष : 28, अंक : 87
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

मौसम
अधि. 33
न्यून. 27

23 जुलाई को पेश होगा बजट

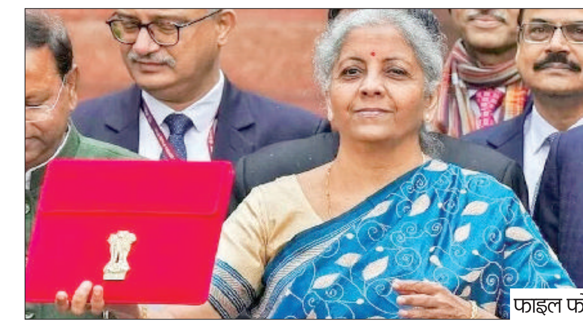
फाइल फोटो

संसद का बजट सत्र 22 जुलाई से 12 अगस्त तक

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

संसद का आगामी बजट सत्र 22 जुलाई से शुरू होकर 12 अगस्त तक चलेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को लोकसभा सदन में बजट पेश करेंगी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने तारीखों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आगामी बजट सत्र का शुभारंभ 22 जुलाई को होगा। यह 12 अगस्त तक चलेगा। किरेन रिजिजू ने यह भी बताया कि बजट सत्र के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को संसद में बजट पेश करेंगी।

- वित्तमंत्री सीतारमण लगातार सातवीं बार पेश करेंगी बजट

इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चुनावी साल में फरवरी में अंतरिम बजट पेश किया था। गौरतलब है कि वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण लगातार सातवीं बार बजट पेश करेंगी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री ने एक एक्स पोस्ट में ▶▶ शेष पेज 5 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

टीएमसी नेता मुकुल रॉय की हालत गंभीर

कोलकाता। पूर्व रेल मंत्री मुकुल रॉय की हालत गंभीर है। कुछ दिन पहले आवास में गिरने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एक अधिकारी ने बताया कि रॉय घर में गिरने से घायल हो गए थे। वे अस्पताल के आईसीयू में हैं। उन्होंने बताया, रॉय की हालत गंभीर, लेकिन स्थिर है। हमारे डॉक्टर चौबीसों घंटे उनकी निगरानी कर रहे हैं।

नीट यूजी काउंसलिंग स्थगित हुई

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने शनिवार को होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा की काउंसलिंग को स्थगित कर दिया है। नई तारीखों की घोषणा जल्द ही की जाएगी। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने पीठ से दो दिनों के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया रोकने का आग्रह किया, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट इन सभी याचिकाओं पर 8 जुलाई को सुनवाई करने वाली है।

कुलगाम में सेना, सीआरपीएफ और पुलिस का संयुक्त अभियान

मुठभेड़ में चार आतंकी मारे, एक जवान शहीद, एक घायल, ऑपरेशन अभी जारी

कुलगाम में सुरक्षाबलों ने 4 आतंकी मार गिराए हैं। मुठभेड़ जारी है। जून से 6 जुलाई तक सुरक्षाबलों ने 10 आंतकियों का खात्मा किया है।

सेना की बख्तरबंद गाड़ियां मौजूद हैं

खास बातें
- फ्रिसल गांव के चिन्नगाम में चारों आतंकी मारे गए
- मुदरघम में जवान शहीद हुआ
- चिन्नीगाम में एक जवान घायल
- मौके पर एंबुलेंस भी तैनात है

एजेंसी ▶▶ कुलगाम

कश्मीर के कुलगाम में दो इलाकों में जारी मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 4 आतंकियों को मार गिराया है। शनिवार (6 जुलाई) की सुबह से सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस का संयुक्त अभियान जारी है।

मोदरगाम गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद सेना, सीआरपीएफ, और स्थानीय पुलिस द्वारा शुरू किए गए संयुक्त अभियान के बाद मुठभेड़ शुरू हुई। सुरक्षा बलों को इलाके में लश्कर के आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद उन्होंने तुरंत कार्रवाई की। सुबह मोदरगाम से सर्च ऑपरेशन शुरू हुआ था। इस दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी की थी, जिसमें एक जवान शहीद हो गया था। वहीं, फ्रिसल में चल रही मुठभेड़ में भी एक जवान गंभीर रूप से घायल हुआ है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।दोपहर होते-होते फ्रिसल गांव के चिन्नगाम इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई थी।

शाम होते-होते 4 आतंकियों को मार गिराया है। सेना के अधिकारियों ने कहा ऑपरेशन अभी भी जारी है। फिलहाल मृतक आतंकियों की पहचान नहीं हो सकी है। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ स्थल की ड्रोन फुटेज में चार शव पड़े हुए दिखाई दे रहे हैं, लेकिन गोलीबारी अभी भी जारी रहने के कारण शव अभी बरामद नहीं किए जा सके हैं। उन्होंने कहा कि मुठभेड़ जारी है। मुठभेड़ स्थल का दौरा करने वाले कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) वीके बिरधी ने कहा कि अभियान जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि कुछ शव (आतंकवादियों के) देखे गए हैं, लेकिन मुठभेड़ अभी समाप्त नहीं हुई है। बिरधी ने बताया कि मुठभेड़ स्थल श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग के नजदीक नहीं बल्कि जिले के अंदरूनी इलाकों में है।

इससे पहले, अधिकारियों ने बताया कि कुलगाम जिले के मोदरगाम गांव में आतंकवादियों और ▶▶ शेष पेज 5 पर

जम्मू-कश्मीर में बोले जेपी नड्डा

घाटी में पहले हड़ताल-प्रदर्शन होते थे, लेकिन अब ये इतिहास

एजेंसी ▶▶ जम्मू

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जम्मू-कश्मीर भाजपा कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित किया। जेपी नड्डा ने कहा कि एलओसी और बॉर्डर पर लगातार गोलीबारी होती थी। सुरक्षाकर्मियों के हाथ बंधे थे। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद हमने सुरक्षाकर्मियों को खुली छूट दी। हमने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया।

आज हमारे सुरक्षाबलों को पाकिस्तान के उकसावे का जवाब देने के लिए अनुमति की ज़रूरत नहीं है। नड्डा ने कहा कि कश्मीर घाटी में अक्सर बंद, हड़ताल और विरोध प्रदर्शन होते थे। अब यह इतिहास बन चुका है। इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर में भाजपा के चुनाव प्रभारी और केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी, केंद्रीय मंत्री और उधमपुर से लोकसभा सदस्य जितेंद्र सिंह, राष्ट्रीय महासचिव और जम्मू-कश्मीर के प्रभारी तरुण चुघ और भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष रविंदर रैना भी उपस्थित थे। पार्टी कार्यकर्ताओं ने शनिवार दोपहर जम्मू पहुंचने पर नड्डा का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें जुलूस के साथ बैठक स्थल तक ले जाया गया, जहां उन्होंने भाजपा विचारक श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी 123वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने परमिट सिस्टम को तोड़कर जम्मू-कश्मीर में प्रवेश किया था। श्रीनगर जेल में रहस्यमय परिस्थितियों में उनका निधन हो गया ▶▶ शेष पेज 5 पर

आईएनएलडी के सामने क्षेत्रीय पार्टी का दर्जा खत्म होने का संकट

मायावती से मिले चौटाला, हरियाणा में गठबंधन को लेकर हुआ मंथन

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा में क्षेत्रीय पार्टी का दर्जा बचाने के लिए जूझ रही इंडियन नेशनल लोकदल (आईएनएलडी) एक बार फिर बहुजन समाज पार्टी से हाथ मिलाने की कोशिश में जुट गई है। हालिया लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में एक भी सीट जीतने में नाकाम रही बसपा हरियाणा में तो हमेशा ही कमजोर रही है। शनिवार को आईएनएलडी के प्रधान महासचिव अभय चौटाला ने नई दिल्ली में बसपा प्रमुख मायावती से मुलाकात की। दोनों नेताओं की इस मुलाकात के मायने यही समझे जा रहें हैं कि जल्द होने वाले विधानसभा चुनाव में गठबंधन पर विचार किया जा रहा है। अभय चौटाला ने एक्स पर लिखा 'बसपा सुप्रीमों और पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश, परम आदरणीय बहन कुमारी मायावती जी से उनके निवास स्थान पर मुलाक़ात की और देश-प्रदेश के मुख्य मुद्दों पर विशेष चर्चा की।'

- बसपा भी हरियाणा में खत्म होते जनाधार से चिंतित

लोकसभा चुनाव के दौरान हरियाणा में दलित वोट बैंक कांग्रेस की तरफ खिसका है। बसपा इसे लेकर चिंतित है। बसपा को मात्र 1.28 प्रतिशत ▶▶ शेष पेज 5 पर

पीएम मोदी ने की ब्रिटेन के नए पीएम से बातचीत, भारत आने का दिया न्योता

दोनों प्रधानमंत्री भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते को भी जल्द अंतिम रूप देने पर हुए सहमत

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ब्रिटेन (यूके) के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री कीर स्टारमर से फोन पर बात की। इसमें उन्हें लेबर पार्टी की आम चुनावों में हुई शानदार जीत के बाद यूके का पीएम चुने जाने पर बधाई दी और जल्द भारत आने का न्योता भी दिया। वार्ता के दौरान दोनों देशों के शीर्ष नेताओं ने साझा लाभ से जुड़े हुए भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जल्द अंतिम रूप देने और व्यापक सामरिक भागीदारी को और अधिक प्रगाढ़ बनाने को लेकर प्रतिबद्धता जताई है। ▶▶ शेष पेज 5 पर

केरल में 'दिमाग खाने वाले' अमीबा का चौथा केस

कोझिकोड। केरल में इंसानी दिमाग खाने वाले अमीबा का एक और केस मिला है। एक 14 साल के लड़के में रेयर ब्रेन इन्फेक्शन अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस के संक्रमण की पुष्टि हुई है। लड़के का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। ब्रेन इन्फेक्शन से पीड़ित लड़का उत्तरी केरल जिले के पय्योली का रहने वाला है। डॉक्टरों ने बताया कि उसे 1 जुलाई ▶▶ शेष पेज 5 पर

पटना की अदालत में भोले बाबा पर दर्ज हुआ मामला

नई दिल्ली। हाथरस भगदड़ मामले में भोले बाबा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। उनके खिलाफ मामला पटना के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में दायर किया गया। इससे पहले शनिवार को एक वीडियो बयान में भोले बाबा ने कहा कि वह 2 जुलाई की भगदड़ की घटना से दुखी हैं। भोले बाबा ने एक बयान में कहा कि घटना के बाद मैं बहुत दुखी हूं। भगवान ▶▶ शेष पेज 5 पर

खबर संक्षेप

इनकम टैक्स विभाग में तैनात महिला इंस्पेक्टर से लूटपाट करने वाला धरा

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच ने इनकम टैक्स विभाग में तैनात एक महिला इंस्पेक्टर से लूटपाट करने वाले बदमाश को अरेस्ट किया है। आरोपी का नाम राजीव नगर एक्सटेंशन निवासी रोहित बताया गया है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी अपने भाई के साथ मिलकर दिल्ली में विभिन्न इलाकों से चेन झपटमारी की सैंकड़ों वारदातें कर चुका है। इसके परिवार के अन्य सदस्य भी किसी न किसी अपराध में शामिल रहे हैं। पुलिस के अनुसार 2021 के सितंबर माह में इनकम टैक्स की महिला इंस्पेक्टर ज्योति से लूटपाट की गई थी। सुबह करीब सवा 10 बजे वह ई रिक्शा से रिठाला मेट्रो स्टेशन जा रही थी। उसी दौरान बाइक सवार बदमाशों ने ई रिक्शा को जबरन रोक उनसे चेन लूट ली थी। आरोपी को विजय विहार इलाके से दबोचा गया। रोहित के माता पिता भी शराब तस्करी में लिप्त बताये जाते हैं। आरोपी पर लूट, झपटमारी के 26 केस दर्ज मिले हैं। इसका बड़ा भाई आशीष उर्फ गोलू भी बेगमपुर थाने का हिस्ट्री शीटर है।

आबकारी नीतिः मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 15 तक बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत शनिवार को 15 जुलाई तक बढ़ा दी। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सिसोदिया की न्यायिक हिरासत अवधि समाप्त होने पर उन्हें विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा की अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उनकी हिरासत अवधि बढ़ा दी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पिछले साल नौ मार्च को सिसोदिया को दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 से संबंधित मामले में गिरफ्तार किया था। बाद में इस नीति को रद्द कर दिया गया था।

डीयू ने अंकपत्र व डिग्री प्रमाणपत्र में सुधार के लिए शुल्क दोगुना किया

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने अपने डिग्री प्रमाणपत्र या अंकपत्र में कोई सुधार चाहने वालों के लिए शुल्क दोगुना कर दिया है। यह बात एक आधिकारिक आदेश में दी गई। इसमें कहा गया कि विश्वविद्यालय के कुलपति योगेश सिंह द्वारा गठित एक समिति द्वारा की गई सिफारिशों के बाद शुल्क में वृद्धि की गई है। आदेश के मुताबिक, डीयू ने स्नातक के दिन से छह साल के भीतर अंकपत्र में सुधार चाहने वालों के लिए शुल्क 500 रुपये से बढ़ाकर 1,000 रुपये और छह साल से अधिक की अवधि के लिए 1,000 रुपये से बढ़ाकर 2,000 रुपये कर दिया है। छह साल के भीतर अपने डिग्री प्रमाणपत्र में सुधार चाहने वालों के लिए शुल्क 500 रुपये से बढ़ाकर 1,000 रुपये कर दिया गया है। छह साल से अधिक की अवधि के लिए शुल्क 1,000 रुपये से बढ़ाकर 2,000 रुपये कर दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि समिति की सिफारिशों को चार जून को संबंधित अधिकारियों द्वारा मंजूरी दे दी गई थी। घटनाक्रम के बारे में पूछे जाने पर डीयू के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि शुल्क में बढ़ोतरी की गई है क्योंकि इसे लंबे समय से संशोधित नहीं किया गया था।

ड्रग्स को छिपाने के लिए थार कार में बनाई गई थी गुप्त जगह

50 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त सरगना समेत चार गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

स्पेशल सेल ने सरगना सहित चार ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से करीब 50 करोड़ कीमत की अफीम व हेरोइन बरामद हुई है। बरामद कच्ची हेरोइन और अफीम उत्तर पूर्वी राज्यों से तस्करी कर लाई गई थी। इसे दिल्ली और अन्य निकटवर्ती राज्यों में आपूर्ति किया जाना था। आरोपी पुलिस से बचने के लिये कार में गुप्त जगह बनाकर ड्रग्स छिपाते थे।

डीसीपी अमित कौशिक ने बताया कि स्पेशल सेल की ट्रांस यमुना रेंज ने इस अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस कार्टेल के सरगना सहित चार तस्करों को पकड़ा गया है। इनके नाम रामअवतार, तेजपाल बेनीवाल, रामनिवास लेगा और किशना राम लेगा है। सभी राजस्थान के रहने वाले हैं। इनके पास से 6.776 किलो कच्ची हेरोइन और 10.598 किलो अच्छी गुणवत्ता वाली अफीम बरामद हुई। ड्रग्स को छिपाने के लिये काले रंग की थार कार में गुप्त जगह बनाई गई थी। इसके अलावा एक सफेद रंग की सेल्टोस कार व कई मोबाइल फोन बरामद हुई। स्पेशल सेल के अधिकारियों का कहना है कि दिल्ली में नशीले पदार्थों के दुरुपयोग और तस्करी से निपटने और एक नशा मुक्त शहर बनाने के निरंतर अभियान चलाये जा रहे हैं। गत समय बड़ी संख्या में नशीली दवाओं के तस्करों को गिरफ्तार करके बड़ी खेप जब्त की गई है। पुलिस का कहना है कि ड्रग्स के बारे में छह महीने पहले इनपुट मिला था। इसके बाद विभिन्न स्त्रोतों के माध्यम से दिल्ली/एनसीआर में सक्रिय मादक पदार्थों के आपूर्तिकर्ताओं और तस्करों के बारे में जानकारी एकत्र की गई। इन छह महीनों के दौरान

■ दिल्ली को नशा मुक्त शहर बनाने का अभियान जारी

संदिग्ध अंतरराज्यीय ड्रग कार्टेल के सदस्यों की पहचान की गई और टीम के सदस्यों द्वारा उनकी गतिविधियों पर चौबीसों घंटे निगरानी रखी गई। यह भी सामने आया कि उत्तर पूर्वी राज्यों के आपूर्तिकर्ता म्यांमार की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के आसपास के पहाड़ी इलाकों से कच्चा माल खरीदते हैं।

राम अवतार है ड्रग कार्टेल का सरगना

पुलिस को जून के आखिरी सप्ताह में पता चला था कि राजस्थान का राम अवतार एक अंतरराज्यीय ड्रग सिंडिकेट चलाता है। यह भी पता चला था कि मणिपुर से दिल्ली और एनसीआर में सप्लाई करने के मकसद से रामअवतार अपने साथियों के साथ काले रंग की महिंद्रा थार में सवार होकर तुगलकाबाद किले पर पहुंचेगा। वह भारी मात्रा में मादक पदार्थ जैसे हेरोइन और अफीम की डिलीवरी देगा। इसके बाद सूचना को लगातार पुख्ता किया गया और राम अवतार को उसके तीन साथियों के साथ बायोडायवर्सिटी पार्क, तुगलकाबाद से दबोच लिया गया। जांच करने पर कार के बाएं रियर टेल लाइट के अंदर गुप्त जगह में 6.776 किलो क्रूड हेरोइन और दाहिने रियर टेल लाइट के अंदर से 10.126 किलोग्राम अच्छी गुणवत्ता वाली अफीम बरामद की गई। विवेचना के दौरान गिरफ्तार अभियुक्त राम अवतार की निशानदेही पर राजस्थान से किआ सेल्टोस की छत में बने गुप्त छिद्रों से 472 ग्राम अफीम बरामद हुई।

मणिपुर के स्थानीय नागरिकों से इकट्ठा की जाती थी अफीम

इस अंतरराज्यीय कार्टेल के सदस्य उत्तर पूर्वी राज्यों मणिपुर और अन्य से राजस्थान, मध्य प्रदेश, पंजाब और दिल्ली एनसीआर में हेरोइन और अफीम की तस्करी करते थे। वे इंफाल, मणिपुर में सड़क निर्माण में शामिल विभिन्न कंपनियों के श्रमिकों का सहारा लेते थे। सबसे पहले, सरगना सड़क निर्माण कार्य में लगी कंपनियों के साथ अपनी कुछ मशीनों और ट्रैक्टरों को काम पर लगाने के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर करता था। उनके ड्रग कार्टेल के कुछ सदस्य मशीनरी पर ड्राइवर या सहायक के रूप में काम करते थे। कार्टेल के सदस्य मणिपुर के स्थानीय निवासियों से नारकोटिक्स पदार्थ एकत्र करते थे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से हेरोइन और अफीम के खरीदारों के साथ संवाद किया जाता था।

वसंत कुंज इलाके में वारदात

होटल के कमरे में दोस्त की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

पंजाब के एक टैक्सी चालक ने दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में एक होटल में पैसों के विवाद में अपने दोस्त की कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पंजाब के रूप नगर जिले के रहने वाले मंदीप सिंह (32) को शुक्रवार रात दिल्ली के करोल बाग से गिरफ्तार किया गया और उसके पास से पीड़ित की कार, पर्स और कपड़े बरामद किए गए।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पश्चिम) रोहित मीणा ने बताया कि मरने वाले की पहचान रोहित (28) के तौर पर की गयी है और उसका शव बृहस्पतिवार को होटल के कर्मचारियों ने कमरे के बाथरूम में देखा। डीसीपी ने कहा कि पूछताछ के दौरान होटल के कर्मचारियों ने पुलिस को बताया कि रोहित और मंदीप चार जुलाई को रात करीब 1:30 बजे कार से उनके होटल पहुंचे थे और करीब 3:20 बजे मंदीप होटल से निकल गया। उन्होंने बताया कि अगली सुबह जब होटल के कर्मचारी कमरे में गये तो उन्हें रोहित का शव बाथरूम में मिला।

पुलिस टीम ने चंडीगढ़ में भी की थी छापेमारी

डीसीपी ने बताया कि इस मामले के मुख्य संदिग्ध मंदीप का पता लगाने के लिए एक टीम गठित की गई थी। उन्होंने बताया कि तकनीकी आधार पर टीम ने चंडीगढ़ में भी छापेमारी की और आरोपी के पासपोर्ट धारक होने के कारण आव्रजन अधिकारियों को भी सतर्क कर दिया गया। डीसीपी के अनुसार रोहित और मंदीप एक यात्री को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर छोड़ने के लिए पंजाब से यहां पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि वे थके हुए थे इसलिए उन्होंने यहां एक होटल में रात बिताने का फैसला किया। अधिकारी ने बताया कि बताया कि ठहरने के दौरान रोहित और मंदीप के बीच बहस हो गई। उन्होंने बताया कि बहस के बाद मंदीप ने बाथरूम में रोहित का गला घोंट दिया और उसकी कार, पर्स तथा कपड़े लेकर भाग गया। डीसीपी ने बताया कि मंदीप ने रोहित के एटीएम कार्ड से कुछ पैसे निकाले हैं। उन्होंने बताया कि आरोपी से आगे की पूछताछ की जा रही है।

मालीवाल हमला मामलाः अदालत ने विभव कुमार की न्यायिक हिरासत 16 जुलाई तक बढ़ाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी विभव कुमार की न्यायिक हिरासत शनिवार को 16 जुलाई तक बढ़ा दी।

कुमार पर 13 मई को मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल पर हमला करने का आरोप है। कुमार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट गौरव गोयल के सामने पेश किया गया, जिन्होंने उनकी न्यायिक हिरासत बढ़ा दी।

■ वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया

मुख्यमंत्री के सहयोगी कुमार को 18 मई को गिरफ्तार किया गया था। उन्हें उसी दिन एक मजिस्ट्रेट अदालत ने पांच दिन के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया था। अदालत ने पाया था कि गिरफ्तारी के कारण उनकी अग्रिम जमानत याचिका निरर्थक हो गई है। उन्हें 24 मई को चार दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था, जिसके बाद उन्हें फिर से तीन दिन के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। कुमार के खिलाफ 16 मई को भारतीय दंड संहिता के विभिन्न प्रावधानों के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

दंपति के बीच झगड़े में बीच बचाव करने गए युवक को मारी गोली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

बाहरी दिल्ली के प्रेम नगर में दंपति के बीच हो रहे झगड़े में बीच बचाव करने गए एक युवक को गोली मार दी गई। गंभीर रुप से घायल युवक को पहले नजदीकी अस्पताल ले जाया गया था। इसके बाद उसे राम मनोहर लोहिया अस्पताल के लिये रेफर किया गया है। घायल का नाम दीपक बताया गया है। उसके पेट में गोली लगी है।

पुलिस हत्या की कोशिश का मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुटी है। पुलिस के अनुसार प्रेम नगर पार्ट 3, किराड़ी में दीपक परिवार के साथ रहता है। वह टैम्पो चलाता है। शुक्रवार रात करीब 10 बजे दीपक काम से घर लौट रहा था। घर के नजदीक पड़ोसी सचिन और उसकी पत्नी के बीच झगड़ा हो रहा था। वह झगड़े में बीच बचाव करने लगा। यह बात सचिन को नागवार गुजरी। वह पत्नी को छोड़ दीपक से उलझ गया। हाथापाई के बाद झगड़ा इतना बढ़ गया कि सचिन ने गुस्से में आकर दीपक के पेट में गोली मार दी। इसके बाद आरोपी मौके से भाग निकला। घायल वहीं गिर गया। दीपक को दोस्त ने संजय गांधी अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर देख दीपक को राम मनोहर लोहिया अस्पताल रेफर किया गया।

मारपीट में घायल होकर अस्पताल पहुंचे शख्स ने की डॉक्टर से बदसलूकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

डीडीयू अस्पताल में एक डॉक्टर से मरीज ने बदसलूकी का मामला सामने आया है। दरअसल आरोपी किसी से मारपीट में घायल होकर अस्पताल पहुंचा था। वह शराब के नशे में भी था। आरोपी शख्स का नाम नीरज सब्बरवाल बताया गया है। उसका पुराना आपराधिक इतिहास भी रहा है। डीसीपी वेस्ट विचित्र वीर ने बताया कि डीडीयू अस्पताल से मामले की सूचना मिली थी। एक घायल व्यक्ति की एमएलसी बनी थी। डॉक्टर ने एमएलसी में चोट की प्रकृति साधारण बताई। शराब का नशा भी एमएलसी में लिखा था। डॉक्टर ने बताया कि मरीज ने उनके साथ गलत व्यवहार किया। हालांकि अभी तक इसकी डॉक्टर की तरऊ से कोई लिखित शिकायत नहीं दी गयी है। घायल नीरज सब्बरवाल ने बताया कि उसका कुछ लोगों से झगड़ा व मारपीट हुई थी। नीरज ने उनके नाम पुलिस को बताये लेकिन यह नहीं बताया कि झगड़े की वजह क्या थी। नीरज के इतिहास से पता चलता है कि वह पहले भी आपराधिक मामलों में शामिल रहा है।

पिछले साल के मुकाबले 27 प्रतिशत बढ़ोत्तरी

एक जनवरी से 30 जून के बीच शराब पीकर वाहन चलाने वाले 12 हजार लोगों पर जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

शराब पीकर वाहन चलाने वालों की संख्या में हर साल बढ़ोत्तरी दर्ज हो रही है। पिछले साल के मुकाबले इस साल 27 प्रतिशत ज्यादा लोग शराब पीकर वाहन चलाते पकड़े गए। इस साल 30 जून तक राजौरी गार्डन ट्रैफिक सर्किल में सबसे अधिक चालान काटे गये। यह हाल तब है जब नशे में ड्राइविंग करने पर 10 हजार रुपए का चालान है। इस सबके बावजूद ट्रैफिक पुलिस लगातार सोशल मीडिया व अन्य प्लेटफार्म पर लोगों को शराब पीकर वाहन न चलाने की अपील करती रहती है। यातायात पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के हिसाब से इस साल के शुरुआती छह महीनों में शराब पीकर वाहन चलाने वाले 12,468 लोगों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस का डंडा चला है। पिछले साल यही आंकड़ा 9837 का था। इस हिसाब से 27 प्रतिशत ज्यादा लोग पकड़े गए हैं या कहें उनके खिलाफ ट्रैफिक पुलिस ने एक्शन लिया है।

10 हजार का चालान या छह माह तक की सजा का है प्रावधान

अगर कोई नशे में ड्राइविंग करते पकड़ा जाता है तो उसे 10 हजार तक का चालान या छह महीने की जेल तक हो सकती है। दूसरी बार यही गलती दोहराने और पकड़े जाने पर चालान की राशि बढ़कर 15 हजार रुपए या दो साल तक की जेल हो सकती है। कुछ साल पहले तक चालान की यही राशि पहली बार में पकड़े जाने पर महज दो हजार रुपए थी।

इन ट्रैफिक सर्किल में हुए सबसे ज्यादा चालान

राजौरी गार्डन -	770
समयपुर बादली -	514
रोहिणी -	441
पंजाबी बाग -	387
महरौली -	367
मयूर विहार -	364
नरेला -	364
कालकाजी -	344
करोल बाग -	342
सदर बाजार –	342

खबर संक्षेप

तीन दिन बाद भी खत्म नहीं हुई यमुना में अमोनिया, वजीराबाद संयंत्र प्रभावित

नई दिल्ली। यमुना नदी में तीसरे दिन शनिवार को भी प्रदूषण अमोनिया पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। जिसके चलते दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) का वजीराबाद जल शोधन संयंत्र अपनी तय क्षमता से बहुत कम शोधन कर पा रहा है। जिसके चलते वजीराबाद संयंत्र से आपूर्ति घटी जिसका प्रभाव संबंधित क्षेत्रों में जलापूर्ति पर पड़ रहा है। डीजेबी के समर एक्शन प्लान के एक आला अधिकारी ने जानकारी दी कि तीसरे दिन भी यमुना में अमोनिया की मात्रा कम नहीं हुई है। जिसके चलते वजीराबाद संयंत्र अपनी तय क्षमता 131 एमजीडी जल शोधन की है। जबकि अमोनिया की वजह से इसमें करीब 26 एमजीडी तक कम शोधन दर्ज हो रही है। अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को 50 एमजीडी कम जल शोधन हुआ था, जिसमें शनिवार को बढ़ोत्तरी हुई है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सचदेवा ने लगाया पौधा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम

अभियान के अंतर्गत शनिवार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पौधरोपण किया और कहा कि पेड़ लगाने से जहां प्रकृति का संरक्षण होता है वहीं हमारी धरती माता का भी संवर्धन होता है। सभी से आग्रह है कि आप लोग भी प्रकृति की रक्षा में इस अभियान से जुड़ें और पर्यावरण संरक्षण के आंदोलन को और अधिक प्रभावी एवं गतिशील बनाने में अपना सक्रिय योगदान दें।

आप सरकार दिल्ली वालों को राशन देने में हुई विफल साबित : कांग्रेस

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने केजरीवाल सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि 11 लाख लोगों को राशन जारी करने की जगह प्रवासियों के राशन कार्ड निरस्त करना गरीब विरोधी कदम है। देवेंद्र ने एक बार फिर कहा कि केजरीवाल सरकार दिल्ली वालों को राशन देने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून 2013 का मोदी और केजरीवाल सरकार बढ़ चढ़कर श्रेय तो ले रही है, परंतु उसे लागू करने पर कभी संवेदनशील नहीं हुई। क्योंकि पिछले 10 वर्षों में दिल्ली में एक भी नया राशन कार्ड नहीं बना है।

सुनीता केजरीवाल ने अपने वीडियो संदेश में किया खुलासा

सांसद मगुंटा रेड्डी ने अपने बेटे को बचाने के लिए केजरीवाल के खिलाफ दिया झूठा बयान : सुनीता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सीबीआई द्वारा सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल ने शनिवार को बड़ा खुलासा किया। उन्होंने कहा कि एनडीए के सांसद मगुंटा रेड्डी ने जेल में बंद अपने बेटे राघव मगुंटा रेड्डी को बचाने के लिए अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एक झूठा बयान दिया। इससे पहले मगुंटा रेड्डी ने ईडी को दो बयान दिए, जिसमें उन्होंने कहा कि वो एक चैरिटेबल ट्रस्ट के लिए जमीन के संबंध में अरविंद केजरीवाल से मिले थे। लेकिन ईडी को ये बयान पसंद नहीं आए और उनके बेटे को गिरफ्तार कर लिया। बेटे और परिवार की हालत देख मगुंटा रेड्डी टूट गए और अपना बयान बदल दिए। ईडी जो चाहती थी, वो अपने बयान में बोल दिए और इसके बदले में उनके बेटे को जमानत दे दी गई। उन्होंने कहा कि मगुंटा रेड्डी ने खुद ही कहा है कि 16 मार्च 2021 को उनकी केजरीवाल से पहली और आखिरी मुलाकात हुई थी, तो क्या कोई पहली बार में ही कई लोगों के सामने पैसे मांग लेगा? दिल्लीवालों से अपील है कि आपके बेटे अरविंद केजरीवाल को राजनैतिक षड़यंत्र का शिकार बनाया गया है। हमें उनके साथ खड़े होने की जरूर है। सुनीता ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि आपके चहेते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एनडीए के एक सांसद मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी के

झूठे बयान पर गिरफ्तार किया गया है। मगुंटा रेड्डी आंध्र प्रदेश से एनडीए के सांसद हैं। 17 सितंबर 2022 को ईडी ने मगुंटा रेड्डी के ठिकानों पर छापेमारी की थी। ईडी ने उनसे पूछा कि क्या वो कभी दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल से मिले हैं? इस पर मगुंटा रेड्डी ने कहा कि मैं 16 मार्च 2021 को अरविंद केजरीवाल से दिल्ली सचिवालय में उनके दफ्तर में मिला था। मैं दिल्ली में एक फैमिली चैरिटेबल ट्रस्ट खोलना चाहता था और मैं मुख्यमंत्री से ट्रस्ट के लिए जमीन के बारे में बात करने गया था। उस दौरान अरविंद केजरीवाल ने मुझसे कहा था कि दिल्ली में जमीन से जुड़े मामले एलजी के अधीन आते हैं और आप हमें अपना आवेदन पत्र दे दो, हम देखते हैं। इतनी बात कहकर केजरीवाल चले गए। सुनीता ने कहा कि ईडी को मगुंटा रेड्डी का जवाब पसंद ही नहीं आया। कुछ दिनों बाद ईडी ने मगुंटा रेड्डी के बेटे राघव मगुंटा को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद मगुंटा रेड्डी से कई और बयान लिए गए। हर बयान में मगुंटा रेड्डी अपना पहले वाला बयान ही दोहराते रहे, क्योंकि वही सच था और उनके बेटे राघव मगुंटा रेड्डी की बेल खारिज होती रही। इस दौरान राघव मगुंटा की पत्नी ने आत्महत्या करने की कोशिश की और उनकी बूढ़ी मां की तबियत खराब हो गई। यह सब देखकर मगुंटा रेड्डी अपने बेटे राघव मगुंटा के लिए टूट गए और 17 जुलाई 2023 को मगुंटा रेड्डी ने ईडी में अपना बयान बदल दिया। अपने नए बयान में मगुंटा रेड्डी ने कहा कि 16 मार्च 2021 को मैं केजरीवाल से मिलने गया था। मेरी और अरविंद केजरीवाल की मुलाकात मुश्किल से 4-5 मिनट की हुई। उस दौरान अरविंद केजरीवाल के पास 10-12 लोग बैठे हुए थे। दफ्तर में घुसते ही मुझसे केजरीवाल ने कहा कि आप दिल्ली में शराब का काम शुरू करो और बदले में आम आदमी पार्टी को 100 करोड़ रुपए दे दीजिए। अरविंद केजरीवाल से मेरी यह पहली और आखिरी मुलाकात थी।

'अगर किसी को पैसे मांगने ही थे तो क्या वह 10-12 लोगों के सामने मांगता'

सुनीता केजरीवाल ने कहा कि मगुंटा रेड्डी के इस बयान के बाद अगले ही दिन ईडी ने उसके बेटे राघव मगुंटा रेड्डी को जमानत दिलवा दी। जाहिर है कि मगुंटा रेड्डी का यह बयान झूठा है। मगुंटा रेड्डी ने खुद कहा है कि अरविंद केजरीवाल से यह उनकी पहली और आखिरी मुलाकात थी और वहां पर 10-12 लोग भी बैठे थे। अगर किसी को किसी से पैसे मांगने भी थे, तो वह क्या पहली मुलाकात में ही किसी अजनबी व्यक्ति से 10-12 लोगों के सामने इस तरह पैसे मांग लेगा? जाहिर है कि मगुंटा रेड्डी के बेटे और परिवार को पांच महीने तक बुरी तरह से प्रताड़ति किया गया। इसीलिए मगुंटा रेड्डी ने अपने बेटे राघव मगुंटा को बचाने के लिए अरविंद केजरीवाल के खिलाफ झूठा बयान दिया। यह बयान देने के दो दिन में ही राघव मगुंटा को जमानत मिल गई। सुनीता ने कहा कि इन सब बयानों से एक बात तो साफ हो गई है कि अपने बेटे को जेल से निकलवाने के लिए मगुंटा रेड्डी ने झूठा बयान दिया। कोर्ट ने भी अरविंद केजरीवाल को बेल देते हुए यही माना कि ईडी ने बेल का लॉलीपॉप देकर बिना किसी सबूत के बयान लिया।

समय के साथ सुनीता ने भी कहानी सुनाने की कला में महारत हासिल कर ली : सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने सुनीता केजरीवाल के वीडियो संदेश पर कहा कि सुनीता केजरीवाल वास्तव में आम आदमी पार्टी (आप) की स्टार मैनिपुलेटर बन गई हैं क्योंकि समय के साथ उन्होंने कहानी सुनाने की कला में महारत हासिल कर ली है जैसे उनके पति अरविंद केजरीवाल और अन्य पार्टी सहयोगियों ने किया है। आप द्वारा सुनीता केजरीवाल की ओर से जारी किए गए रिकॉर्ड किए गए वीडियो बयान में चौंकाने वाले बयान दिए गए हैं। यह चौंकाने वाला है कि सुनीता केजरीवाल न्यायपालिका को संदेह के घेरे में खड़ा कर रही हैं। दिल्ली के लोग विश्वास नहीं कर पा रहे हैं कि यह एक मुख्यमंत्री की पत्नी द्वारा जारी किया गया वीडियो है जो स्वयं वरिष्ठ सरकारी अधिकारी रह चुकी हैं। यह आश्चर्यजनक है कि वह न्यायपालिका पर संदेह कर रही हैं क्योंकि अपनी कहानी सुनाने के दौरान वह बार-बार कहती हैं कि अदालत ने तीन बार सांसद एम.एस. रेड्डी के बेटे को जमानत देने से इनकार कर दिया जब उसने बार-बार अपना मूल सत्य बयान दिया लेकिन 2023 में एम.एस. रेड्डी पारिवारिक दबाव के कारण झुक गए और बयान बदल दिया जिसके बाद रेड्डी के बेटे को अदालत ने जमानत दे दी। यह चौंकाने वाला है कि केजरीवाल चाहती हैं कि हम दिल्लीवासी विश्वास करें कि जब रेड्डी सत्य बयान दे रहे थे तब अदालत ने उनके बेटे को जमानत नहीं दी लेकिन जैसे ही एम.एस. रेड्डी ने अपना बयान बदल दिया, उनके बेटे को जमानत मिल गई। सुनीता केजरीवाल ने अपने बयान से न केवल न्यायपालिका की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाई है बल्कि सामान्य कानून का पालन करने वाले नागरिकों की भावनाओं को भी ठेस पहुंचाई है।

अदालत ने केजरीवाल की पत्नी को उनके चिकित्सा रिकॉर्ड उपलब्ध कराने की दी अनुमति

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी स्थित एक अदालत ने शनिवार को जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता को उनके चिकित्सा रिकॉर्ड उपलब्ध कराने की अनुमति दे दी और उन्हें उनकी ओर से मेडिकल बोर्ड या डॉक्टरों से स्वतंत्र रूप से सलाह लेने की अनुमति भी दे दी। हालांकि, अदालत ने केजरीवाल की उस अर्जी को खारिज कर दिया जिसमें चिकित्सकों से परामर्श के दौरान सुनीता केजरीवाल को उनकी 'अटेंडेंट' के तौर पर शामिल करने की अनुमति देने के लिए जेल अधिकारियों को निर्देश दिए जाने का आग्रह किया गया था। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने कहा कि केजरीवाल को अस्पताल में भर्ती नहीं कराया गया है और दिल्ली जेल नियमों के अनुसार, जेल अधीक्षक द्वारा प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के साथ परामर्श करने के बाद किसी विचाराधीन कैदी के साथ 'अटेंडेंट' के रूप में परिवार के किसी सदस्य को तभी अनुमति तभी दी जाती है जब कैदी अस्पताल में भर्ती हो। अदालत ने कहा कि इस अदालत को जेल नियमों के खिलाफ जाकर आवेदक (केजरीवाल) के लिए अपवाद बनाने का कोई कारण नहीं दिखता है, विशेष रूप से जेल अधिकारियों की इस दलील के मद्देनजर कि कई अन्य कैदी भी आवेदक जैसी ही बीमारी का इलाज करा रहे हैं जिन्हें 'अटेंडेंट' रखने की अनुमति नहीं दी गई है। केजरीवाल की पत्नी को उनके चिकित्सा रिकॉर्ड देने के संबंध में अदालत ने कहा कि जेल अधिकारियों को कोई आपत्ति नहीं है और कार्यवाही के दौरान मुख्यमंत्री इस बात पर सहमत हुए कि उनके चिकित्सा रिकॉर्ड संबंधित अधिकारियों द्वारा विधिवत साझा किए जा रहे हैं।

एलजी ने दी जेल में बंद सत्येंद्र जैन के खिलाफ जांच की मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

तिहाड़ जेल में बंद केजरीवाल सरकार में मंत्री रहे सत्येंद्र जैन की मुश्किलें अब ओर बढ़ने वाली है। क्योंकि उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने एक और मामले में जैन के खिलाफ दिल्ली में सीसीटीवी लगाने के 571 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट के लिए 7 करोड़ रुपये की रिश्वत लेने के आरोप भ्रष्टाचार निवारण (पीओसी) अधिनियम के तहत जांच की मंजूरी दे दी है। राजनिवास से जुड़े सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एलजी ने जैन पर 70 विधानसभा क्षेत्रों में सीसीटीवी लगाने के 571 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट में करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार को पहली नज़र में सही पाया है।

राजनिवास सूत्रों का कहना है कि एलजी सक्सेना ने जैन के खिलाफ एसीबी द्वारा जांच की मंजूरी के लिए पीओसी अधिनियम, 1998 की धारा 17 ए के तहत मामले को केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजने के डीओवी के प्रस्ताव को अपनी सहमति दी है। यह प्रस्ताव एसीबी द्वारा भेजे जाने के बाद एलजी ने सभी पहलुओं का गहराई से अध्ययन करने व कानूनविद् से सलाह लेने के बाद अपनी सहमति

दी है। जानकारी अनुसार इस मामले में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) कंपनी के एक पूर्व कर्मचारी ने एक शिकायत दी थी कि दिल्ली में जो सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे, उस वक्त उनमें गड़बड़ी बताकर 16 करोड़ की पेनल्टी लगाई गई थी। जिसके बाद यह मामला मंत्री जैन के पास पहुंचा जहां इस पेनल्टी को हटाने के नाम पर सात करोड़ की रिश्वत मांगने का आरोप लगा था। जिस पर बाद में मामला एंटी करप्शन ब्रांच के पास पहुंचा और उसने अपने स्तर पर गहराई से जांच शुरू कर दी। जांच में कुछ अहम सबूत मिलने की बात सामने आई, जिसके बाद एसीबी ने एलजी से इस मामले पर भ्रष्टाचार निवारण (पीओसी) अधिनियम के तहत जांच की मंजूरी मांगी थी, जिसे अब उन्होंने मंजूरी प्रदान कर दी है।

लोस चुनाव में मिली जीत के बाद दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का हौसला दोगुना हो गया : सचदेवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में पार्टी को दिल्ली में मिली जीत के बाद भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं का उत्साह और हौसला दोगुना हो गया है। यह बात शनिवार को दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 123वीं जयंती पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। सचदेवा ने कहा कि दिल्ली में अगले साल विधानसभा चुनाव होना है। भाजपा रविवार को पार्टी की विस्तारित कार्यकारिणी समिति

की बैठक के दौरान दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए रणनीति पर चर्चा करेगी। दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा में, सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) के 61 विधायक है, जबकि भाजपा के आठ सदस्य हैं। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली के विकास के लिए केंद्र में पार्टी के दोहरे इंजन की जरूरत है। भाजपा दो दशक से अधिक समय से दिल्ली की सत्ता से बाहर है। सचदेवा ने कहा कि एकता में कितनी ताकत है यह बात हमें डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने बताई थी और इस बार के लोकसभा चुनाव में हमने वह प्रयोग किया जिसका परिणाम हम सब के सामने हैं।

निगम ने भरोला गांव, जहांगीरपुरी में चलाया अतिक्रमण रोधी अभियान

नई दिल्ली। नागरिक व्यवस्था और स्वच्छता बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए दिल्ली नगर निगम ने भरोला गांव, जहांगीरपुरी, में अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। इस व्यापक कार्रवाई का नेतृत्व सिविल लाईन क्षेत्र के उपायुक्त द्वारा किया गया और इसमें कई विभागों, जैसे इंजीनियरिंग विभाग, पर्यावरण प्रबंधन सेवाएं विभाग (डीईएमएस), सामान्य शाखा और स्वास्थ्य विभाग ने सक्रिय रूप से भाग लिया। यह ऑपरेशन अपने व्यापक समन्वय और संसाधनों की तैनाती के लिए उल्लेखनीय था। पांच बैकहो लोडर और पांच टिप्पर तैनात किए गए, साथ ही 65 बेलदारों की टीम थी, जिनकी निगरानी पांच जूनियर इंजीनियरों द्वारा की गई। लगभग 50 पर्यावरण सहायकों को छोटे नालों की सफाई में लगाया गया। सिविल लाइन क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारियों ने अभियान का सुचारू रूप से निष्पादन किया।

DELHI POLICE
SHANTI SEWA NYAYA
TRAFFIC POLICE DELHI
राष्ट्रीय विधिक सेवाएं प्राधिकरण
के तत्वाधान में एवं दिल्ली यातायात पुलिस
के सहयोग से
दिल्ली राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण
द्वारा
विशेष लोक अदालत
13 जुलाई, 2024 (शनिवार), प्रात: 10:00 बजे से
शाम 4:00 बजे तक
भुगतान योग्य यातायात चालानों के निपटारे के लिए
सभी प्रकार के वाहनों के (मौके के चालान और नोटिस सहित)
(जिसमे व्यावसायिक वाहन भी शामिल हैं)
दिल्ली पुलिस पोर्टल पर 31.03.2024 तक लंबित
न्यायालय के परिसर में : द्वारका | कड़कड़डूमा | पटियाला हाउस, रोहिणी | राउज़ एवेन्यू | साकेत और तीस हजारी
नोट:
इस विशेष लोक अदालत में सभी वाहनों (व्यवसायिक वाहनों सहित) के,केवल भुगतान योग्य (Compoundable) चालान जो दिल्ली यातायात पुलिस की वेबसाइट पर दिनांक 31.03.2024 तक लंबित हैं, इस लोक अदालत में लिए जायेगें। भुगतान अयोग्य,जो नियमित /इवनिंग/डिजिटल/ कोर्ट भेजा जा चुका हैं,जो भुगतान हो चुका है अथवा कोर्ट ने संज्ञान लेने से इंकार कर दिया है, नहीं लिए जायेगें।
प्रत्येक लोक अदालत बैंच में 1000 चालान /नोटिस लिए जायेगें तथा सभी कोर्ट परिसरों की 180 लोक अदालत बेंचो में कुल 1,80,000 चालानों का निपटारा किया जायेगा। केवल 07 नोटिस/चालान (05 नोटिस,02 चालान) प्रति निजी वाहन एवं (02 नोटिस/चालान) प्रति व्यवसायिक वाहन इस लोक अदालत में लिए जायेगें।
सभी चालान/नोटिस पर्चीं दिल्ली यातायात पुलिस की वेबसाइट से डाउनलोड किये जायेगें। चालान/नोटिस का निपटारा करने हेतु चालान/नोटिस की पर्ची का प्रिंट आउट लाना अनिवार्य हैं और प्रिंट आउट निकलवाने की कोई भी सुविधा कोर्ट परिसरों में नहीं होगी।
नोटिस अथवा चालान को डाउनलोड करने और उसका प्रिंट आउट लेने के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की वेबसाइट पर लॉग इन करें
https://traffic.delhipolice.gov.in/notice/lokadalat
यह लिंक 10 जुलाई 2024 को प्रात: 10:00 बजे से चालानों की सीमा समाप्त होने तक खुला रहेगा।
यदि आप अपने चालान /नोटिस का निपटारा चाहते है तो चालान में उल्लेखित कोर्ट परिसर एवं कोर्ट संख्या में दिये गये समय पर ही जायें।
कृपया लोक अदालत में अपने चालान /नोटिस की पर्ची का प्रिंट आउट साथ लेकर जायें।
कृपया निपटान के लिए चालान/नोटिस का प्रिंटआउट लोक अदालत पीठ के पास ले जाएं।
नोट:- • चालान डाउनलोड करने के तरीके को जानने के लिए क्यू आर कोड नंबर -1 को स्कैन करें।
• वादियो द्वारा चालान पर्चियां सीधे ऊपर दिए गए लिंक या नीचे दिए गए क्यू आर कोड नंबर -2 को स्कैन करके डाउनलोड की जा सकती हैं।
दिल्ली राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण
राउज़ एवेन्यू डिस्ट्रिक्ट कोर्ट, तीसरी मंजिल, पंडित डीडीयू मार्ग, नई दिल्ली-110002 (हेल्पलाइन:1516)
क्यू आर कोड 1 चालान कैसे डाउनलोड करें, देखने के लिए स्कैन करें
आप हमसे जुड़ें:
https://www.facebook.com/dtptraffic
https://twitter.com/dtptraffic
ट्रैफिक प्रहरी बने, हम से जुड़े
Google play or App Store
24 घंटे यातायात हेल्पलाइन
011 25844444/1095
क्यूआर कोड 2 चालान डाउनलोड के लिए स्कैन करे
DP/9676/2024

सभी विभागों को मच्छरों की पैदावार रोकने के लिए जारी किए निर्देश

डेंगू की रोकथाम के लिए लोगों को पैम्फलेट देकर जागरूक करेगी दिल्ली सरकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने डेंगू और चिकनगुनिया को रोकने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। दिल्ली सरकार ने लोगों में डेंगू और चिकनगुनिया तथा अन्य ऐसी बीमारियों हेतु जागरूकता फैलाने के लिए 40 लाख पैम्फलेट छपवाए हैं, जिनके द्वारा दिल्ली के लोगों को डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से सावधान रहने और किस प्रकार से इसकी रोकथाम की जाए जागरूक किया जाएगा साथ ही साथ आशा वर्करों को भी जनता को इन बीमारियों से निपटने के लिए जागरूकता अभियान चलाने के लिए ट्रेनिंग दी गई है। आशा वर्कर अपने-अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर लोगों को डेंगू और मलेरिया से बचने तथा इस बीमारी की रोकथाम की जानकारी देंगे। इस बात की जानकारी अधिकारियों ने स्वास्थ्य मंत्री

सौरभ भारद्वाज को एक बैठक में दी है।

गौरतलब है कि दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली सचिवालय में डेंगू चिकनगुनिया तथा मलेरिया जैसी बीमारियों से निपटने एवं रोकथाम करने के संबंध में शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई थी। इस बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, जीएनसीटीडी विभाग, डीजीएचएस विभाग, एमसीडी विभाग, एनडीएमसी विभाग, डीयूएसआईबी विभाग, पीडब्ल्यूडी विभाग, शिक्षा विभाग, डीएसआईआईडीसी विभाग और आईएंडफसी विभाग के आलाधिकारी मौजूद रहे। मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बैठक में मौजूद सभी विभागों के अधिकारियों से उनके द्वारा अब तक की गई तैयारी का जायजा लिया, साथ ही साथ सभी विभागों को उनके कार्य क्षेत्र अनुसार कुछ निर्देश भी इस बैठक के दौरान जारी किए गए। अधिकारियों ने बताया कि रेडियो के माध्यम से भी घर-घर तक डेंगू मलेरिया जैसी बीमारियों से निपटाने की जानकारी पहुंचाई जाएगी। अधिकारियों ने यह भी बताया इन बीमारियों की रोकथाम के लिए जिनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजे जाने वाले सैंपलों की संख्या में भी वृद्धि की गई है, ताकि अधिक से अधिक जांच कर इस बीमारी के फैलने पर रोक लगाई जा सके।

एमसीडी ने बच्चों को दिया डेंगू होमवर्क कार्ड

बैठक में मौजूद एमसीडी के अधिकारियों ने अपनी तैयारी के संबंध में जानकारी देते हुए बताया, कि नगर निगम के सभी स्कूल के बच्चों को डेंगू होमवर्क कार्ड दिया गया है। जिसके तहत सभी बच्चे साप्ताहिक तौर पर अपने-अपने घरों में हर कोने में, गमले में जांच करेंगे, कि कहीं पानी इकट्ठा तो नहीं है, कहीं मच्छर पैदा होने की कोई संभावना तो नहीं है और उसका ब्यौरा कार्ड में लिखकर स्कूल में जमा करेंगे। साथ ही साथ एमसीडी के द्वारा पूरी दिल्ली में ऐसे क्षेत्र की जांच की जा रही है जहां पर डेंगू और मलेरिया जैसे मच्छरों के पैदा होने की संभावनाएं होती हैं। वहां पर दवाईयों का छिड़काव किया जा रहा है।

खबर संक्षेप

यातायात पुलिस कर्मियों ने सड़कों के गड्ढे भरे

फरीदाबाद। यातायात पुलिस उपायुक्त उषा के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस ने यात्रियों को आवागमन में कोई परेशानी न आए इसके लिए यातायात प्रबंधक की टीम ने बल्लभगढ़ सोहना फ्लाईओवर व आस पास की अन्य सड़कों पर बरसात के पानी के कारण बने गड्ढों को रोडी मिट्टी से भरकर यात्रियों के आवागमन को आसान, सुगम बनाने का सराहनीय कार्य किया है।

विपुल गोयल ने मां के नाम पर पौधा लगाया

फरीदाबाद। पूर्व मंत्री एवं प्रदेश उपाध्यक्ष विपुल गोयल ने आज अपनी मां के नाम पर एक पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। यह पहल भाजपा द्वारा चलाए जा रहे हर बूथ पर मां के नाम पर पेड़ लगाने का अभियान का हिस्सा है। इस अवसर पर गोयल ने कहा कि यह अभियान प्रकृति और लोकतंत्र को मजबूत करने का एक उत्सव है जिसमें सभी को अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करनी चाहिए।

पिकअप ने मारी टक्कर अस्पताल में पैर कटा

गुरुग्राम । काम के बाद दिल्ली लौट रहे एक व्यक्ति को पिकअप ने टक्कर मार दी। इस हादसे में उसके एक पैर पूरी तरह डैमेज हो गया, जिससे अस्पताल में एक पैर को घुटने से ऊपर से काटना पड़ा। पत्नी ने बजघेड़ा थाना में शिकायत देकर टक्कर मारने वाली पिकअप व चालक का पता लगाकर कार्रवाई की गुहार लगाई है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वाहन चोर को ऑटो सहित किया गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा सेक्टर-30 की टीम ने वाहन चोरी करने वाले आरोपी को ऑटो सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी विनोद गांव जसाना का रहने वाला है। आरोपी को अपराध शाखा टीम ने गस्त के दौरान चोरी के ऑटो सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि आरोपी ने ऑटो को कच्चा बदरपुर एरिया से चोरी किया था।

देसी पिस्तौल सहित आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। वाहन चोरी निरोधक शाखा सिकरोना की टीम ने देसी पिस्तौल सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी निपुण आर्य वासी नंगला एनक्लेव पार्ट-2 फरीदाबाद का रहने वाला है। आरोपी को पुलिस टीम ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना से गस्त के दौरान सेक्टर-12 मॉल के पास से काबू किया है। आरोपी की तलाशी लेने पर आरोपी से देसी पिस्तौल बरामद हुआ है।

वाहन चोर बाइक सहित किया गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा उंचा गांव की टीम ने वाहन चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी राहुल मूल रूप से बिहार के पटना जिले के गांव तोला का रहने वाला है। आरोपी को अपराध शाखा टीम ने बल्लबगढ़ रेलवे रोड से मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी ने मोटरसाइकिल तिगांव शाहबाद से चोरी की थी।

गुरुग्राम के लिए राहत भरी खबर, 18 सड़कों का होगा निर्माण, सीएम ने दी मंजूरी

गुरुग्राम के लिए एक और राहत भरी खबर है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने गुरुग्राम जिले के पटौदी विधानसभा की 18 सड़कों की मरम्मत एवं सुधार के लिए प्रशासनिक मंजूरी प्रदान कर दी है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

गुरुग्रामवासियों के लिए राहत भरी खबर है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने गुरुग्राम जिले के पटौदी विधानसभा की 18 सड़कों की मरम्मत एवं सुधार के लिए प्रशासनिक मंजूरी प्रदान कर दी है। इन सड़कों की मरम्मत और सुधार पर छह करोड़ 20 लाख ररुपए का खर्च आएगा।

जिन सड़कों की मरम्मत को मंजूरी मिली है। 39.95 लाख रुपए खर्च कर गांव नरहेड़ा तक 1.620 किलोमीटर लंबे एचएनपीपी मार्ग को सुधारा जाएगा। इसके अलावा 41.11 लाख रुपए खर्च कर गांव राजपुरा से गांव मुज्जफरा तक 2.25 किलोमीटर लंबे मार्ग, 90.98 लाख रुपए से गांव भोंकरका से गांव परसोली तक 2.790 किलोमीटर, डीजे रोड (एनएच-8) से गांव बिलासपुर कलां तक 0.240 किलोमीटर लंबी सड़क की मरम्मत पर 21.41 लाख रुपए खर्च होंगे।

चल रहा काम

डीजे रोड से आरएलएस कॉलेज सिधरावली तक 0.150 किलोमीटर लंबी सड़क की मरम्मत पर 11.38 लाख खर्च होंगे। पटौदी रोड से गांव पहाड़ी तक 0.160 किलोमीटर लंबी सड़क पर 14.46 लाख रुपए, जीवाड़ा-गुढ़ाना रोड से हलियाकी तक 0.140 किलोमीटर लंबी सड़क जिसकी लागत 7.35 लाख रुपए खर्च होंगे।

कई सड़कों पर शुरू हो चुका मरम्मत कार्य

स्वीकृत परियोजनाओं में लिंक रोड पर मिर्जापुर से स्कूल तक 0.820 किलोमीटर लंबी लिंक रोड का सुदृढ़ीकरण पर 34.74 लाख रुपए खर्च होंगे। ढाणी प्रेम नगर से केएमपी एक्सप्रेसवे तक 0.630 किलोमीटर लंबी सड़क जिसकी लागत 15.04 लाख रुपए, गुरुग्राम पटौदी रेवाड़ी (छावन) रोड से खोर रोड तक 1.800 किलोमीटर लंबी सड़क जिसकी लागत 34.15 लाख रुपए, गांव लोकरा मऊ रोड से ढाणी लोकरी रोड तक 2.400 किलोमीटर सड़क 78.98 लाख रुपए, की लागत से सड़क निर्माण कार्य शुरू किया गया है।

आकाश, आदिल व मुस्कान आपस में भाई-बहन थे

फरीदाबाद में जर्जर मकान का छज्जा गिरने से तीन बच्चों की मौत, मकान मालिक फरार

फरीदाबाद में एक जर्जर मकान का छज्जा गिरने से तीन बच्चे, आकाश, आदिल और मुस्कान की मौके पर ही मौत हो गई। मकान मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

फरीदाबाद में जर्जर हालत के मकान का छज्जा गिरने से तीन बच्चे छज्जे के नीचे दब गए, जिससे तीनों बच्चों की मौत हो गई। घटना फरीदाबाद के सीकरी गांव की है जहां पर एक जर्जर हालत मकान के बाहर बालकनी के नीचे तीन बच्चे बैठे थे, इसी दौरान जर्जर हालत मकान का छज्जा भरभरा कर तीनों बच्चों पर गिर गया, जिसके मलबे में तीनों बच्चे दब गए और तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

फरीदाबाद के सेक्टर 58 पुलिस स्टेशन इंचार्ज कृष्ण कुमार ने बताया कि मकान काफी जर्जर हालत में था, इसके बावजूद भी मकान मालिक ने इसे किराए पर दे रखा था और फरीदाबाद में बारिश के बाद अचानक मकान का छज्जा भरभरा कर गिर पड़ा, इसके नीचे बैठे तीन बच्चे इस मलबे मैं दब गए जिनकी मौके पर ही मौत हो गई। एसएचओ कृष्ण कुमार ने यह भी बताया कि करने वाले तीनों बच्चे आपस में भाई बहन ही थे। फिलहाल पुलिस ने मकान मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

खास बातें

- बालकनी के नीचे बैठे थे बच्चे, मलबा में दब गए
- पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा

शिकायत के आधार पर किया गया मामला दर्ज

एसएचओ कृष्ण कुमार के मुताबिक मृतक बच्चों की पहचान आकाश (10), आदिल (6) और मुस्कान (8) के रूप में हुई है। जो घटना के वक्त घर के बाहर बैठे थे। उन्होंने बताया की बच्चों के पिता बिहार के जिला शेखपुरा के मूल निवासी हैं। मृतक बच्चों के पिता धर्मेंद्र कुमार ने फरीदाबाद के सेक्टर 58 पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। जिसके आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

बीएनएस की धारा 105 के तहत की गई एफआईआर दर्ज

एसएचओ ने बताया कि बच्चों के पिता की शिकायत के बाद फरीदाबाद के सेक्टर 58 पुलिस स्टेशन में बीएनएस की धारा 105 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। एसएचओ ने बताया घर के मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है और उसे पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं। पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिए गए ।

लोग बचाने को दौड़े

एसएचओ कृष्ण कुमार ने बताया की वह उस घर में परिवार के साथ किराएदार के रूप में रहता है। जिसका मालिक सीकरी गांव का राकेश कुमार है। तीनों मासूम बच्चे अपने घर के बाहर बालकनी के नीचे बैठे थे। तभी बारिश के कारण छज्जा तेज आवाज के साथ गिर गया और तीनों बच्चे बालकनी के मलबे के नीचे दब गए। हादसे के बाद आसपास के लोग उन्हें बचाने के लिए दौड़े लेकिन वहां काफी मलबा था। किसी तरह लोगों ने मलबा हटाया और बेहोश बच्चों को पास के अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने तीनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया।

नगर निगम, एनजीटी टीम ने किया निरीक्षण

जीडीए से हस्तांतरित हुए वैशाली के 4 पार्कों की हो रहा कायाकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

जीडीए से हस्तांतरित हुए वैशाली के चार पार्कों का नगर निगम की कायाकल्प कर रहा है। एनजीटी टीम ने निरीक्षण किया। जिन पार्कों को हस्तांतरित किया गया है, उनमें चित्रगुप्त, डॉ. भीमराव अंबेडकर, कृष्णा तथा पोडियम पार्क हैं। चारों पार्कों में लगभग 46 लाख की लागत से पार्क को सुव्यवस्थित करने का कार्य चल रहा है, पार्कों की दीवारों की मरम्मत, पार्कों की फुटपाथ की मरम्मत का कार्य भी कराया जा रहा है।

जीडीए ने दस्तावेज एनजीटी की टीम को सौंपे

एनजीटी द्वारा अधिकृत किए कमिश्नर जिसमें राहुल खुराना तथा टीम द्वारा पार्कों का निरीक्षण किया गया। मौके पर कार्य चल रहा था। जिसमें बाउंड्री वॉल का कार्य वर्तमान में चल रहा है। डॉ. सुनील वैध, यूपी पॉल्यूशन बोर्ड के अधिकारी, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के निर्माण विभाग के अधिकारी, उद्यान विभाग के अधिकारी मौके पर उपस्थित रहे, टेंडर प्रक्रिया से संबंधित सभी दस्तावेज उपस्थित एनजीटी की टीम को सौंपे गए।

एनजीटी की टीम ने भी लिया जायजा

उद्यान प्रभारी डॉ. अनुज सिंह ने बताया कि नगर निगम उद्यान विभाग द्वारा पार्कों को सुंदर व सुव्यवस्थित बनाने के लिए कार्यवाही तेज की गई है। एनजीटी की टीम द्वारा भी मौके पर चारों पार्कों का जायजा लिया गया तथा पौधा लगाकर शहर को पौधरोपण का संदेश दिया गया। उन्होंने बताया कि नगर आयुक्त के निर्देश के क्रम में कार्यकारिणी में लिए गए निर्णय के अनुसार गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के चार पार्कों में गाजियाबाद नगर निगम द्वारा कार्य कराया जा रहा है तथा रखरखाव नगर निगम द्वारा ही किया जाएगा, काम पूरा होना के बाद मार्च मे पार्क सौंपने का काम होगा। वैशाली के क्षेत्रीय निवासियों का भी सहयोग प्राप्त हुआ पार्कों को सुव्यवस्थित बनाया जाएगा अधिक से अधिक ग्रीनरी का कार्य जारी है आगामी माह में पार्कों को काफी हद तक सुंदर और सुव्यवस्थित किया जाएगा जिससे वैशाली के क्षेत्र वासियों को लाभ प्राप्त होगा।

साइबर अपराधियों को मोबाइल, आधार कार्ड सप्लाई करने वाले चार गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

थाना नंदग्राम पुलिस ने साइबर अपराध करने वाले गिरोह को मोबाइल फोन, लैपटॉप व अन्य उपकरण व कूटरचित उपकरण सप्लाई करने वाले चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 5 मोबाइल, 2 आधार कार्ड, 2 पैन कार्ड, 3 डेबिट कार्ड, 70 सिम एयरटेल कंपनी के, 1 आरसी, 43 सिम के खाली खांचे, 1 आईडी कार्ड, 1 एप्पल का लैपटॉप, एक वेलकम किट, 3 चेक बुक, 2 डायरी व अन्य कागजात , एक बैग बरामद किया है।

अभियुक्तों ने पुलिस को बताया कि ये सामान हम लोग साइबर अपराध करने वाले लोगों को सप्लाई करते हैं तथा ये सिम तथा खाते हम लोगों ने फर्जी आई-डी पर लिए व खुलवाए हैं तथा हम तीनों मो.फैसल उर्फ फैजू उर्फ दांते , जानी उर्फ अक्षत कुमार तथा विशेष सैनी उर्फ विश्वास उर्फ सुंदर इन फर्जी सिम व खातों को गौरव कुमार को देने आए थे। ये सभी फर्जी/कूटरचित आईडी पर सिम तथा बैंक खाते हम अपने साथी हनी जो कि शाहदरा दिल्ली का रहने वाला हैं के साथ मिलकर बनाते हैं तथा गौरव कुमार इन सिम व खातों व चेक बुक व डेबिट कार्ड को सूरत चौरसिया उर्फ सूर्या पांडे को देता है जो मोबाइल फोन हमारे पास हैं। उसमें से हम एक-दूसरे के साथ इन्टरनेट, टेलीग्राम से जुड़े रहते हैं तथा सिम के हम लोगो को 400-500 रुपए तथा कूटरचित खातों के हम लोगों को 10 से 15 हजार तक मिल जाते हैं।

सरिए के हमले से हुआ था घायल

कुत्ता के काटने को लेकर हुए झगड़े में व्यक्ति की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

रोशन नगर में रात ड्यूटी से घर पहुंची एक महिला को पड़ोसी के कुत्ते ने काट लिया था। महिला और उनके पति ने जब इसका विरोध किया तो पड़ोसी लोहे के सरिए से उन पर हमला कर दिया था।

घायल व्यक्ति की अस्पताल में मौत हो गई है। पुलिस ने हमला करने वालों के खिलाफ हत्या की धारा के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पीड़िता के पति को गंभीर हालत में दिल्ली के एक ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया था। आरोपियों की तलाश कर रही है।

कुत्ता ने पांव में काट लिया था घायल

पुलिस के अनुसार पीड़िता रूकशाना ने अपनी शिकायत में बताया है कि वह एक निजी कंपनी में काम करती है। रविवार रात करीब साढ़े 10 बजे वह ड्यूटी से घर पहुंची। इस दौरान पड़ोस में रह रहे भरत का कुत्ता खुला था। कुत्ता ने उसके पांव में काट लिया। पीड़िता की चिल्लाने की आवाज सुनकर उनका पति मोहम्मद आजाद घर से बाहर आया और पड़ोसी से इसकी शिकायत की। उन्होंने कुत्ते को बांधकर रखने की मांग की। आरोप है कि इससे नाराज पड़ोसी भरत और उसकी पत्नी ने मारपीट शुरू कर दी। उसने अपने घर से लोहे का सरिया निकाल कर उनके पति के सिर पर मार दिया। इससे उनके पति बेहोश हो गए। उन्हें पहले बीके अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से उन्हें दिल्ली के एम्स ट्रामा सेंटर में रेफर किया गया। उनका दिल्ली के एक ट्रामा सेंटर में इलाज चल रहा था, जहां देर रात उसने दम तोड़ दिया।

राहुल गांधी ने देश को दिखाया नेता प्रतिपक्ष का दम, जिम्मेदारी

फरीदाबाद। कांग्रेस चुनाव घोषणा पत्र समिति के सदस्य, किसान सेल के जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश प्रवक्ता डॉ. ऋषिपाल मास्टर ने चंदावली, पृथला विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ताओं से कहा कि राहुल गांधी ने देश को दिखाया नेता प्रतिपक्ष का दम और जिम्मेदारी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने संसद में बहुत ही जबरदस्त तरीके से सरकार की नाकामियों और जनविरोधी नीतियों को उजागर किया उन्होंने दमदार तरीके से बेरोजगारी, महंगाई, अग्निवीर योजना, पेपर लीक, किसानों की एमएसपी, गरीबों की बढ़ती संख्या, जातीय जनगणना, भ्रष्टाचार, सरकार की नफरत की नीति आदि पर जबरदस्त प्रहार किए।

फरार लूटेरों की तलाशी शुरू

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे पर बदमाशों ने गनपॉइंट पर युवक व मंगेतर से 80 हजार नकदी व सोना लूटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे भी अब सुरक्षित नहीं बचा है। शुक्रवार की देर रात में कुशालिया के पास एक्सप्रेस वे पर चार हथियार बंद बदमाशों ने दिल्ली के दिल्ली निवासी एक युवक व उसकी मंगेतर को गनपॉइंट पर लेकर लूटपाट की। बदमाश दोनों से सोने की चेन व 80 हजार रुपए की नकदी लूटकर ले गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर फरार बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

स्विफ्ट कार से हरिद्वार जा रहे थे

घटनाक्रम के मुताबिक उत्तम नगर निवासी सन्नी अपनी मंगेतर आशिका के साथ स्विफ्ट कार में सवार होकर हरिद्वार जाने के लिए निकले थे। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर मेरठ से पहले ही जब वे परतापुर पहुंचे तो उन्हें लगा कि खराब मौसम में आगे जाना ठीक नहीं रहेगा। वह परतापुर टोल से कार वापस कर दिल्ली के लिए वापस चल दिये। वापसी में कुशलिया गांव के पास पुल पर उन्होंने लघुशंका के लिए कार रोकी । इसी दौरान हथियारों से लैस चार बदमाश पैदल ही वहां पहुंचे और सन्नी की कनपटी पर पिस्टल लगाकर गले से सोने की चेन और उसकी मंगेतर से पर्स लूटकर फरार हो गए । पर्स में 80 हजार रुपए नकद, आधार कार्ड, एटीएम कार्ड और अन्य जरूरी कागजात थे। युवती के चिल्लाने पर बदमाश मौके से फरार हो गए। 100 नंबर पर कॉल करने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना किया। तहरीर प्राप्त कर पीड़ित कपल को घर भेज दिया।

जल्द ही मामले का खुलासा हो जाएगा

पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मसूरी थाने पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है। जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।
नरेश कुमार, एसीपी मसूरी

आज़ादी का अमृत महोत्सव
भारत सरकार
रेल मंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)
सं. 2018/ट्रैक–I(पी)/आरएसपी–ईयूआर/वॉल्.I दिनांक : 05.07.2024
शुद्धिपत्र सं. 6
विषय : लॉन्ग रेल एक्सचेंज (अनलोडिंग एवं लोडिंग) सिस्टम और 05 (पांच) वर्ष के लिए इसकी वार्षिक अनुरक्षण संविदा (भारतीय रेल द्वारा मौजूदा ईयूआर उपलब्ध कराए जाने हैं) की आपूर्ति हेतु ई–निविदा सं. टीकेपी–1–2024.
इच्छुक बोलीदाताओं को सूचित किया जाता है कि वे शुद्धिपत्र के ब्यौरों के लिए http://ireps.gov.in वेबसाइट देखें।
इसके अलावा, निविदा समापन तिथि और ई–बोली खोलने की तिथि बदलकर 30.07.2024 कर दी गई है।
(आलोक कुमार)
कार्यपालक निदेशक/रेलपथ (पीएंडपी)
कमरा नं. 256–डी, रेल भवन,
नई दिल्ली – 110001
फोन : 011–23304852
ई मेल: alokkumar.g@gov.in
2050/2024

पहचान के लिए अपील
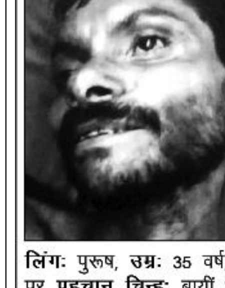
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक पुरूष जिसका **नामः अज्ञात पुत्रः** अज्ञात **पताः** अज्ञात जो कि **दिनांकः 30.06.2024** प्रातः 9:19:12 बजे, अदरक शेड, आज़ादपुर, सब्जी मंडी, दिल्ली, के सामने बेहोशी की हालत में मिला था। जिसे दिल्ली के बीजेआरएम अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ डॉक्टर ने उसे 01.07.2024 को मृत घोषित कर दिया। इस सन्दर्भ में **डीडी नं.: 19ए, दिनांकः 30.06.2024 पुलिस थाना, महेन्द्रा पार्क, जिला उत्तर पश्चिम, दिल्ली** में रिपोर्ट दर्ज है। नीचे अज्ञात मृत व्यक्ति की पहचान दी गई है :
लिंगः पुरूष, **उम्रः** 35 वर्ष, **कदः** 5'8'', **रंगः** गेहुंआ, **चोट का निशानः** सिर पर **पहचान चिन्हः** बायीं भौंह पर पुराना घाव का निशान, **पहनावाः** नीले व हरे रंग की कमीज़ और ग्रे रंग का पजामा। मृतक के शव को पहचान के लिए बीजेआरएम अस्पताल के शवगृह में 72 घंटे के लिए सुरक्षित रखा गया है।
अगर किसी को इस मृत पुरूष के बारे में कोई जानकारी मिले तो कृपया नीचे दिए गए नंबर पर संपर्क करें।
थाना प्रभारी,
पुलिस थाना महेन्द्रा पार्क,
जिला उत्तर पश्चिम, दिल्ली
मो0: 9354565916
DP/8677/NW/2024

सीएम योगी ने हरदी में राजकीय पॉलिटेक्निक के आवासीय और अनावासीय भवनों का किया उद्घाटन

नए दौर के अनुरूप चलाने होंगे तकनीकी पाठ्यक्रम साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में युवाओं को करें प्रशिक्षित

एजेंसी ▶▶ गोरखपुर

आज का समय तकनीकी का समय है और नए दौर के अनुरूप तकनीकी पाठ्यक्रम चलाने होंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने यहां सहजनवा के हरदी में राजकीय पॉलिटेक्निक के आवासीय/ अनावासीय भवनों का उद्घाटन करने के बाद एक कार्यक्रम में यह बात कही। योगी ने कहा कि आज का समय तकनीकी का समय है और इसके लिए युवाओं को नए दौर के तकनीकी पाठ्यक्रमों (न्यू एज कोर्सेज) की शिक्षा प्रदान करनी होगी ताकि वे किसी भी तरह समय से पीछे न रह सकें। उन्होंने कहा कि आज कुछ युवा विभिन्न ऑनलाइन फर्जी कंपनियों की लालच में फंसकर अपना धन और समय दोनों बेकार कर देते हैं, ऐसे में साइबर सुरक्षा भी एक बड़ा मुद्दा बन चुका है। योगी ने संभावना जताई कि साइबर सुरक्षा के लिए भी डिग्री या डिप्लोमा कार्यक्रम चलवाकर

खास बातें

- वर्तमान समय में साइबर सुरक्षा बड़ा मुद्दा
- साइबर सुरक्षा में डिग्री व डिप्लोमा कोर्स शुरू करें
- युवा ऑनलाइन फर्जी कंपनियों से बच सकेंगे
- यूपी में बेहतरीन औद्योगिक वातावरण का विकास हुआ

सीएम योगी ने युवाओं को नई तकनीकी 'इंटरनेट ऑफ थिंग्स', 'डाटा एनालिटिक्स', 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' आदि की शिक्षा के लिए इनके कोर्सेस उपलब्ध करवाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि तकनीकी युग में छात्रों को न्यू एज कोर्सेज की शिक्षा प्रदान करनी होगी ताकि वे किसी भी तरह समय से पीछे न रह सकें।

इंटरनेट ऑफ थिंग्स की शिक्षा से वंचित न हों

सीएम ने कहा कि प्रयास किया जाना चाहिए कि युवा आज की नई तकनीकी जैसे 'इंटरनेट ऑफ थिंग्स', 'डाटा एनालिटिक्स', 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' आदि की शिक्षा से वंचित न हो। योगी ने कहा कि आज यूपी में सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था के कारण बेहतरीन औद्योगिक वातावरण का विकास हुआ है तथा प्रशिक्षित कार्यबल के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज यूपी में तीन तकनीकी विश्वविद्यालय हैं जिनमें एक लखनऊ में, दूसरा कानपुर में तथा तीसरा गोरखपुर में मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय है।

4 लाख की सहायता राशि तत्काल प्रदान करें

सीएम योगी ने जनपद गोरखपुर में राप्ती नदी के बायें तट पर स्थित मलौनी तटबंध के डुहिया ग्राम के निकट बाढ़ की रोकथाम के लिए संचालित सुरक्षात्मक कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। बारिश के दृष्टिगत संबंधित जनपदों के अधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं। योगी ने कहा कि आपदा से हुई जनहानि में प्रत्येक प्रभावित परिवार को 4 लाख की अनुमन्य राहत राशि तत्काल प्रदान की जाए। साथ ही, घर क्षतिग्रस्त होने अथवा पशुहानि की स्थिति में भी प्रभावितों को तत्काल अनुमन्य वित्तीय सहायता प्रदान की जाए।

भूमाफिया को बख्शे नहीं

सीएम योगी ने अधिकारियों को शनिवार को गोरखपुर में सख्त निर्देश देते हुए कहा कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले भूमाफिया और कमजोरों को उजाड़ने वाले दबंग किसी भी दशा में बख्शे न जाएं। कहा कि भूमाफियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का अनुसरण करते हुए कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सरकार का संकल्प है कि किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। सीएम ने जमीन कब्जा करने के मामलों में तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। सीएम आज सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे।

पूर्व मंत्री आलमगीर के करीबियों पर गाज

धनशोधन मामले में ईडी ने 4.42 करोड़ की संपत्ति कुर्क की, चार्जशीट दाखिल

एजेंसी ▶▶ रांची

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन के एक मामले की जांच के तहत झारखंड के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम, उनके पूर्व निजी सचिव और सहयोगी के घरेलू सहायक की 4 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति कुर्क की है। एजेंसी ने शनिवार को एक बयान में कहा कि उसने आलमगीर आलम, उनके पूर्व पीएस संजीव कुमार लाल, लाल की पत्नी रीता लाल और घरेलू सहायक जहांगीर आलम के खिलाफ चार जुलाई को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अस्थाई कुर्की आदेश जारी किया है। कुर्की के तहत दर्ज इन सभी संपत्तियों का कुल मूल्य 4.42 करोड़ है। एजेंसी ने कहा कि रीता लाल को छोड़कर इन आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र भी रांची की एक विशेष पीएमएलए अदालत में गुरुवार को दायर किया गया। इस मामले में ईडी ने कांग्रेस नेता और पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के अलावा लाल और जहांगीर आलम को गिरफ्तार किया था। ईडी ने छह मई को संजीव कुमार लाल और जहांगीर आलम के यहां छापा मारा था और उनके नाम पर एक फ्लैट से कुल 32.2 करोड़ बरामद किए थे। मामले में चार पहिया और दो पहिया वाहन, आभूषण और डिजिटल उपकरणों के अलावा कुल 37.55 करोड़ की नकदी जब्त की गई है।

ज्ञानवापी से जुड़े मामलों की सुनवाई 15 को

वाराणसी। ज्ञानवापी से जुड़े श्रृंगार गौरी समेत तीन मामलों में सुनवाई टल गई। जिला जज संजीव पांडेय की अदालत में शनिवार को तीनों मामलों की सुनवाई होनी थी। वकीलों की हड़ताल के वजह से सुनवाई टली है। तीनों मामले को लेकर अब अदालत ने अगली सुनवाई की तारीख 15 जुलाई नियत की है। किरण सिंह की ओर से दाखिल श्रृंगार गौरी की पूजा-पाठ की अनुमति देने संबंधी वाद जिला जज की कोर्ट में स्थानांतरित हुआ है। जिसकी सुनवाई निचली अदालत में ही करने की मांग का आवेदन लंबित है।

पेज एक का शेष

मुठभेड़ में 4 आतंकी...

सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई। बीते एक महीने (जून से 6 जुलाई तक) में सुरक्षाबल 10 आतंकियों का खात्मा कर चुके हैं। इनमें डोडा में 11-12 जून लगातार दो दिन दो हमले करने वाले आतंकी और उरी में घुसपैठ करने वाले आतंकियों का एनकाउंटर शामिल है।

घाटी में पहले ...

था। मुखर्जी ने राष्ट्रीय एकता के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। नड्डा ने कहा कि हमने आर्टिकल-370 और 35ए को निरस्त किया। हमने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपने को पूरा किया है।

संसद का बजट सत्र...

जानकारी देते हुए कहा कि राष्ट्रपति ने भारत सरकार की सिफारिश पर बजट सत्र 2024 के लिए 22 जुलाई 2024 से 12 अगस्त 2024 तक संसद के दोनों सदनों को बुलाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय बजट 2024-25 को लोकसभा में 23 जुलाई 2024 को पेश किया जाएगा।

मायावती से मिले...

वोट ही मिल पाये। कुछ ऐसा ही हाल आईएनएलडी का रहा। ओम प्रकाश चौटाला की पार्टी मात्र 1.78 प्रतिशत वोट ही ले पायी। 2018 में पार्टी ने इनेलो के साथ गठबंधन किया। मायावती ने अभय चौटाला को राखी बांधकर एकजुटता दिखाई थी। मगर 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले ही यह गठबंधन टूट गया था। अब दोनों पार्टियां एक जैसे हालात से दो चार हों रही हैं। अभय चौटाला को मालूम है कि अगर आने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रही तो चुनाव आयोग आईएनएलडी क्षेत्रीय पार्टी का दर्जा खत्म कर देगा। पार्टी का चुनाव चिन्ह ऐनक छीन जाएगा। यही वजह है कि अभय चौटाला मायावती के साथ गठबंधन चाहते हैं ताकि दोनों पार्टियां कुछ बेहतर नतीजे लाने की कोशिश कर सकें। हालांकि राजनैतिक जानकारों का कहना है कि अभय और मायावती अगर साथ चुनाव लड़ते भी हैं तो भाजपा और कांग्रेस के रहते कोई खास उम्मीद उनके वोट बैंक में इजाफे की नहीं है।

पीएम मोदी ने...

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर से हुई बातचीत के बारे में जानकारी दी। इसमें उन्होंने बताया कि कीर स्टारमर के साथ बात करके खुशी हुई। यूके का प्रधानमंत्री चुने जाने की उन्हें बधाई दी। हम अपने लोगों के प्रगति और समृद्धि तथा वैश्विक भलाई के लिए व्यापक रणनीतिक साझेदारी और मजबूत भारत और ब्रिटेन आर्थिक संबंधों को और अधिक मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

केरल में ...

को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जिसके बाद उसमें संक्रमण की पुष्टि हुई। उसे विदेश दवाएं दी गईं। अब उसकी हालत में लगातार सुधार हो रहा है। केरल में मई से अब तक दिमाग खाने वाले अमीबा के चार केस मिले हैं। सभी मरीज बच्चे हैं, जिनमें से तीन की पहले ही मौत हो चुकी है। मेडिकल एक्सपर्ट्स बताते हैं कि यह संक्रमण तब होता है जब फ्री-लिविंग गैर-परजीवी अमीबा बैक्टीरिया दूषित पानी से नाक के जरिए शरीर में घुसता है।

तालाब में नहाते वक्त नाक से घुसा था अमीबा: 3 जुलाई को 14 साल के एक लड़के की इन्फेक्शन से एक मौत हो गई थी। मृदुल नाम का यह लड़का एक छोटे तालाब में नहाने गया था, जिसके चलते उसे यह इंफेक्शन हुआ। इससे पहले 25 जून को कन्नूर की एक 13 साल की लड़की की मौत हुई थी। 21 मई को इन्फेक्शन का पहला मामला आया था। राज्य के मलप्पुरम में पांच साल की लड़की की जान गई थी। इससे पहले यह बीमारी पहले 2023 और 2017 में राज्य के तटीय अलपुझा जिले में रिपोर्ट की गई थी। जुलाई 2023 में अलप्पुझा मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में पनावली के एक नाबालिग की मौत इसी इन्फेक्शन के कारण मौत हुई थी। यह लड़का झरने के पानी में नहाने गया था।

पटना की अदालत...

हमें इस दर्द को सहने की शक्ति दे। कृपया सरकार और प्रशासन पर विश्वास रखें। मुझे विश्वास है कि अराजकता पैदा करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। मैंने समिति के सदस्यों से शोक संतप्त परिवारों और घायलों के साथ खड़े रहने और जीवन भर उनकी मदद करने का अनुरोध किया है। इस बीच 2 जुलाई को हाथरस में हुई भगदड़ में 121 लोगों की जान लेने वाले मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर को शुक्रवार रात गिरफ्तार कर लिया गया। 3 जुलाई को राज्य सरकार ने हाथरस हादसे की जांच करने और भगदड़ के पीछे किसी साजिश की संभावना को देखने के लिए एक रिटायर्ड हाई कोर्ट जस्टिस की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग का गठन किया।

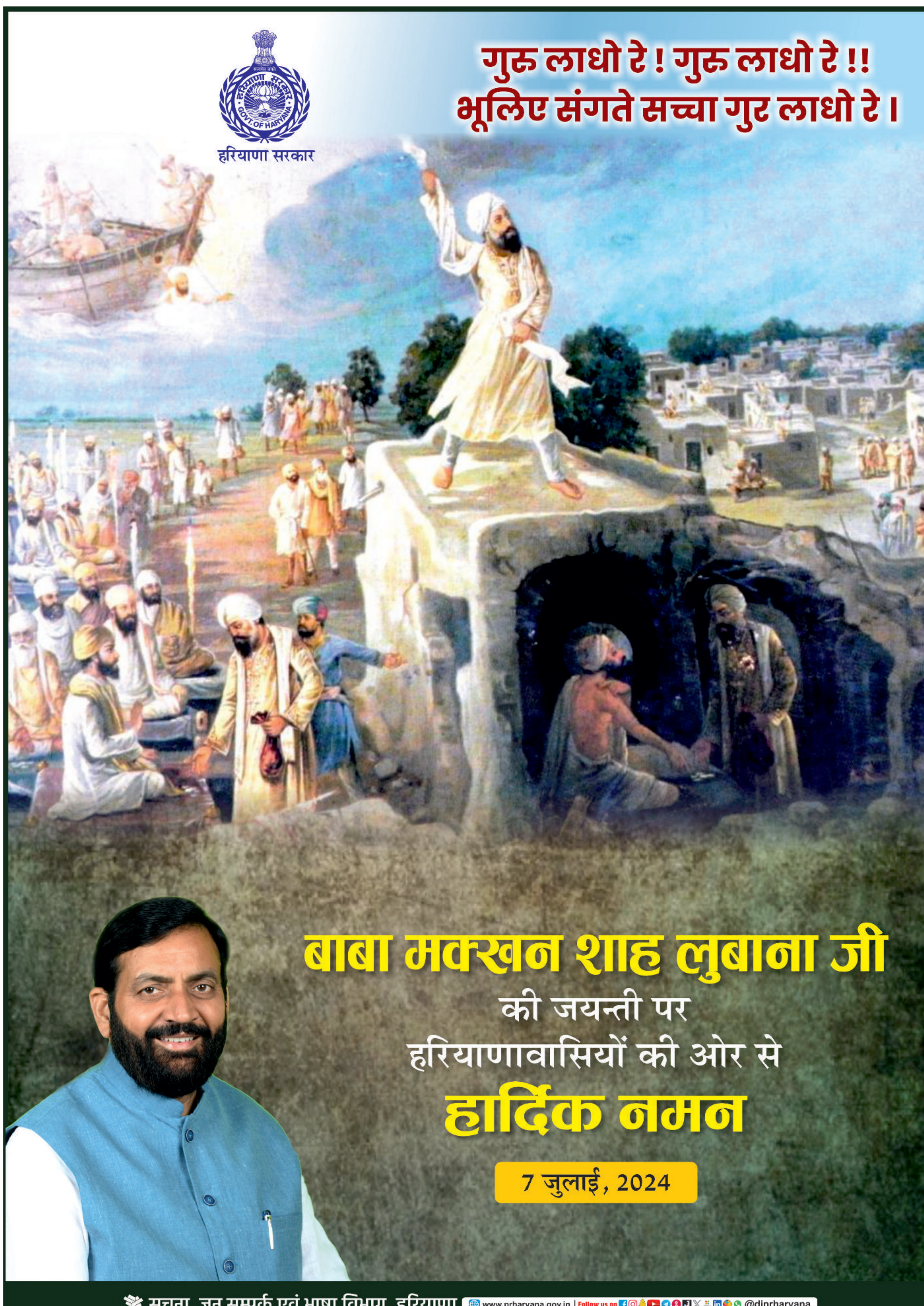

स्वस्थ, निरोग और दीर्घायु की कामना अधिकांश लोग करते हैं। वास्तव में ये सब हासिल करना बहुत कठिन नहीं है। इसके लिए आपको अपनी जीवनशैली में कुछ बदलाव करने होंगे, कुछ गुड हैबिट्स अपनानी होंगी और कुछ बैड हैबिट्स को बाय-बाय कहना होगा। इसके बाद तो आप लाइफ की सेंचुरी लगा सकते हैं।

अपनाएं ये हैबिट्स जिएंगे 100 साल

कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन

अलग-अलग रिपोर्ट्स के मुताबिक इस समय पूरी दुनिया में 4,50,000 लोग ऐसे हैं, जो अपनी आयु का सैकड़ा लगा चुके हैं। आने वाले दिनों में उम्र की सेंचुरी लगाने में सफल होने वाले लोगों की संख्या और भी बढ़ सकती है। अगर आप भी अपनी लाइफ में सेंचुरी का आंकड़ा छूना चाहते हैं तो कुछ आदतों को अपने रुटीन में अपनाना होगा।

सोशल सर्किल हो बड़ा

अगर आप अनजान लोगों से भी आसानी से घुल-मिल जाते हैं, अपने सहकर्मियों के साथ जिंदादिली से मिलते हैं, रिश्तेदारों के साथ मिलते-जुलते रहते हैं, दोस्तों के साथ जमकर ठहाके लगाते हैं और परिवार के सदस्यों के साथ स्नेह और अपनेपन का संबंध रखते हैं, तो आपके शतकवीर होने की संभावना काफी ज्यादा है। जांस होपकिंस यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन में जेरियाट्रिक मेडिसिन (वृद्ध लोगों की चिकित्सा) के वरिष्ठ प्रोफेसर जेरेमी वाल्सटन कहते हैं, 'अकेले और गुमसुम रहने वाले लोग अकसर बीमार रहने लगते हैं।' दीर्घायु लोगों की खोज और उन पर अध्ययन करने के लिए दुनिया भर की सैर कर चुके नेशनल ज्योग्राफिक के शोधकर्ता डैन बटनर कहते हैं, 'इटली के सरडीनिया में सौ साल की आयु पार कर चुके लोगों की बड़ी संख्या है और ये लोग दोस्ती और जिंदादिली के कारण ही स्वस्थ और खुश रहते हैं। जब भी कोई व्यक्ति बीमार पड़ता है, उसका पड़ोसी तुरंत उसके पास पहुंच जाता है। इससे जल्द स्वस्थ होने में मदद मिलती है।'

खोजें जीने का मकसद

बिना मकसद की जिदंगी कुछ ऐसी ही होती है, जैसे बिना पते का लिफाफा। जिन्होंने अपने जीवन में ना कोई लक्ष्य तय कर रखा है और ना उन्हें जीने का मकसद मालूम है, उनकी जिंदगी में दिलचस्पी भी कम होती चली जाती है। लेकिन जो किसी मकसद से जीते हैं और किसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सतत प्रयत्नशील रहते हैं, उनमें जिंदगी के प्रति उमंग रहती है और वे मानसिक और शारीरिक रूप से क्रियाशील रहते हैं। ऐसे लोग अकसर लंबी आयु जीते हैं। साइकोलॉजिकल साइंस जर्नल में प्रकाशित एक शोध में भी अनुसंधानकर्ताओं ने ऐसी राय जाहिर की है। न्यूयॉर्क सिटी (अमेरिका) के माउंट सिनाई में स्थित इशान स्कूल ऑफ मेडिसिन के जेरियाट्रिक्स प्रोफेसर रोजेन लीपजिंग कहते हैं कि आपको नए दोस्त बनाने चाहिए, नई हॉबीज अपनानी चाहिए और सामाजिक कार्यों में वालंटियर के तौर पर सपोर्ट देना चाहिए।

वेट पर रखें कंट्रोल

जिसने अपनी सेहत की लगाम ढीली छोड़ दी और वेट, डाइट पर कंट्रोल नहीं कर पाता है, उसके जिंदगी की फील्ड पर जल्दी आउट होने के चांस बढ़ जाते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स द्वारा किए गए शोधों के नतीजे बताते हैं कि जिन महिलाओं के कमर की माप 37 इंच या उससे ज्यादा थी, 40 वर्ष की उम्र के बाद उनकी आयु दूसरी महिलाओं (27 इंच या कम कमर वाली) की तुलना में 5 वर्ष तक कम हो सकती है। इसी प्रकार 35 इंच या कम कमर की माप वाले पुरुषों की तुलना में 43 इंच या उससे ज्यादा कमर के घेरे वाले पुरुषों की आयु में तीन साल तक की कटौती हो सकती है। जाहिर है, अगर आपने अपने कमर के घेरे यानी बॉडी वेट पर कंट्रोल कर रखा है तो आपकी आयु लंबी होने की संभावना बढ़ जाती है।

मिड एज में भी रहें फिजिकल एक्टिव

यंग एज में ही नहीं मिड एज में भी अगर आप खूब चलते-फिरते हैं, शारीरिक रूप से एक्टिव रहते हैं, तो बाद में भी आपके स्वस्थ रहने के चांस ज्यादा बढ़ जाते हैं। 'आर्चीव्स ऑफ इंटरनल मेडिसिन' में प्रकाशित अध्ययन के नतीजे कुछ ऐसा ही संकेत करते हैं। मध्यवय के 19,000 वयस्कों पर अध्ययन करने के बाद सेहत विज्ञानियों ने पाया कि जो लोग इस उम्र तक फिट रहते हैं आगे चलकर उनमें हार्ट डिजीज, टाइप-2 डायबिटीज, कैंसर, अल्जाइमर्स आदि रोग होने की संभावना तुलनात्मक रूप से कम होती है। जांस होपकिंस यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के प्रोफेसर जेरेमी वाल्सटन कहते हैं, 'जो लोग अपनी जिदंगी में भागते-दौड़ते रहते हैं, वॉकिंग करते है या साइकिल चलाते रहते हैं, वे लंबी आयु के स्वामी होते हैं।'

उपयोगी है दोपहर में झपकी

आप खूब काम करते हैं, सक्रिय रहते हैं फिर भी दोपहर में कुछ पल आराम के निकालते हैं और झपकी लेते हैं, तो आपके शतायु होने की संभावना में इजाफा हो जाता है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने 23000 लोगों पर लगातार 6 सालों तक अध्ययन किया तो पाया कि जिन लोगों में दोपहर को 30 मिनट तक नींद लेने की आदत थी, उनमें अन्य लोगों की तुलना में हार्ट डिजीज से मरने का 37 फीसदी कम जोखिम था। ग्रीस के एक छोटे से गांव इकारिया में सौ वर्ष की आयु पार चुके लोगों की बड़ी संख्या है और उन सभी में कुछ देर दोपहर को नियमित सोने की आदत है।

ताजे फल-सब्जियों का सेवन

मिशिगन विश्वविद्यालय द्वारा किए गए शोध में पता चला है कि फल और सब्जियों का भरपूर सेवन करने वाली महिलाओं की आयु, फल-सब्जी कम खाने वाली महिलाओं की तुलना में अधिक होती है। इन महिलाओं की फल-सब्जी खाने की आदत का पता लगाने के लिए वैज्ञानिकों ने इनसे पूछताछ के साथ इनके रक्त की जांच भी की। विशेषज्ञ बताते हैं कि दीर्घायु होने में फल-सब्जियों की महती भूमिका का जीता-जागता सबूत है जापान के ओकीनावा में रहने वाले शतायु बुजुर्ग। इस शहर में दुनिया की किसी भी दूसरी जगह के मुकाबले सबसे ज्यादा सौ वर्षीय या ज्यादा उम्र के लोग रहते हैं। यहां प्रति लाख 50 लोग सौ साल से ज्यादा उम्र के मिलेंगे। इस शहर के लोगों में प्लांट बेस्ड डाइट खाने की आदत है। इनमें से ज्यादातर लोग इन फल-सब्जियों को खुद अपने बगीचे में उगाना पसंद करते हैं। *

ये हैबिट्स भी हैं कारगर

- **अगर आप** जिंदादिल, हंसोड़ और आशावादी हैं तो आपकी आयु सौ के पार जाने में ज्यादा कठिनाई नहीं होगी। 'एजिंग' जर्नल में प्रकाशित एक शोध के नतीजों से पता चला है कि ऐसे लोग स्ट्रेस और एंजायटी से बचे रहते हैं, इसलिए इनकी आयु रूखे स्वभाव वाले लोगों की तुलना में ज्यादा होती है।
- आप खुद को असली उम्र से कम फील करते हैं और अकसर दूसरे लोग भी ऐसा ही आकलन करते हैं, तो तय मानिए कि आप चिरायु होंगे। वैज्ञानिकों के अनुसार खुद को वास्तविक उम्र से अधिक का समझने वाले और जल्दी ही बूढ़े दिखने वाले लोग अकसर कम उम्र में ही चल बसते हैं।
- आप मेडिटरेनियन डाइट लेते हैं तो आपकी आयु शर्तिया ज्यादा होगी। साबुत अनाज, मेवे, लेग्यूम्स, ऑलिव आयल के साथ-साथ फलों और सब्जियों का सेवन करने से शरीर को भरपूर पोषण मिलता है और कोशिकाएं निरंतर रीजेनरेट होती रहती हैं।

हियरिंग लॉस की वजह बनता हेडफोन-ईयरफोन

जब से स्मार्टफोन और उससे कनेक्टेड हेडफोन/ईयरफोन का ट्रेंड बढ़ा है, दुनिया भर में हियरिंग लॉस के केसेस में भी तेजी से इजाफा हो रहा है। यह हैबिट कितनी हार्मफुल है और इससे बचना कितना जरूरी है, आपको पता होना चाहिए।

टेक्नोबिहेवियर
डॉ. मोनिका शर्मा

पार्श्व गायिका अलका यागिनक ने पिछले दिनों खुलासा किया था कि वे सुनने से जुड़े एक दुर्लभ डिसऑर्डर की शिकार हो गई हैं। अपनी सुरीली आवाज के लिए जानी जाने वाली इस चर्चित गायिका के अनुसार, 'डॉक्टर्स ने मुझे बताया कि मैं सेंसरी न्यूरल नर्व हियरिंग लॉस का शिकार हो गई हूं। वायरल अटैक के कारण इस बहरेपन का पता चला है।' अपनी स्वास्थ्य समस्या को साझा करते हुए अलका याग्निक ने लोगों को बहुत तेज संगीत और हेडफोन से फास्ट म्यूजिक सुनने को लेकर सावधान किया है। देश के एक चर्चित चेहरे की यह सलाह बहुत से लोगों के लिए चेतावनी के समान है। मौजूदा दौर में हर ओर यही देखने में आता है कि एक्सरसाइज, वॉक, ट्रैवलिंग या फिर दूसरे कोई घरेलू काम निपटाते हुए भी बहुत से लोग ईयरफोन या हेडफोन लगाए रहते हैं। यह अपने परिवेश से खुद को अलग करने वाला बर्ताव तो है ही, बीमारियों को न्योता देने वाली आदत भी है। जरूरी है कि समय रहते सजगता बरती जाए।

हेल्थ पर भारी स्टाइल स्टेटमेंट: बिना सोचे-समझे स्टाइलिश दिखने के लिए इस्तेमाल की जा रहीं ऐसी तकनीकी सौगातें, अब हेल्थ के लिए रिस्क पैदा करने लगी हैं। असल में बिना अनुशासन के काम में ली जा रही हर चीज के खामियाजे होते ही हैं। सबसे पहले तो यह समझना जरूरी है कि हरदम हेडफोन या ईयरफोन लगाए रखने में फैशनेबल दिखने जैसी कोई बात नहीं है। तकनीक से मिली बहुत सुविधाओं में यह भी एक सुविधा भर है, जिसके इस्तेमाल की अति, हेल्थ प्रॉब्लम्स का कारण बनती है। हर समय हेडफोन या ईयरफोन लगाए रखना सीधे-सीधे हमारी सुनने की क्षमता को प्रभावित करता है। इतना ही नहीं बाहरी शोरगुल से बचाने वाली यह तकनीक, हमारी मनःस्थिति के लिए घातक है। दूसरों से बोलने-बतियाने से लेकर किसी विशेष परिस्थिति में सहज बने रहने तक, बहुत आम सी बातें व्यवहार से गायब हो जाती हैं।

कई रोगों का कारण: ईयरफोन या हेडफोन से तेज संगीत सुनना, केवल हियरिंग लॉस ही नहीं करता बल्कि शरीर के दूसरे अंगों पर भी दुष्प्रभाव डालता है। यूं लगातार म्यूजिक सुनते रहने से मेंटल और इमोशनल सेहत भी प्रभावित होती है। असल में इंसान के कानों की सुनने की क्षमता केवल 90 डेसिबल होती है। लगातार तेज आवाज का कानों में गूंजते रहना इसे 40-50 डेसिबल तक कम कर सकता है। इतना ही नहीं यूं हरदम म्यूजिक सुनते रहना दिल की धड़कनें भी बढ़ा देता है। इससे हृदय से जुड़ी परेशानियां भी होने लगती हैं। इसके अलावा सिरदर्द, अनिद्रा, तनाव, एकाग्रता की कमी और कानों में इंफेक्शन होने जैसी समस्याएं भी सामने आने लगती हैं।

स्मार्ट फोन का सधा इस्तेमाल जरूरी: हरदम कुछ ना कुछ सुनते रहने की आदत से बचने के लिए स्मार्ट फोन की लत से बचना पहला कदम है। आज के समय में हर कहीं इंटरनेट का उपलब्ध होना और डिजिटल मीडिया में देखने-सुनने के लिए मौजूद सामग्री की भरमार भी यूजर्स द्वारा हर पल कानों में ईयरफोन लगाए रखने का कारण बन रही है। ऐसे में जरूरी है मीटिंग्स, स्कूल-कॉलेज की क्लास या आवश्यक बातचीत के लिए कुछ समय ईयरफोन का इस्तेमाल किया जा सकता है पर लंबे समय तक ऐसा करना घातक है। इससे धीरे-धीरे सुनने और समझने की क्षमता भी प्रभावित होने लगती है। ड्राइविंग के दौरान हेडफोन या ईयरफोन लगाए रहना अपने साथ-साथ दूसरों के लिए भी जोखिम पैदा करने वाला बर्ताव है। घर-परिवार में ईयरफोन लगाकर रखने वाले लोग अपनों की बात भी सहजता से नहीं सुनते-समझते। यह स्थिति सार्थक संवाद में बाधा बनती है। असल में टेक्नोलॉजिकल रेवोल्यूशन के नाम पर अपने परिवेश से दूर होने के अनगिनत खामियाजे हैं। स्मार्टफोन और इंटरनेट को एक सौगात की तरह समझते हुए सधकर इन सुविधाओं का इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है।

पैरेंट्स रखें बच्चों का ध्यान: कैलिफोर्निया के ऑस्टियोपैथिक बाल रोग विशेषज्ञ, जेम्स ई. फॉय, कहते हैं कि लंबे समय तक तेज आवाज में हेडफोन सुनने से बच्चों और किशोरों में हमेशा के लिए सुनने की क्षमता कम हो सकती है। असल में हेडफोन और हियरिंग लॉस का सीधा संबंध है। मौजूदा समय में 5 में से 1 किशोर किसी न किसी रूप में हियरिंग लॉस का अनुभव करता है। बीते 20 साल में यह आंकड़ा लगभग 30 फीसदी बढ़ गया है। हियरिंग लॉस के बढ़ते आंकड़े के पीछे हेडफोन का बढ़ता इस्तेमाल अहम वजह है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन का अनुमान है कि दुनिया भर में करीब 1 अरब युवा ईयरफोन लगाकर सुनने की असुरक्षित आदतों के कारण सुनने की क्षमता खोने के जोखिम में हो सकते हैं। डब्ल्यूएचओ द्वारा यह चेतावनी भी दी जा चुकी है कि ईयरफोन के अधिक इस्तेमाल से 2050 तक 70 करोड़ से ज्यादा लोग हियरिंग लॉस का शिकार बन सकते हैं। ऐसे में पैरेंट्स समय रहते अपने बच्चों को इन तकनीकी सुविधाओं के इस्तेमाल की अति से बचाएं। *

लघुकथा / अखिलेश श्रीवास्तव 'चमन'

अजूबा

रोज अपनी कालोनी से मिंटो पार्क तक सुबह साथ-साथ टहलने जाने और घंटों साथ रहने वाले दोनों वृद्ध पड़ोसी इस बार एक सप्ताह के बाद मिले थे।

'कहो भाई वर्मा! कहां निकल गए थे। सुना है बहुत लंबा टूर कर आए। क्यों सब खैरियत तो है?' पड़ोसी माथुर जी ने पूछा।

'क्या बताऊं यार! अपनी लड़की की शादी के सिलसिले में निकला था। पहले मुजफ्फरपुर गया, वहां से रांची फिर हजारीबाग, इसके बाद पटना से बक्सर होते हुए कल ही वापस लौटा हूं। लेकिन इस यात्रा में एक अजूबा हुआ। तुम सुनोगे तो सहसा विश्वास नहीं करोगे।' वर्मा जी बोले। 'ऐ! अजूबा...? कैसा अजूबा...? मैं भी तो सुनूं जरा।' माथुर जी जानने के लिए आतुर हुए। ' हुआ यह कि मैं पूरे एक हफ्ते बस और ट्रेन की यात्रा करता रहा, लेकिन रास्ते में कहीं भी किसी भी प्रकार की कोई दुर्घटना नहीं हुई। ना कोई एक्सीडेंट, ना कहीं तोड़-फोड़, ना चक्काजाम, ना प्रदर्शन, ना ट्रेन डकैती, ना बस में चोरी, ना लूटपाट... कुछ भी नहीं हुआ। कहीं कोई वारदात नहीं हुई। मैं जैसे गया था, यहां से वैसे ही सकुशल वापस आ गया। बोलो है न अजूबे की बात?'

माथुर जी तुरंत बोले, 'बस... इतनी सी बात। अब मेरी सुनो। मेरे साथ तो इससे भी अधिक अजूबे की बात हुई। तुम्हें तो पता ही है कि गांव में मेरी थोड़ी-सी पुश्तैनी जमीन पड़ी हुई थी।'

मैंने सोचा बच्चों को तो अब लौट कर गांव जाना नहीं है और अपनी जिंदगी का कोई भरोसा नहीं, पका आम हूं कब टपक पड़ूं, पता नहीं। सो मन हुआ कि उस जमीन को बेच दूं। इसी सिलसिले में मैं गांव गया था। सचमुच यार! मुझे यह देख कर बहुत हैरानी हुई कि तहसील की खसरा, खतौनी में वह जमीन अभी भी मेरे ही नाम थी। बताओ यह अजूबे की बात नहीं तो भला और क्या है? और उससे भी अधिक अजूबे की बात तो यह हुई कि मैं उस जमीन को बेच कर, पूरे अस्सी हजार रुपए नकद लेकर अपने गांव से यहां तक बिल्कुल सही-सलामत वापस आ गया।' माथुर जी ने अपने पड़ोसी वर्मा जी से कहा।

'हूं...! बात तो वाकई अजूबे की है!' कह कर वर्मा जी ने एक गहरी सांस ली। इसके बाद दोनों कुछ देर खामोश बैठे रहे। उन्हें मन ही मन बहुत आश्चर्य हो रहा था। *

उनके भीतर निंदा रस का स्राव होता रहता है। वे जितना अधिक निंदा करते हैं, उनकी कोशिकाएं उतनी ही फलती-फूलती हैं। लगता है उनकी यह आदत डीएनए की तरह ही अजर-अमर है। उनके भीतर के डीएनए को भी सदा जीवित रहने के लिए वरदान प्राप्त है। उनकी कोशिकाएं भी गॉसिप से ही ताजी बनी रहती हैं।

इधर की इनफॉर्मेशन उधर करने वाले

व्यंग्य / सतीश उपाध्याय

किसी की शादी, जलसा हो या ऑफिस में किसी की ज्वॉइनिंग या रिटायरमेंट सबसे पहले 'उन्हीं' को जानकारी मिलती है। फटाक से जानकारी हासिल करने के मामले में उनकी 'सोशल स्किल' बहुत तगड़ी है। वे चुगली नहीं करते बल्कि नई इनफॉर्मेशन को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने का काम करते हैं। कभी-कभी ऐसा लगता है, गॉसिपिंग के मामले में उनके ब्रेन की संरचना पर रिसर्च भी किया जा सकता है।

किसी की लाइफ में कोई परेशानी हो या कोई फील गुड, वे तो ताड़ ही जाते हैं। ताड़ने के बाद, फिर वे अर्जित जानकारी का 'तिल का ताड़' बना देते हैं। इस काम में भी वे इतने परफेक्ट हैं कि लगता है कि ये खूबी उनको अपने ही डीएनए से मिली है। उनके भीतर निंदा रस का स्राव होता रहता है। वे जितना अधिक निंदा करते हैं, उनकी कोशिकाएं उतनी ही फलती-फूलती हैं। लगता है उनकी यह आदत डीएनए की तरह ही अजर-अमर है। उनके भीतर के डीएनए को भी सदा जीवित रहने के लिए वरदान प्राप्त है। उनकी कोशिकाएं भी गॉसिप से ही ताजी बनी रहती हैं। सोसाइटी के बाकी लोगों से अलग हटकर उनमें कई खूबियां हैं। वे गजब हैं, टॉमी की तरह तेज घ्राणशक्ति भी रखते हैं। उनकी आदत, ऑफिस हो या कोई भी लोकेलिटी, आस-पड़ोस सभी जगह सक्रिय रहती है। फैमिली, रिश्तेदार, पास-पड़ोस सबकी जिंदगी के बारे में उन्हें, उनके ही हिसाब से जानकारी रहती है। ऐसे ही लोगों के भीतर निंदा रस ज्यादा पाया जाता है। इसीलिए उनकी सोशल इनफॉर्मेशन बहुत तगड़ी है। यही निंदा रस उन्हें हेल्दी बनाए हुए है। वे निंदा कर फील गुड करते हैं। जब वे किसी की निंदा करते हैं, तब उनके भीतर ऑक्सीटोसिन हार्मोंस का स्तर बढ़ जाता है। इस हार्मोन की वजह से वह जब-जब जिसकी, जितनी गहरी निंदा करते, वे उस समय उतने ही प्रसन्न भी रहते हैं। तब उनके हार्मोंस का स्तर सिर चढ़कर बोलने लगता, अपनी बात की प्रामाणिकता के लिए कसम भी खाते और कान के एकदम नजदीक आकर फुसफुसाते, 'मैंने अपनी आंखों से देखा है।'

ऐसे लोगों के लिए ही कबीर ने कहा है- 'आंगन कुटी छवाय।' वे निकट बने रहेंगे तो हमारी कमजोरी पर उनकी निगाह रहेगी। हम दुरुस्त रहेंगे। अपने निंदारस को बढ़ाने के लिए वे प्रायः महफिल खोजते हैं। जहां वे अपनी स्किल को बढ़ा सकें। इससे उनके दिल और दिमाग की सेहत दुरुस्त रहती है। उनके बातचीत का केंद्रीय विषय दूसरों की निंदा ही होती है। इसी में उन्हें खुशी का एहसास होता है। जब तक दो-चार लोगों की, दूसरों की निंदा ना कर लें, वे बेचैन रहते हैं। उनके मस्तिष्क में कई मौलिक विचार जागृत होते रहते हैं। ऐसा लगता है, जिस प्रकार हर नागरिक को मतदान का अधिकार प्राप्त है, उन्हें भी निंदा करने का अधिकार प्राप्त है। दूसरों की निंदा में उन्होंने जीवन का बहुत बड़ा हिस्सा गुजारा है, शायद परमात्मा ने उन्हें जीवन निंदा करने के लिए ही दिया है। उनके हृदय में निंदा, उत्सव की तरह विराजमान रहता है। जब-जब वे निंदा करते हैं, तब-तब उनका उत्सव संपादित हो जाता है। उनके दिल में, कॉलोनी के लोगों से जुड़े अलग-अलग मौलिक किस्से मौजूद रहते हैं। अवकाश के दिनों में तो उनके पास रुमानियत के कई काल्पनिक किस्सों का इजाफा हो जाता है।

खैर वक्त तो लगा, वे पहचाने गए। समय के साथ पूरी कॉलोनी भी विवेकवान और उनसे सतर्क हो गई है। अब उनसे कॉलोनी बहुत दूर होती जा रही है। एक दिन पूरी कॉलोनी वालो ने ताड़ लिया कि वे हमारी 'आदर्श कॉलोनी' को छोड़कर 'समता कॉलोनी' शिफ्ट कर रहे हैं। *

खबर संक्षेप

जेपी अस्पतालः कर्मियों को न समय पर वेतन मिल रहा, न पीएफ जमा

भोपाल। राजधानी के मॉडल अस्पताल जेपी में कर्मचारियों को न समय पर वेतन मिल रहा है और न ही खाते में पीएफ की राशि जमा की जा रही है। यह शिकायत जेपी अस्पताल के कर्मचारियों ने उपमुख्यमत्री राजेंद्र शुक्ल से ज्ञापन सौंपकर की है। मप्र लघु वेतन कर्मचारी संघ के प्रांताध्यक्ष महेंद्र शर्मा के नेतृत्व में जेपी अस्पताल के कर्मचारियों ने मउपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि आउटसोर्स कंपनी कर्मचारियों का वेतन लटका कर देती है, जिसके कारण श्रमिकों की आर्थिक स्थिति से जूझना पड़ता है। उपमुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि वह सीएमएचओ से मामले की जानकारी लेकर कंपनी को समय पर वेतन देने के निर्देश देंगे।

उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं को किया जाएगा सम्मानित

भोपाल। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर शनिवार को नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली छह सहकारी संस्थाओं को सम्मानित भी किया जाएगा। सुबह नौ बजे समन्वय भवन में सहकारी दिवस का उद्घाटन सहकारिता एवं खेलकूद व युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमुख सचिव सहकारिता दीपाली रस्तोगी करेंगी। कार्यक्रम में मप्र के 38 जिला सहकारी बैंकों में चयनित नए समिति प्रबंधकों को बैंकिंग, कृषि व सहकारिता के क्षेत्र में प्रशिक्षित किया जाएगा।

सुबह 8 से दोपहर एक, फिर शाम 5 से 6 बजे तक खुलेगी ओपीडी

भोपाल। गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री विजय शाह के आदेश पर गैस राहत एवं पुनर्वास संचालनालय के अधीन गैस राहत अस्पतालों एवं औषधालयों में बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) खुली रहने का समय तय कर दिया गया है। अब सभी गैस राहत अस्पतालों में सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक एवं शाम 5 बजे से 6 बजे तक ओपीडी खुली रहेगी। इसी तरह गैस राहत के सभी औषधालयों में अब सुबह 9 बजे से दोपहर 4 बजे तक ओपीडी खुली रहेगी।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के आवेदन 15 तक किए जा सकते हैं जमा

भोपाल। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2024 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। लोक शिक्षण संचालनालय ने इस संबंध में प्रदेशभर के कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी, संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण सहित अन्य अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिसके अनुसार, शिक्षकों से 15 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन लिया जाएगा। शिक्षकों को स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, भारत सरकार की वेबसाइट पर आवेदन होगा। न्यूनतम 10 साल का सेवाकाल नियमित शिक्षक के रूप में पूर्ण करने वाले शिक्षक ही नामांकन के लिए पात्र होंगे। सेवानिवृत्त शिक्षक, शैक्षिक प्रशासक, शैक्षिक निरीक्षक और प्रशिक्षण संस्थाओं में कार्यरत अमला इस नामांकन के लिए पात्र

अब रिश्तों की तलाश होगी आसानी से पूरी

भोपाल। वैरिफाइड फोटोग्राफ्स, हर सप्ताह नई प्रोफाइल'संगम' एक विशिष्ट प्लेटफॉर्म है। विशिष्ट समुदायों को जोड़ने इस नई सर्विस का लक्ष्य सदस्यों को उनके सच्चे जीवनसाथी से मिलाते हुए, उच्च गुणवत्ता वाला, सुरक्षित और सफल वैवाहिक अनुभव प्रदान करना है, जिसे इच्छुक युवा पसंद करेंगे। इस सर्विस में 100% वैरिफाइड प्रोफाइल्स, वैरिफाइड फोटोग्राफ्स के साथ नई प्रोफाइल्स और दुनिया भर में रहने वाले भारत के विविध समुदायों की अनूठी प्राथमिकताओं को पूरा करेगा और साथ ही सांस्कृतिक संदर्भ में परिणय के उनके मधुर संबंधों को बढ़ावा देने का काम करेगा।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री विजयवर्गीय के निवास पर हुआ भुट्टा महोत्सव का आयोजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लिया भुट्टा एवं भुट्टे से बने व्यंजनों का स्वाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को भुट्टा महोत्सव का शुभारंभ किया। महोत्सव का आयोजन नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के भोपाल स्थित निवास पर किया गया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भुट्टा एवं भुट्टे से बने व्यंजनों का स्वाद भी लिया। इस अवसर पर सांसद और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग, महापौर मालती राय, हितानंद शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

भुट्टा महोत्सव में कलाकारों के दल ने संगीतमयी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का आयोजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भावना के अनुरूप 'एक पेड़ मां के नाम' के अंतर्गत हुआ। कार्यक्रम में अपने मध्यप्रदेश के लिए आओ मिलकर पेड़ लगाएं, हरा-भरा मध्यप्रदेश बनाए का संदेश भी दिया गया।

सीएम डॉ. मोहन ने भुट्टा महोत्सव का किया शुभारंभ

विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति बैठक कल

भाजपा की ऐतिहासिक जीत और मध्यप्रदेश की राजनीतिक परिस्थितियों पर आएंगे प्रस्ताव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भाजपा के प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी ने बताया कि 7 जुलाई को सुबह 11 बजे से पार्टी की विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति बैठक आहूत की गई है। विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने शानदार सफलता हासिल करते हुए 163 सीटें जीतकर सरकार बनाई है।

लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए सभी 29 सीटें जीती हैं। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व तीसरी बार एनडीए की सरकार बनी है। दोनों ही चुनावों में भाजपा को प्रदेश की जनता का भरपूर आशीर्वाद मिला है और कार्यकर्ताओं की मेहनत रंग लाई है। प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में इस प्रचंड विजय के लिए प्रदेश की जनता एवं पार्टी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देंगे। सबनानी ने बताया कि बैठक में प्रदेश के सभी 6 केंद्रीय मंत्रियों एवं नव निर्वाचित सांसदों का सम्मान किया जाएगा। इस बैठक में देश में तीसरी बार एनडीए की सरकार बनने तथा मप्र की राजनीतिक परिस्थितियों पर प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। लोकसभा चुनाव के दौरान जिस तरह से संगठन के स्तर पर काम किया गया, उसका विश्लेषण प्रस्तुत किया जाएगा। केंद्र एवं मप्र सरकार तथा पार्टी संगठन के कार्यों पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा पार्टी के आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा भी की जाएगी। सबनानी ने बताया कि कार्यसमिति बैठक में मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के प्रभारी तथा केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। अध्यक्षता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा करेंगे। उनके अलावा पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह एवं प्रदेश सह प्रभारी सतीश उपाध्याय उपस्थित रहेंगे।

पहली बार शामिल होंगे मंडल अध्यक्ष

सबनानी ने बताया कि प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में पहली बार प्रदेश के 1099 मंडलों के अध्यक्ष शामिल होंगे। उनके अलावा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, लोकसभा एवं राज्यसभा के सांसद, समस्त विधायक, पार्टी के महापौर, सभी जिलों के अध्यक्ष, जिला प्रभारी, जिला महामंत्री, मोर्चा प्रदेश पदाधिकारी, प्रकोष्ठों के संयोजक, विभाग संयोजक, जिला पंचायत अध्यक्ष, मीडिया प्रभारी, सह प्रभारी एवं प्रवक्ता, प्रदेश आईटी व सोशल मीडिया संयोजक, सह संयोजक बैठक में भाग लेंगे। सबनानी ने बताया कि भाजपा में नवाचार की परंपरा रही है। इसी के अनुरूप प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में भी अधिकांश कामकाज डिजिटल तकनीक पर आधारित होगा। बैठक के लिए प्रतिभागियों का पंजीयन डिजिटली होगा। बैठक में जो प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किए जाएंगे, पीपीटी प्रस्तुतियां होंगी, वो भी डिजिटल ही होंगे।

अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव के लिए छिंदी एवं सुरला खापा में की जनसभा

डॉ. मोहन बोले- जामसांवली में बनेगा हनुमान लोक, हवाई सेवा होगी शुरू

- छिंदी की जनता की मांग पर अब बनेगी उप तहसील और कॉलेज
- आदिवासियों का भाजपा ने किया सम्मान, कांग्रेस ने किया अपमान

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी कमलेश शाह के समर्थन में छिंदी एवं सुरला खापा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यहां के एक बड़े नेता ने बड़ा हनुमान जी का मंदिर बनवाया, लेकिन जामसांवली हनुमान मंदिर में एक ईंट तक नहीं लगाई।

उन्होंने घोषणा की कि सरकार जामसांवली में हनुमान लोक बनाएगी और यहां से नागपुर की हवाई सेवा भी शुरू की जाएगी, ताकि लोगों को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि छिंदवाड़ा को विकास का ग्रहण लगा था, उसे अब जनता ने हटा दिया है। यहां अब विकास ही विकास होगा। छिंदवाड़ा मेडिकल कॉलेज को बजट में 2 करोड़. रुपए की राशि रखी गई है, वहीं अमरवाड़ा में विकास कार्यों के लिए अलग से राशि रखी गई है। यहां कॉलेज भी होगा और जनता की मांग पर उप तहसील भी खोली जाएगी।

सीएम ने पूर्व सरपंच धुर्वे के निवास पहुंच कर किया भोजन

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि छिंदवाड़ा में सिर्फ एक ही परिवार का विकास हुआ है, बाकियों का नहीं। उन्होंने कहा कि यहां केवल एक ही परिवार हेलीकॉप्टर में घूमता था, लेकिन अब आयुष्मान योजना के तहत कोई बुजुर्ग बीमार होगा और उसे इलाज के लिए आवश्यकता होगी तो उसे दूसरी जगहों पर हेलीकॉप्टर से लेकर जाया जाएगा। जनसभाओं को प्रदेश शासन की मंत्री संपतिया उईके, सांसद विवेक बंटी साहू, पार्टी प्रत्याशी कमलेश शाह ने भी संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सुरला खापा में पूर्व सरपंच अखिलेश धुर्वे के निवास पहुंचकर भोजन किया।

कांग्रेसियों ने ली पार्टी की सदस्यता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसानों को फसलों के लिए पानी मिले, इसके लिए भी सिंचाई के लिए उचित कदम उठाए गए हैं। बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए सरकार पढ़ाई के लिए पैसे भी देगी और कोचिंग भी कराई जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष अमरवाड़ा विधानसभा के सुरलाखापा के बाराहीरा में 200 से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी की रीति-नीति और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विकासोन्मुखी कार्यों से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

कोदो-कुटकी खरीदेंगे, चिरोंजी का कारखाना लगेगा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आने वाले समय में कोदो-कुटकी को प्रदेश सरकार 4290 रुपए प्रति क्विंटल के दाम से खरीदेगी। चिरोंजी का कारखाना लगाया जाएगा और दूध पर बोनस दिया जाएगा। जड़ी-बूटियों को उचित दाम मिले, इसके लिए सरकार की तरफ से प्रयास किए जाएंगे। वन क्षेत्र में जिन्हें पट्टे नहीं मिले हैं, उन्हें सरकार आने वाले समय में पट्टे देगी। डॉ. यादव ने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों को विकसित करने के लिए कोई कमी नहीं रखी जाएगी।

सीएम आज करेंगे डॉ. मुखर्जी विकास भवन सभागृह का लोकार्पण

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विकास भवन सभागृह का लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में 6 जुलाई को सुबह 9.30 बजे किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल करेंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग राज्यमंत्री राधा सिंह मौजूद रहेंगी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की ओर से अरेरा हिल्स पर निर्मित विकास भवन अन्तर्गत सभागृह का निर्माण किया गया है। सभागृह का नामकरण डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर "डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सभागृह" में नियत किया गया है। सभागृह में लगभग 450 व्यक्तियों की बैठक व्यवस्था है। यह सभागृह पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के महत्वपूर्ण आयोजनों व समीक्षा बैठकों के लिए अत्यंत उपयोगी होगा।

शिक्षक ने आदिवासी छात्रा को बंधक बनाकर किया रेप, पत्नी सहित आरोपी गिरफ्तार

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। छग के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में आदिवासी छात्रा से शिक्षक ने बंधक बनाकर रेप की वारदात को अंजाम दिया है। इसके बाद छात्रा गर्भवती हो गई है। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया था। अब उसकी पत्नी संगीता सोनी को भी पकड़ा गया है।

आरोपी की पत्नी वकील है, उस पर पति का साथ देने का आरोप है। पूरा मामला गौरेला थाना क्षेत्र का है। दरअसल, सहायक शिक्षक महेंद्र कुमार सोनी के खिलाफ नाबालिग छात्रा ने शिकायत दर्ज कराई थी। महेन्द्र सोनी ने उसे पांचवीं कक्षा तक पढ़ाया था, इसलिए वह उसे जानती थी। जब वह 12 साल की थी, तब महेन्द्र कुमार सोनी उसे अपनी बातों में फंसा कर अपने घर ले गया। जहां उसे धमकी देकर दुष्कर्म किया।

मप्र को मिला घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सर्वश्रेष्ठ राज्य का पुरस्कार

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य को घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सर्वश्रेष्ठ राज्य पुरस्कार प्राप्त हुआ है। प्रदेश को मेलों और त्यौहारों को बढ़ावा देने के लिए भी सर्वश्रेष्ठ राज्य से पुरस्कृत किया गया है। दिल्ली में ये पुरस्कार आईटीसीटीए संस्था ने अंतरराष्ट्रीय पर्यटन एक्सपो-कॉन्क्लेव और यात्रा पुरस्कार के 9वें संस्करण में प्रदान किए। पुरस्कार अतिरिक्त प्रबंध संचालक, मप्र पर्यटन बोर्ड सुश्री बिदिशा मुखर्जी तथा मुख्य महाप्रबंधक, मप्र पर्यटन विकास निगम लिमिटेड अमन मिश्रा ने ग्रहण किए।

मौका पाकर बाल संप्रेषण गृह से फरार हुई तीन नाबालिग

तीनों पर अलग-अलग आपराधिक मामले में दर्ज

राजनांदगांव। राजनांदगांव शहर के बसंतपुर थाना क्षेत्र के निलगिरी पार्क स्थित बालिका संप्रेषण गृह में निरुद्ध तीन बालिकाएं जिनके ऊपर आपराधिक मामले दर्ज हैं। बालिका संप्रेषण गृह से भाग गई है तीनों नाबालिक बालिकाओं में दो के ऊपर धारा 302 का मामला दर्ज है। वहीं एक अन्य बालिका पर 294,323 और अन्य धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध है। भागी बालिकाओं की तलाश पुलिस कर रही है। बसंतपुर थाना क्षेत्र के निलगिरी पार्क स्थित बालिका संप्रेषण गृह में निरुद तीन बालिकाएं जिनके ऊपर आपराधिक मामले दर्ज हैं। बालिका संप्रेषण गृह से भाग गई है तीनों नाबालिक बालिकाओं में दो के ऊपर धारा 302 का मामला दर्ज है, वही एक अन्य बालिका पर 294,323 और अन्य धाराओं के तहत मामला पंजीबद्ध है तीनों नाबालिक की तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है।

पूरी दुनिया के पास अमेरिकी लोकतंत्र से सीखने के लिए बहुत कुछ हैः डॉ. रायज़ादा

नई दिल्ली। भारतीय लिबरल पार्टी (बीएलपी) के अध्यक्ष डॉ. मुनीश कुमार रायज़ादा ने अमेरिका की जनता को उनके स्वतंत्रता दिवस (4 जुलाई) पर अपनी शुभकामनाएं दी हैं। 22 वर्षों तक शिकागो में बतौर नियोनेटोलॉजिस्ट (नवजात शिशुओं के डॉक्टर) रह चुके डॉ. रायज़ादा ने कहा कि पूरी दुनिया के पास अमेरिकी लोकतंत्र से सीखने के लिए बहुत कुछ है। डॉ. रायज़ादा ने आगे कहा, "अमेरिका, आधुनिक दुनिया का सबसे पुराना लोकतंत्र है और उनके लोकतंत्र में कई ऐसी विशेषताएं हैं जिनसे भारत सीख सकता है।" डॉ. रायज़ादा ने अमेरिकी लोकतंत्र की ताकत के बारे में बात करते हुए कहा कि अमेरिकी लोकतंत्र के तीन मजबूत स्तंभ हैंः स्वतंत्रता (लिबर्टी), समानता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता। डॉ. रायज़ादा अमेरिका में बिताए अपने अनुभवों से बताते हैं कि वहाँ के नागरिक अपने इन

अधिकारों पर काफी गर्व करते हैं और ये उनके लिए सबसे बड़ी शक्ति है। अमेरिकी लोकतंत्र की कुछ प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख करते हुए रायज़ादा ने यह भी बताया कि शक्तियों का विकेंद्रीकरण ही अमेरिकी लोकतंत्र का आधार है जो वहाँ के संघीय ढाँचे को और मजबूत एवं सशक्त बनाता है। ऐसा होने से राजनीतिक शक्ति के दुरुपयोग की संभावना बहुत कम हो जाती है।

2 साल से लेकर 7 साल तक की सजा का प्रावधान

बोरवेल मामले में सबकी जिम्मेदारी तयः मंत्री विजयवर्गीय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कांग्रेस विधायक कैलाश कुशवाह ने शुक्रवार को विधानसभा में खुले बोलवेल में बच्चों की दुर्घटनाओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि इसके संबंध में बने कानून में सख्ती से पालन होना चाहिए। लापरवाही बरतने वालों को सजा मिले। कई लोगों द्वारा टयूबबेल पर कब्जा कर लिया जाता है।

इसके बाद नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजवर्गीय ने कहा कि इन घटनाओं के कैसे प्रतिबंधित कर सकते है, देखा जा रहा है। अब इसके संबंध में देखा जाएगा कि जमीन किसकी है।

25 हजार रुपए तक का जुर्माना भी लगेगा

मंत्री ने कहा कि यदि कोई सरकारी विभाग कवर नहीं कर रहा तो अधिकारी-कर्मचारी जिम्मेदार होगे। प्राइवेट लोग होंगे तो उनकी जिम्मेदारी तय होगी। यह कानून सबकी रिस्पांसबिल्टी फिक्स करता है। विदित हो कि इससे संबंधित बिल गुरूवार को विधानसभा में पेश किया गया था। इसमें 25 हजार रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। वहीं 2 साल से लेकर 7 साल तक की सजा है। इसके अलावा हरदा से कांग्रेस विधायक राम किशोर दोगने ने एमडी ड्रग्स का मुद्दा सदन में उठाया। उन्होने कहा कि इसमें कई परिवार बर्बाद हो रहे है इसको पूरी तरह प्रतिबंधित होना चाहिए। साथ ही उन्होने यह भी कहा कि उनकी विधानसभा में अवैध रूप से घर घर शराब बिक रही है।

मैहर अस्पताल में वाहन सुविधा ही नहीं

मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र का शुक्रवार को पांचवां दिन की शुरुआत ही हंगामे से हुई है। मैहर से भजपा विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने बताया कि मैहर जिला तो बन गया है, पर वहां के अस्पताल में वाहन सुविधा तक नहीं है। वाहन नहीं होने के कारण मरीजों को काफर दिक्कतों को सामना करना पड़ रहा है। श्रीकांत ने कहा कि पशु चिकित्सालय भी काम नहीं कर रहे। कलेक्टर से शिकायत करने के बाद भी स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार नहीं हो पा रहा है।

रायपुर के तिल्दा में ट्रक ने 20 से अधिक मवेशियों को रौंदा, 15 गायों की मौत

रायपुर। रायपुर जिले के तिल्दा में ट्रक ने 20 से ज्यादा मवेशियों को टक्कर मार दी। ट्रक की चपेट में आने से 15 गौवंश की मौत हो गई। मामला तिल्दा से लगे ग्राम पंचायत किरना का है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार की 12 बजे से 1 बजे के बीच अज्ञात ट्रक 20 से ज्यादा मवेशियों को टक्कर मारकर फरार हो गया। 15 गौवंश की मौके पर मौत हो गई, वहीं घायल गौवंश को इलाज के लिए पशु अस्पताल ले जाया गया है। ग्रामीणों ने देखा कि गौ वंश के शव सड़क पर पड़े हुए थे। उन्होंने विरोध करते हुए चक्का जाम कर दिया। विरोध प्रदर्शन से किरना से टंडवा तक लंबा जाम लग गया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **जीतू** पुत्र **सीता राम** निवासी **एफ–677, रघुबीर नगर, दिल्ली** ने case **FIR No. 629/2013 & Cr. Case No. 390/2017 U/s 25/54/59 Arms Act, थाना राजौरी गार्डन, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त **जीतू** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **जीतू** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 629/2013 & Cr. Case No. 390/2017 U/s 25/54/59 Arms Act, थाना राजौरी गार्डन, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **जीतू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **08.08.2024** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री शशांक नन्दन भट्ट
महानगर दण्डाधिकारी
कमरा नं. 356, तृतीय तल
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/8770/WD/2024(Court Matter)

इस सप्ताह दो बड़ी घटनाएं हुई हैं। कज़ाखिस्तान की राजधानी अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की खिर बैठक हुई। इसमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग पहुंचे, लेकिन भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नहीं पहुंचे, भारत की तरफ से विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शिरकत की। इससे यह संदेश गया है कि चीनी वर्चस्व वाले इस संगठन को भारत उतना तवज्जो नहीं दे रहा है। आतंकवाद को लेकर भारत की जो चिंता है, उस पर एससीओ कुछ स्टैंड लेता नजर नहीं आ रहा है, इसके साथ ही राष्ट्रों की संप्रभुता का सम्मान बड़ा मुद्दा रहा है, जिस पर एससीओ की मुखरता दिखती नहीं है। चीन की विस्तारवादी नीति एससीओ की सफलता में बाधक है। इस बार की एससीओ बैठक में चीन व रूस के बीच वर्चस्व को लेकर खींचातानी दिखी। ब्रिटेन में आम चुनाव हुए, जिसमें सत्ताधारी कंजर्वेटिव पार्टी को करारी शिकस्त मिली, लेंबर पार्टी को प्रचंड जीत मिली। भारतीय मूल के ऋषि सुनक के नेतृत्व में कंजर्वेटिव पार्टी चुनाव लड़ रही थी। यह पार्टी 14 वर्ष से ब्रिटेन की सत्ता में थी। कीर स्टॉर्मर के नेतृत्व में लेबर पार्टी की नई सरकार बनने जा रही है। नए पीएम स्टॉर्मर के सामने ब्रिटेन की आर्थिक स्थिति को बेहतर करने की चुनौती है। एससीओ बैठक और ब्रिटेन चुनाव के नतीजे का भारत पर असर का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

एससीओ में वर्चस्व को लेकर बढ़ रहा अंतर्द्वंद्व

विश्लेषण
प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

एससीओ के सदस्य देशों में पूरी दुनिया की लगभग 40 फीसदी आबादी निवास करती है। पूरी दुनिया की जीडीपी में एससीओ देशों की भागीदारी तकरीबन 20 फीसदी है। दुनियाभर के तेल रिजर्व का 25 फीसदी हिस्सा इन्हीं देशों के पास विद्यमान है। एससीओ शिखर सम्मेलन में इजराइल-हमास जंग, अफगानिस्तान के हालात और रूस-यूक्रेन युद्ध पर विशेष तौर पर चर्चा की गई। साथ ही एससीओ के सदस्य देशों के मध्य सुरक्षा सहयोग बढ़ाने पर भी गहन विचार विमर्श किया गया। रूस के लिए विशेषकर सम्मेलन बहुत महत्वपूर्ण रहा है, क्योंकि यूक्रेन में नाटो के विरुद्ध लड़ता हुआ रूस अपने सहयोगियों के साथ और घनिष्ठ रूप से जुड़ना चाहता है।

वर्ष 2024 की तीन और चार जुलाई को कजाखिस्तान की राजधानी अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के 24वें सालाना शिखर सम्मेलन आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं शिरकत नहीं की। सन 2017 में भारत और पाकिस्तान ने एससीओ की सदस्यता ग्रहण की थी। तब से पहला अवसर है कि जब प्रधानमंत्री एससीओ के वार्षिक शिखर सम्मेलन में स्वयं शिरकत नहीं की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्थान पर भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एससीओ के 24वें शिखर सम्मेलन में भारत की ओर से प्रतिनिधित्व किया। एससीओ शिखर सम्मेलन में नरेंद्र मोदी के उपस्थित न होने के पीछे जो कारण बताया जा रहा है, वो यह है कि एससीओ शिखर सम्मेलन के दौर में ही वर्ष 2024 के आम चुनाव के बाद भारतीय संसद का पहला अधिवेशन आयोजित हुआ। अतः इस संसदीय अधिवेशन में नरेंद्र मोदी की उपस्थिति को अति आवश्यक करार दिया गया, इसलिए प्रधानमंत्री मोदी इस सम्मेलन में अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं करा सके। कुछ विश्लेषकों का विचार है कि मोदी ने सोचे समझे ढंग से इस सम्मेलन से अपनी दूरी बनाए रखी।

2023 में अध्यक्ष था भारत

हालांकि विगत वर्ष सन 2023 में एससीओ का अध्यक्ष भारत था और भारत में आयोजित 23वें एससीओ शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता भारत ने की थी। इन विश्लेषकों का कहना है क्योंकि यह संगठन जिसे चीन और रूस की संयुक्त कूटनीतिक पहल द्वारा स्थापित किया गया है वस्तुतः पश्चिम देशों के विरोध में सनद संगठन है। भारत एक गुटनिरपेक्ष राष्ट्र है और विश्व पटल पर अपनी विदेश नीति का शानदार संतुलन बनाए रखने के लिए नरेंद्र मोदी ने कूटनीतिक तौर पर एससीओ से अपनी स्वयं की दूरी बनाई है। अतः विदेश मंत्री को इस सम्मेलन में शिरकत के लिए भेजा गया। इन पंक्तियों का लेखक इन विश्लेषकों की बात से सहमत नहीं है कि नरेंद्र मोदी कूटनीतिक ढंग से एससीओ से अपनी दूरी स्थापित कर रहे हैं। नरेंद्र मोदी ने समस्त पश्चिम देशों और अमेरिका के कूटनीतिक दबाव का कड़ा मुकाबला करते हुए रूस के साथ भारत के ताल्लुकात को जरा भी नहीं बिगड़ने दिया है। साथ ही रूस से बहुत सस्ता तेल आयात करके भारत की अर्थव्यवस्था को क्षतिग्रस्त होने से किसी हद तक रोक लिया। एससीओ की कयादत में रूस की अग्रणी भूमिका रही है। विश्लेषकों का यह कहना कि नरेंद्र मोदी कूटनीतिक ढंग से एससीओ से अपनी दूरी कायम कर रहे हैं, वस्तुतः बुनियादी तौर पर एक गलत विश्लेषण है। एससीओ शिखर सम्मेलन में भारत को विशिष्ट स्थान प्रदान किया गया और इसमें शिरकत करने गए भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर को कजाकिस्तान के उप विदेश मंत्री अली बेग बाकायेव स्वयं हवाई अड्डे लेने पर पहुंच गए। जयशंकर ने कजाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मूरत नूरतलेऊ से विशिष्ट मुलाकात की और भारत और कजाकिस्तान के मध्य राजनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी पर विस्तार से विचार विमर्श किया। भारत में आयोजित हुए विगत एससीओ शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीक्योर एससीओ का नारा बुलंद किया था। सिक्योर एससीओ की व्याख्या करते हुए नरेंद्र मोदी ने कहा था कि सामूहिक सुरक्षा, घनिष्ठ आर्थिक सहयोग, परस्पर गहन संपर्क, अटूट एकता , पर्यावरण सुरक्षा और संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के लिए परस्पर सम्मान।

2001 में स्थापना

उल्लेखनीय है कि एससीओ की स्थापना वर्ष 2001 में चीन और रूस द्वारा संयुक्त रूप से पूर्व सोवियत यूनियन के चार मध्य एशियाई देशों किर्गिस्तान, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान,और उज्बेकिस्तान के साथ मिलकर की गई थी। एससीओ की स्थापना यूरेशिया क्षेत्र में राजनीतिक, आर्थिक, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के मकसद को हासिल करने के लिए की गई थी। प्रारंभ में रूस, चीन कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान उज़्बेकिस्तान इसके सदस्य देश बने। इसके बाद सन 2017 में पाकिस्तान और भारत ने एससीओ की सदस्यता ग्रहण की। ईरान द्वारा सन 2023 में एससीओ की सदस्यता ली गई। तुर्की एससीओ का स्थाई सदस्य देश नहीं है, किंतु एक डायलॉग पार्टनर के रूप में एससीए में शिरकत करेता रहा है। इस सम्मेलन में सऊदी अरब भी डायलॉग पार्टनर के तौर पर शामिल हुआ। सन 2024 के एससीओ सम्मेलन में पर्यवेक्षक देशों के तौर पर अफगानिस्तान और मंगोलिया ने भी हिस्सा लिया। ऐतिहासिक तौर पर देखें तो एससीओ का उदय 1996 में प्रारंभ हुआ था, जबकि रूस, चीन और चार मध्य एशियाई देशों के मध्य सीमाओं को लेकर एक समझौता किया गया था। इस सीमा समझौते को शंघाई फाइव का नाम प्रदान किया गया। चीन और रूस की पहल पर इस शंघाई फाइव समझौते का विस्तार यूरेशिया क्षेत्र के मित्र देशों के मध्य सहयोग को और अधिक बढ़ाने के लिए किया गया और फिर शंघाई सहयोग संगठन निर्मित हुआ। एससीओ में सदस्य देशों के मध्य व्यापार और सुरक्षा को बढ़ावा प्रदान करने के लिए संगठन की भूमिका को शक्तिशाली बनाने की पेशकश की गई। यह ऐसा दौर था जब सोवियत संघ का पराभव हो चुका था और नकारात्मक नतीजे और अव्यवस्थाओं के प्रति पूरे विश्व में चिंता व्याप्त थी। सोवियत संघ के बिखर जाने के बाद यह सभी देश एक क्षेत्रीय व्यवस्था को बखूबी कायम करना चाहते थे।

40 फीसदी आबादी एससीओ देशों में

इस वक्त एससीओ के सदस्य देशों में पूरी दुनिया की लगभग 40 फीसदी आबादी निवास करती है। पूरी दुनिया की जीडीपी में एससीओ देशों की भागीदारी तकरीबन 20 फीसदी है। दुनियाभर के तेल रिजर्व का 25 फीसदी हिस्सा इन्हीं देशों के पास विद्यमान है। एससीओ शिखर सम्मेलन में इजराइल-हमास जंग, अफगानिस्तान के हालात और रूस-यूक्रेन युद्ध पर विशेष तौर पर चर्चा की गई। साथ ही एससीओ के सदस्य देशों के मध्य सुरक्षा सहयोग बढ़ाने पर भी गहन विचार विमर्श किया गया। रूस के लिए विशेषकर सम्मेलन बहुत महत्वपूर्ण रहा है, क्योंकि यूक्रेन में नाटो के विरुद्ध लड़ता हुआ रूस अपने सहयोगियों के साथ और घनिष्ठ रूप से जुड़ना चाहता है। विशेषकर चीन के साथ जिसके साथ उसकी अंतरविरोध से परिपूर्ण मित्रता है, क्योंकि चीन अपनी विस्तारवादी फितरत के कारण रूस के ब्लाडीवोस्टक इलाके पर तकरीबन उस तरह से अपने स्वामित्व का दावा पेश करता रहा है, जिस तरह वह भारत के अरुणाचल पर अपना दावा पेश करता है। ऐतिहासिक तौर पर जब दोनों ही देश साम्यवादी थे, तब भी उनके बीच सीमा विवाद को लेकर 1968 में भीषण युद्ध लड़ा गया था। आजकल जारी यूक्रेन बनाम रूस युद्ध के दौर में चीन काफी बड़ी मात्रा में आधुनिकतम हथियारों की आपूर्ति रूस को कर रहा है, लेकिन इसके बावजूद भी दोनों देशों में बुनियादी अंतरविरोध सीमा विवाद को लेकर आज भी पहले की तरह कायम हैं। जिस तरह से भारत और चीन के मध्य सीमा विवाद को लेकर कूटनीतिक और सैन्य वार्ताएं निरंतर जारी रहती हैं, इस तरह से रूस और चीन के मध्य भी सीमा विवाद के निपटारे के लिए कूटनीतिक वार्ताएं चलती रहती है। सुरक्षा और व्यापार सहयोग की तमाम घोषणाओं के बावजूद भी एससीओ का मंच अभी तक एससीओ के बड़े प्रमुख देशों के मध्य उत्पन्न सीमा विवादों का कोई समुचित निदान ढूंढने कामयाब नहीं हो सका है। अतः एससीओ देशों के सम्मेलनों में सामूहिक सुरक्षा स्थापित करने की की बात करना बेमानी हो चली है। एससीओ प्राय ऐलान करता है की चरम पंथ, अलगाव और अतिवाद से सामूहिक तौर पर संघर्ष करना वस्तुतः एससीओ का मकसद है। अलगाव का आज के मुद्दों में सबसे गहरा ताल्लुक भारत और चीन से है। जहांकि एक तरफ चीन के उत्तर पश्चिम क्षेत्र में शिनजियांग में और और भारत के कश्मीर में अलगाववादी हिंसक तौर पर सक्रिय हैं।

विश्व व्यवस्था को चुनौतीपूर्ण विकल्प

एससीओ के मंच से चीन और रूस मिलकर पश्चिमी देशों की अगुवाई वाली विश्व व्यवस्था को चुनौती पूर्ण विकल्प प्रदान करना चाहते हैं। चीन इसको इंटर सिविलाइजेशन डायलॉग कहकर पुकारता है चीन एशिया के मंच से अपने इस नजरिये को आगे बढ़ना चाहता है। एससीओ में वस्तुतः बड़े शक्तिशाली देश विद्यमान हैं। हालांकि रूस के खाते में अभी तक कोई बड़ी उपलब्धि नहीं है,क्योंकि वह तो अपने सदस्य देशों के मध्य जारी गहन अंतरविरोध हो और विवादों को सुलझाने में एकदम नाकाम साबित हुआ है। भारत और चीन के मध्य जो विवाद चल रहे हैं वह बाकायदा जारी है भारत और पाकिस्तान के मध्य कश्मीर को लेकर जो हिंसक संघर्ष और तल्खी बनी रही है, वह भी दूर होने का नाम नहीं ले रही है और एससीओ इसमें कुछ भी नहीं कर पा रहा है। एससीओ को को पश्चिमी मुल्कों के वैकल्पिक संगठन के तौर पर विश्व पटल पर पेश किया गया, किंतु सदस्य देशों के मध्य परस्पर विश्वास बहुत कम है। सदस्य देशों के बीच सहयोग और अपनी क्षमताओं को साझा करने और बड़ी उपलब्धियां हासिल करने के लिए जो यकीन स्थापित होना चाहिए, वह विद्यमान नहीं है। पश्चिमी देश एससीओ को लेकर ज्यादा चिंतित नहीं है। पश्चिमी देश एससीओ को विश्व राजनीति में ऐसी शक्ति के रूप तौर पर उसे नहीं देखते जिसकी उन्हें चिंता हो। इतना जरूर है कि चीन, रूस और ईरान के बीच बढ़ते हुए घनिष्ठ रिश्तों को वह लेकर पश्चिमी देश बेहद चिंतित है।

सार्थकता सिद्ध करनी होगी

एससीओ को अगर वास्तव में कारगर बनाना है और और विश्व पटल पर अपनी सार्थकता सिद्ध करनी है तो फिर इसके सदस्य देशों को आपसी अंतरविरोधों को और सीमा विवादों को शांतिपूर्ण कूटनीतिक वार्ताओं द्वारा यथाशीघ्र हल कर लेना होगा ताकि परस्पर सहयोग, सामूहिक सुरक्षा और सशक्त व्यापार के समस्त संकल्प साकार रूप से व्यवहार में परिणत हो सके अन्यथा एससीओ को एक नाकाम और नकारा संगठन करार देने में ज्यादा वक्त पश्चिम को नहीं लगेगा। इस अंतरराष्ट्रीय पुनीत कार्य की जिम्मेदारी सबसे अधिक एससीओ के संस्थापक देशों की है। इसको यदि सफल बनाना है तो भी चीन को अपनी विस्तारवादी रणनीति का संपूर्ण परित्याग करना होगा ताकि सदस्य देशों में यह विश्वास जाग सके कि वास्तव में ही अब सदस्य देशों में परस्पर सहयोग और विश्वास उत्पन्न हो सकेगा।

ऋषि सुनक जीत कर भी हारे

दो टूक
विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

ब्रिटेन के पहले हिन्दू प्रधानमंत्री और सारी दुनिया के भारतवंशियों के प्रिय ऋषि सुनक अपनी कंजरवेटिव पार्टी को ब्रिटेन की संसद (हाउस ऑफ कॉमन्स) के लिए हुए चुनाव में जीत दिलवाने में नाकाम रहे। हालांकि वे अपनी सीट जीतने में सफल रहे। ऋषि सुनक ने उस परंपरा को ही आगे बढ़ाया था जिसका 1961 में श्रीगणेश सुदूर कैरिबियाई टापू देश ग्याना में छेदी जगन ने किया था। वे तब ग्याना के प्रधानमंत्री बन गए थे। उनके बाद मॉरीशस में शिवसागर रामगुलाम से लेकर अनिरुद्ध जगन्नाथ, त्रिनिदाद और टोबैगो में वासुदेव पांडे, सूरीनाम में चंद्रिका प्रसाद संतोखी, अमेरिका में कमल हैरिस वगैरह राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति या प्रधानमंत्री बनते रहे। ये सभी उन मेहनतकशों की संतानें रही हैं, जिन्हें गोरे दुनियाभर में लेकर गए थे, ताकि वे वहां खेती कर लें। सुनक के पुरखे पंजाब से करीब 80 साल पहले केन्या चले गए थे और वहां से वे ब्रिटेन जाकर बसे। बेशक, आगे भी छेदी जगन और सुनक की तरह भारतवंशी भारत के बाहर राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री बनते रहेंगे।

ये भारतीय जीते

बहरहाल, कीर स्टार्मर ब्रिटेन के अगले प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं, क्योंकि उनकी लेबर पार्टी को चुनाव में भारी जीत मिली है। प्रधानमंत्री सुनक ने उत्तरी इंग्लैंड में रिचमंड एवं नॉर्थलेरटन सीट पर 23,059 वोट के अंतर के साथ दोबारा जीत हासिल की। सुनक की पार्टी की शिवानी राजा ने लीसेस्टर ईस्ट की सीट जीत ली है। लीसेस्टर ईस्ट में लड़ाई में कई दिग्गज शामिल थे, जिनमें पूर्व सांसद क्लाउड वेबे और कीथ वाज शामिल थे जिन्होंने निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ा था। कीथ वाज भारतीय मूल के हैं। वे पहले संसद के सदस्य रहे हैं। शिवानी राजा शिक्षा की दुनिया से जुड़ी हुई हैं। वो लंबे समय से कंजरवेटिव पार्टी की एक्टिविस्ट हैं। भारत में जन्मे कनिष्का नारायण पूर्व वेल्स की सीट से जीत गए हैं। वे भी कंजरवेटिव पार्टी के उम्मीदवार थे। नारायण 12 साल की उम्र में ब्रिटेन आ गए थे। उन्होंने ऑक्सफोर्ड और फिर स्टैनफोर्ड में पढ़ाई की। भारतीय मूल की सुएला ब्रेवरमैन ने फेयरहैम और वाटरलूविल सीट जीती है। उनके पिता गोवा और मां तमिल मूल की हैं। सुनक ने पिछले साल ब्रेवरमैन को पार्टी की नीतियों के खिलाफ चलने के कारण उन्हें कंजरवटिव पार्टी से निकाल दिया था।

इनकी भी धाक

पंजाबी हिन्दू परिवार से संबंध रखने वाले गगन मोहिन्दर फिर से साउथ-वेस्ट हर्टफोर्डशायर सीट से चुनाव जीत गए हैं। निवर्तमान संसद के सदस्य नवेन्दू मिश्र लेबर पार्टी की टिकट पर स्टॉकपोर्ट सीट से कामयाब रहे हैं।

भारतीय सांसदों के बढ़ने की उम्मीद

ब्रिटेन की निवर्तमान संसद में 15 भारतीय मूल के सांसद थे और यह संख्या बढ़ने की उम्मीद है। ब्रिटेन के आम चुनाव 2024 में, कुल 107 ब्रिटिश-भारतीय उम्मीदवार 680 उपलब्ध सीटों के लिए चुनाव लड़ रहे थे। जब सारे चुनाव नतीजे आ जाएंगे तब लेबर और कंजरवेटिव दोनों दलों से कई भारतवंशी सफल उम्मीदवारों की सूची में होंगे। देखिए, यह बात माननी होगी कि भारतीयों का राजनीति करने में कोई जवाब नहीं है। ये देश से बाहर जाने पर भी सियासत के मैदान में मौका मिलते ही कूद पड़ते हैं। वहां पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवा ही देते हैं। संसद का चुनाव कनाडा का हो, ब्रिटेन का हो या फिर किसी अन्य लोकतांत्रिक देश का, भारतीय उसमें अपना असर दिखाने से पीछे नहीं रहते। उन्हें सिर्फ वोटर बने रहना नामंजूर है। वे चुनाव लड़ते हैं। अब करीब दो दर्जन देशों में भारतवंशी संसद तक पहुंच चुके हैं। हिन्दुस्तानी सात समंदर पार मात्र कमाने-खाने के लिए ही नहीं जाते। वहां पर जाकर हिन्दुस्तानी सत्ता पर काबिज होने की भी चेष्टा करते हैं। अगर यह बात न होती तो 22 देशों की पार्लियामेंट में 182 भारतवंशी सांसद न होते।

ब्रिटेन के पहले हिन्दू प्रधानमंत्री और सारी दुनिया के भारतवंशियों के प्रिय ऋषि सुनक अपनी कंजरवेटिव पार्टी को ब्रिटेन की संसद (हाउस ऑफ कॉमन्स) के लिए हुए चुनाव में जीत दिलवाने में नाकाम रहे। हालांकि वे अपनी सीट जीतने में सफल रहे। ऋषि सुनक ने उस परंपरा को ही आगे बढ़ाया था जिसका 1961 में श्रीगणेश सुदूर कैरिबियाई टापू देश ग्याना में छेदी जगन ने किया था।

दक्षिण अफ्रीका में भी उपस्थिति

अब जरा दक्षिण अफ्रीका को लें। वहां पिछले माह मई में संसद के लिए हुए चुनाव में भी भारतीय मूल के बहुत से उम्मीदवार विभिन्न राजनीतिक दलों से अपना भाग्य आजमा रहे थे। उन्होंने संसद और प्रांतीय असेंबलियों में भी जीत दर्ज की। मेरगन शेट्टी लगातार तीसरी बार संसद के लिए चुने गए। क्वाजुलू-नाटाल प्रांतीय विधानसभा की सदस्य शारा सिंह ने राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश किया और संसद सदस्य बन गईं। शेट्टी संसद में डेमोक्रेटिक एलायंस (डीए) के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले भारतीय मूल के सदस्य बताए जाते है। उन्होंने पहले 2006 में पीटरमारिट्ज़बर्ग नगर परिषद का प्रतिनिधित्व किया था। शारा सिंह ने संसद में चुने जाने के बाद स्थानीय सरकार की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। डीए के संसद के लिए 87 सदस्य चुने गए हैं। इनमें से चार भारतीय मूल के हैं। इस बीच, ए. सरूपेन ने लगातार दूसरी बार संसद के चुनाव में जीत हासिल की। सरूपेन के पूर्वज उत्तर प्रदेश से थे। वे गौतेंग प्रांतीय विधानसभा के सदस्य के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। इंकाथा फ्रीडम पार्टी के नेता नरेंद्र सिंह, अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस (एएनसी) की फ़ासीहा हसन, अल जमा-आह के इमरान इस्माइल मूसा भी निर्वाचित हुए हैं। इनके अलावा, गोपाल रेड्डी और शुनमुगम रामसामी मूडली भी संसद पहुंचे हैं। अधिकांश चुने गए भारतीय मूल के सदस्य दक्षिण अफ्रीका में ही पैदा हुए हैं, लेकिन केरल के पथानमथिट्टा जिले के तिरुवल्ला के मूल निवासी अनिलकुमार केसवा पिल्लई ने 40 साल पहले दक्षिण अफ्रीका की स्थानीय राजनीति में खुद को स्थापित किया था। एक युवा शिक्षक के रूप में दक्षिण अफ्रीका पहुंचे पिल्लई शिक्षकों के एक ट्रेड यूनियन नेता के रूप में उभरे। उन्हें पहली बार 2019 में एएनसी के प्रतिनिधि के रूप में ईस्टर्न केप की प्रांतीय परिषद के लिए चुना गया था। पिल्लई के अलावा, डीए के सदस्य इमरान कीका, एम. नायर और रिओना गोकुल को भी क्वाजुलू-नाटाल की प्रांतीय विधानसभा के लिए फिर से चुना गया है।

भारत के ब्रांड एंबेसेडर

भारतवंशी निश्चित रूप से भारत के ब्रांड एंबेसेडर हैं। भारत इनकी उपलब्धियों पर नाज करता है, लेकिन कनाडा का मामला थोड़ा हटकर है। वहां पर बसे भारतीयों का एक वर्ग घनघोर रूप से भारत विरोधी के रूप में सामने आता है। वहां पर खालिस्तानी खुलकर अपना खेल खेलते हैं। कनाडा के मंत्री हरजीत सिंह सज्जन की छवि एक घोषित खालिस्तानी की रही है। कुछ साल पहले वे भारत आए थे तब पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने उनसे मुलाकात करने तक से मना कर दिया था।। सज्जन की हरकतें उन्हें कतई सज्जन नहीं बनाती। अब कुछ महीनों के बाद अमेरिका में राष्ट्रपति पद का चुनाव है। उम्मीद है कि वहां एक बार फिर से भारतवंशी कमला हैरिस उप राष्ट्रपति निर्वाचित हो जाएंगी।

एफटीए के सिरे चढ़ने की उम्मीद

ब्रिटेन
सुनील अमर
वरिष्ठ पत्रकार

ब्रिटेन में ताजा सम्पन्न चुनाव में 14 वर्ष का वनवास झेलकर सेंटर लेफ्ट लेबर पार्टी चमत्कार करते हुए सत्ता में आ गई है। ऐसे समय में जब यूरोप में दक्षिणपंथ का प्रभाव बढ़ता जा रहा हो, और खुद ब्रिटेन में 14 वर्षों से-पश्चिमी देशों की सबसे सफल कही जाने वाली-दक्षिणपंथी कंजर्वेटिव पार्टी सत्ता में हो तो उसे ऐतिहासिक अन्तर से परास्त कर एक वामपंथी पार्टी का सत्ता में आना कौतूहल पैदा करता है। हालांकि आज की दुनिया में राजनीति महज विचारधारा और संवेदना का खेल न होकर गणित का भी खेल बन गई है तो इस लिहाज से ब्रिटेन का मामला वामपंथ का उभार कम और गणितीय हेर-फेर अधिक लगता है, क्योंकि कंजर्वेटिव और इसी से निकले नेताओं की दक्षिणपंथी पार्टी रिफार्म यूके को जो वोट प्रतिशत मिला है वह लेबर पार्टी को मिले मत प्रतिशत से ज्यादा है। बहरहाल, इसी के साथ यह सवाल सबसे ज्यादा उभर रहा है कि ब्रिटेन में वामपंथ की इतनी ताकतवर सरकार के भारत के साथ सम्बन्ध कैसे रहेंगे।

लैन्ड स्लाइड विक्ट्री

कुल 650 सदस्यों वाली ब्रिटिश संसद में लेबर पार्टी ने 412 सीटें जीत ली हैं। सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी को महज 121 सीटें ही मिल सकी। फौरी तौर पर देखा जाए तो इसे अँग्रेजी में 'लैन्ड स्लाइड विक्ट्री' कहा जाता है, लेकिन मत प्रतिशत के लिहाज से लेबर पार्टी को पिछले चुनाव यानी वर्ष 2017 से भी काफी कम महज 33.8 प्रतिशत यानी एक तिहाई वोट ही मिले हैं और सत्तारूढ़ कन्जरवेटिव को सिर्फ 23.7 प्रतिशत। लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर प्रधानमन्त्री बन गए हैं और उन्होंने तत्काल ही अपना मंत्रिमंडल भी बना लिया है। डेविड लैम्मी उनके विदेश मंत्री बने हैं। भारत के संबंध में लैम्मी का विदेश मंत्री बनना कुछ अलग मायने रखता है। लैम्मी काफी अरसे से भारत तथा दक्षिण एशिया के बारे में अपनी राय रखते रहे हैं जिससे उम्मीद बनती है कि उनके सुलझे विचारों का लाभ भारत से सार्थक संबंध बनाने में मिलेगा। अतीत में इस लेबर पार्टी का रवैया कश्मीर जैसे मसलों को लेकर भारत सरकार को परेशान करने वाला ही रहा है। अगस्त 2019 में जब भारत सरकार ने अनुच्छेद 370 को खत्म करने का ऐलान किया था तो तत्कालीन लेबर पार्टी प्रमुख जर्मी कोर्बिन ने लेबर पार्टी के वार्षिक सम्मेलन में एक प्रस्ताव पास कर कहा था कि भारत के कश्मीर में 'मानवीय संकट' उत्पन्न हो गया है और कश्मीरियों को आत्म निर्णय का अधिकार दिया जाना चाहिए। इस पर जब भारत सरकार ने इसका विरोध किया था तो आज के नवनिर्वाचित प्रधानमन्त्री और लेबर पार्टी के तत्कालीन नेता कीर स्टार्मर ने सफाई दी थी कि यह भारत-पाकिस्तान का आपसी मामला है।

लेबर पार्टी का संकल्प

वैसे तो अपने चुनाव घोषणापत्र में लेबर पार्टी ने मुक्त व्यापार समझौता, सुरक्षा, शिक्षा, तकनीक तथा पर्यावरण आदि को लेकर भारत से सार्थक पहल करने का संकल्प ले रखा है, लेकिन स्टार्मर या डेविड लैम्मी दोनों सबसे पहले ब्रिटिश और फिर लेबर पार्टी के नेता हैं। लैम्मी चुनाव के दौरान भी सत्ता में आने पर भारत से संबंध और बेहतर करने की बात करते रहे हैं ।

वैसे तो अपने चुनाव घोषणापत्र में लेबर पार्टी ने मुक्त व्यापार समझौता, सुरक्षा, शिक्षा, तकनीक तथा पर्यावरण आदि को लेकर भारत से सार्थक पहल करने का संकल्प ले रखा है, लेकिन स्टार्मर या डेविड लैम्मी दोनों सबसे पहले ब्रिटिश और फिर लेबर पार्टी के नेता हैं। भारत से संबंध सुधारना इसके बाद आता है। बहुत सारे मसले ऐसे हैं जिन्हें नई दिल्ली और ब्रिटेन में समान विचारधारा की बहुमत वाली दक्षिणपंथी सरकारों के रहते हुए भी निपटाया नहीं जा सका तो अभी वामपंथ की सरकार के रहते ज्यादा उम्मीद पाल लेना सही नहीं होगा। लैम्मी चुनाव के दौरान भी सत्ता में आने पर भारत से संबंध और बेहतर करने तथा द्विपक्षीय रणनीति के तहत मुद्दों को हल करने की बात करते रहे हैं लेकिन लेबर पार्टी का एक घोषित एजेन्डा है- वैध प्रवासियों की संख्या को कम करना तथा अवैध प्रवासियों को आने से रोकना। भारत से भारी संख्या में कामगार या नौकरी के इच्छुक लोग ब्रिटेन जाते रहते हैं। ब्रिटेन में लगभग 15 लाख भारतीय और 12 लाख पाकिस्तानी रहते हैं। भारत के साथ ब्रिटेन का मुक्त व्यापार समझौता अभी हो नहीं पाया है। इसे लागू करने में भारत से जाने वाले कामगारों को वीजा देने की प्रक्रिया एक बड़ा अड़ंगा है क्योंकि लेबर पहले ही कह चुके हैं कि वे वैध अप्रवासियों की संख्या भी कम करेंगे और दूसरी तरफ ब्रिटेन के लिए सबसे ज्यादा जरूरी एफटीए यानी मुक्त व्यापार समझौता है, क्योंकि अपनी खस्ताहाल आर्थिक व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए उसे भारत जैसा विशाल बाजार चाहिए। विशेषज्ञ कहते हैं कि द्विपक्षीय इन्वेस्टमेंट संधि, द्विपक्षीय सामाजिक सुरक्षा समझौता और कार्वन बार्डर टैक्स में संशोधन आदि ऐसे मुद्दे हैं जिन पर सुनक सरकार के समय में भी प्रगति हुई है। हो सकता है कि आने वाले अक्तूबर तक भारत ब्रिटेन का मुक्त व्यापार समझौता आकार ले ले क्योंकि गरज दोनों पक्षों को है।

अतिवादी समूह बड़ी समस्या

इसके अलावा दोनों देशों के बीच एक बड़ी समस्या ऐसे अतिवादी समूहों को लेकर है जो ब्रिटेन में हैं और भारत के खिलाफ अभियान चलाया करते हैं। इनमें इस्लामिक और सिख अतिवादी प्रमुख हैं। कनाडा के बाद सबसे ज्यादा सिख ब्रिटेन में ही हैं। ब्रिटेन मे इस बार भारतीय मूल के जो 28 सांसद जीते हैं उनमें कन्जरवेटिव पार्टी के 06 तथा लेबर पार्टी के 20 सांसद जीते हैं और उनमें 12 सिख है। कनाडा में कुल 18 सिख सांसद हैं। इस प्रकार स्टार्मर और डेविड लैम्मी की भारत के प्रति सदाशयता तभी तक काम करेगी जब तक उनकी पार्टी अपने इस वोट बैंक से आश्वस्त रह सकेगी। चुनाव के दौरान ही स्टार्मर ने कहा था कि वे यूरोपियन यूनियन के साथ सम्बन्ध सुधारने की शुरुआत करेंगे, लेकिन उनकी पार्टी ने अधिकृत तौर पर कह दिया था कि ऐसा कोई एजेन्डा पार्टी की टेबल पर नहीं है। बहरहाल राजनीति संभावनाओं का खेल है और उम्मीद की जानी चाहिए कि दोनों पक्षों की जरूरतों के लिहाज से समझौतों की गाड़ी आगे बढ़ेगी।

पूर्व पीएम देसाई को पीछे छोड़ देंगी | लगातार 7वां बजट पेश कर रिकॉर्ड बनाएंगी निर्मला सीतारमण

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 अगस्त को लोकसभा में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पूर्ण बजट पेश करेंगी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर पोस्ट कर बजट सत्र की तिथियों का ऐलान किया है।

उन्होंने बताया कि आगामी बजट सत्र का शुभारंभ 22 जुलाई को होगा। यह 12 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को संसद में पूर्ण बजट पेश करेंगी। इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा चुनाव से पहले 1 फरवरी को अंतरिम बजट पेश किया था। वित्त मंत्री सीतारमण 23 जुलाई को लगातार सातवां बजट पेश करेंगी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार सातवीं बार बजट पेश करेंगी। यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत तीसरी सरकार की प्राथमिकता और विकसित भारत की दिशा तय करेगा। जुलाई में सीतारमण लगातार सातवां बजट पेश करके एक नया रिकॉर्ड बनाएंगी। इससे पहले पूर्व पीएम मोरारजी देसाई ने लगातार छह बजट पेश किए थे।

सरकार की प्राथमिकता और विकसित भारत की दिशा तय होगी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार सातवीं बार बजट पेश करेंगी। यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत तीसरी सरकार की प्राथमिकता व विकसित भारत की दिशा तय करेगा। वित्त मंत्री सीतारमण ने 1 फरवरी 2024 को लोकसभा में अंतरिम बजट पेश किया था। 23 जुलाई को सीतारमण लगातार सातवां बजट पेश करके वित्त मंत्री सीतारमण एक नया रिकॉर्ड बनाएंगी। इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने वित्त मंत्री रहते हुए लगातार छह बार बजट पेश किया था। निर्मला सीतारमण ने लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए पिछले महीने वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभाला।

सीतारमण के नाम पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री बनने का भी रिकॉर्ड

सीतारमण के नाम मोदी सरकार में लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए मंत्री के रूप में शामिल होने वाली पहली महिला बनने का रिकॉर्ड भी है। अपने राजनीतिक करियर में उन्होंने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। 2017 में पहली महिला रक्षा मंत्री बनी।

इससे पहले वह उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री थीं। अरुण जेटली (वित्त मंत्री 2014-19) के बीमार होने पर सीतारमण ने 2019 के आम चुनाव के बाद नव निर्वाचित मोदी सरकार में वित्त विभाग का प्रभार संभाला था।

इंदिरा ने अतिरिक्त विभाग के रूप में काम संभाला था

वे स्वतंत्र भारत में पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री बनीं। इससे पहले, इंदिरा गांधी ने भारत की प्रधानमंत्री रहते हुए थोड़े समय के लिए अतिरिक्त विभाग के रूप में वित्त का कार्यभार संभाला था। सीतारमण का जन्म 18 अगस्त 1959 को मदुरै में रेलवे में कार्यरत नारायण सीतारमण और सावित्री के घर हुआ था। सीतारमण ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) से अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर और एमफिल की है।

राजनीति से पहले कॉरपोरेट जगत का हिस्सा थीं वित्त मंत्री

राजनीति में आने से पहले सीतारमण ब्रिटेन में कॉरपोरेट जगत का हिस्सा थीं, जहां वह अपने पति परकला प्रभाकर के साथ रह रहीं थीं। दोनों की मुलाकात जेएनयू में पढ़ाई के दौरान हुई और 1986 में दोनों ने शादी कर ली। उनकी एक बेटी परकला वांगमयी है। उन्होंने हैदराबाद में सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी स्टडीज की उप निदेशक के रूप में कार्य किया। शहर में एक स्कूल भी शुरू किया। वह 2003 से 2005 तक राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य भी रहीं।

खबर संक्षेप

पीएम मोदी ने डॉ. दी मुखर्जी को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी है।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर कहा कि अपने प्रखर राष्ट्रवादी विचारों से मां भारती को गौरवान्वित करने वाले डॉ. मुखर्जी को जन्म-जयंती पर आदरपूर्ण श्रद्धांजलि। मातृभूमि के लिए उनका समर्पण और त्याग देशवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा।

खेत में करंट से महिला मजदूर की मौत

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा में खेत में करंट आने से धान की रोपाई कर रही एक महिला की

मौत हो गई वहीं तीन महिलाएं गंभीर रूप से झुलस गईं। यह घटना नगरिया सात बिसा गांव की है। चंदर के खेत में 18 महिलाएं, 4 पुरुष रोपाई कर रहे थे। तभी खेत के ऊपर से गुजर रहा बिजली का एक तार टूटकर खंभे से टकराया और खेत में करंट आ गया।

नड्डा ने किया मिलकर काम करने का आह्वान

नई दिल्ली। विश्व जूनोसिस दिवस पर जेपी नड्डा ने एक्स पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा जूनोटिक रोगों के प्रसार को रोकने के लिए मिलकर काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यह वही दिवस है जब दुनिया ने लुई पाश्चर द्वारा रेबीज वैक्सीन के पहले सफल प्रशासन को चिन्हित किया था। इससे रोगों पर नियंत्रण होगा।

राष्ट्रपति 9 जुलाई तक ओडिशा के दौरे पर पहुंचीं

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शनिवार से नौ जुलाई तक ओडिशा के दौरे पर रहेंगी। भारत सरकार के

पत्र सूचना कार्यालय के मुताबिक राष्ट्रपति मुर्मू छह जुलाई को भुवनेश्वर में उत्कलमणि पंडित गोपबंधु दास की 96वीं पुण्यतिथि पर आयोजित समारोह में शामिल होंगी। रविवार को पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा का अवलोकन करेंगी।

हाथ-पैर बंधे मिले चार शव, मेघालय में हत्या

शिलांग। मेघालय के पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले के एक सुदूर गांव से 4शव बरामद हुए हैं। पुलिस

ने बताया कि उंपलेंग गांव के बाहरी इलाके से सटे जंगल में मिले चारों शवों के हाथ-पैर बंधे हुए थे और गर्दन पर घाव थे। श्रमिकों के शव शनिवार की सुबह मिले। एसपी ने कहा, आशंका है कि ये सभी राज्य के बाहर के थे। इसकी पुष्टि सत्यापन के बाद ही की जा सकेगी।

गुजरात दौरे पर राहुल ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

जिस तरह हमारा कार्यालय तोड़ा गया उसी तरह हम उनकी सरकार तोड़ेंगे

अहमदाबाद में पार्टी के कार्यकर्ताओं से की मुलाकात राजकोट गेम जोन अग्निकांड के पीड़ितों से भी मिले

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी फिलहाल गुजरात दौरे पर हैं। शनिवार को वे अहमदाबाद पहुंचे। राहुल ने राजकोट गेम जोन अग्निकांड के पीड़ितों से मुलाकात की। वे अहमदाबाद में पार्टी के कार्यकर्ताओं से भी मिले। अहमदाबाद में एक सभा में राहुल ने पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने गुजरात में कांग्रेस की खामियों पर भी बात की।

उन्होंने कहा, जिस तरह से उन्होंने हमारा कार्यालय तोड़ा, उसी तरह हम उनकी सरकार तोड़ने जा रहे हैं। गुजरात कांग्रेस में कमियां है। यहां दो तरह के घोड़े हैं। एक का इस्तेमाल दौड़ के लिए और दूसरे का इस्तेमाल शादी के लिए किया जाता है। कांग्रेस रेस के घोड़े को शादी में और शादी के घोड़े को रेस में लगा देती है। पिछले चुनावों में हमने भाजपा के खिलाफ ठीक से चुनाव नहीं लड़ा। 2017 में हमने तीन महीनों के लिए काम किया था जिसके परिणाम अच्छे आए थे। अब हमारे पास तीन साल है। हम फिनिशिंग लाइन को पीछे छोड़ देंगे। आप 30 साल बाद गुजरात में जीतने वाले हैं। मैं और मेरी बहन आपके साथ खड़े हैं।

कांग्रेस की खामियों पर भी बात की दो तरह के घोड़ा बताया

राहुल के विरोध में बजरंग दल ने किया प्रदर्शन

राहुल के अहमदाबाद दौरे पर बजरंग दल ने विरोध प्रदर्शन किया। वे कांग्रेस सांसद के लोकसभा में हिंदुओं को लेकर दिए गए बयान से नाराज हैं। इससे पहले राहुल गांधी के दौरे का विवरण देते हुए शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि हमारे नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी छह जुलाई को अहमदाबाद में राज्य कांग्रेस कार्यालय आ रहे हैं। वे कांग्रेस परिवार के कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करेंगे और उनसे बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे पूरे गुजरात से कई लोगों ने फोन किया, जिनके साथ भाजपा ने अन्याय किया। उन्होंने बताया कि राहुल न्याय के लिए लड़ते हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें भाजपा पर भरोसा था, लेकिन उन्हें न्याय नहीं मिला। अब वे राहुल के सामने अपनी बार रखना चाहते हैं। इसलिए हम भी उनसे अनुरोध करते हैं कि वे एक बार बात करें।

भाजयुमो कार्यकर्ताओं पर मामला दर्ज

अहमदाबाद पुलिस ने गुरुवार को भाजयुमो कार्यकर्ताओं के खिलाफ दंगा करने और गैरकानूनी ढंग से एकत्र होने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने यह

कार्रवाई राहुल की अहमदाबाद यात्रा से पहले की है। राहुल ने भाजपा और मोदी पर हमला भी बोला। बापूनगर के पूर्व विधायक और अहमदाबाद शहर कांग्रेस कमेटी के प्रमुख हिम्मतसिंह पटेल ने एफआईआर दर्ज कराई है। दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि मंगलवार को गुजरात कांग्रेस मुख्यालय में कांग्रेस की छात्र शाखा एनएसयूआई में शामिल होने वाले एबीवीपी कार्यकर्ताओं का अभिनंदन समारोह चल रहा था।

अयोध्या में 'गरीब व्यक्ति' नहीं दिखा

उन्होंने कहा कि भाजपा की पूरी मूवमेंट राम मंदिर, अयोध्या की थी। शुरुआत आडवाणी जी ने की थी, रथयात्रा की थी। कहा जाता है नरेंद्र मोदी जी ने उस रथयात्रा में आडवाणी जी की मदद की थी। मैं संसद में सोच रहा था कि उन्होंने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की और प्राण प्रतिष्ठा में अडाणी-अंबानी दिख गए लेकिन गरीब व्यक्ति नहीं दिखा। संसद में मैंने अयोध्या के सांसद से पूछा कि ये भाजपा ने अपनी पूरी राजनीति चुनाव के पहले इन्होंने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की। लेकिन इंडी गठबंधन अयोध्या में चुनाव जीत गया, यह क्या हुआ?

अयोध्या में मुआवजा नहीं दिया गया

राहुल ने कहा कि अयोध्या सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि राहुल मुझे पता लग गया था कि मैं अयोध्या से चुनाव लड़ने वाला हूं और जीतने भी वाला हूं। उन्होंने कहा कि मुझे अयोध्या के लोग कहते थे कि अयोध्या में मंदिर बनाने के लिए हमारी जमीन ली गई, कई दुकानें-घर तोड़े गए और सरकार ने आज तक लोगों को मुआवजा नहीं दिया। अयोध्या का बड़ा एयरपोर्ट बना उसमें अयोध्या के किसानों की जमीन गई, जिसमें किसानों को आज तक मुआवजा नहीं मिला। अयोध्या की प्राण प्रतिष्ठा में अयोध्यावासी ही नहीं थे।

न्यायिक आयोग ने खंगाले सबूत

मुख्य सेवादार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा जेल

सीपी सिंह ▶▶ लखनऊ

सत्संग के दौरान हुई भगदड़ में लोगों को मारे जाने के मामले में न्यायिक आयोग की टीम शनिवार को हाथरस पहुंच गई। वहां पर आयोग की टीम ने घटनास्थल का मुआयना कर हादसे के सबूत खंगाले। इस मामले की जांच के लिए गठित न्यायिक आयोग के अध्यक्ष बृजेश कुमार श्रीवास्तव, सदस्य हेमंत कुमार राव व भावेश कुमार सिंह शनिवार को करीब दोपहर 12 बजे हाथरस पहुंचे। उसके बाद शाम करीब साढ़े चार बजे आयोग की टीम ने घटनास्थल गांव फुलरई का गहराई से मुआयना किया।

टीम को दो माह में जांच रिपोर्ट सरकार को देनी है। पुलिस ने राम प्रकाश शाक्य पुत्र परमाईलाल निवासी खांके ताल थाना बेवर, मैनपुरी एवं संजू यादव पुत्र साधू यादव निवासी गोपालपुर सिकंदराराऊ हाथरस को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

आईजी शलभ माथुर ने बताया कि अभी अन्य आरोपी सेवादारों की तलाश की जा रही है।उधर गिरफ्तार किए मुख्य सेवादार को अदालत ने 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया, वहीं दो अन्य सेवादारों के भी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

हाथरस हादसे के जिम्मेदार दो और सेवादार किए गए गिरफ्तार

टीम दोपहर में पहुंची

हाथरस के गांव फुलरई में दो जुलाई को नारायण साकार विश्व हरि (सूरजपाल) द्वारा किए जा रहे सत्संग के दौरान भगड़ मचने से 121 लोगों की मृत्यु हो गई थी। इस मामले की जांच के लिए गठित न्यायिक आयोग के अध्यक्ष बृजेश कुमार श्रीवास्तव, सदस्य हेमंत कुमार राव व भावेश कुमार सिंह शनिवार को करीब दोपहर 12 बजे हाथरस पहुंचे। उसके बाद शाम करीब साढ़े चार बजे आयोग की टीम ने घटनास्थल गांव फुलरई का गहराई से मुआयना किया। टीम को दो माह में जांच रिपोर्ट सरकार को देनी हैं।

पहली बार बाबा ने खोला मुंह

हाथरस कांड के पहली पार शनिवार को विश्व नारायण साकार विश्व हरि भोले बाबा ने मीडिया के सामने मुंह खोला। मैनपुरी आश्रम में बाबा ने खुद घटना के लिए जिम्मेदार नहीं माना। कहा कि सरकार से यही अपेक्षा है कि अराजकता फैलाने वाले तत्वों को बख्शा न जाए। जुलाई की घटना के बाद हम बहुत ही व्यथित हैं।

जगन्नाथ की रथ यात्रा आज

रथ यात्रा में रांची के धुर्वा में 10 दिन का चलता रहेगा मेला

एजेंसी ▶▶ रांची

झारखंड की राजधानी रांची में ओडिशा के पुरी की तरह भव्य रथ यात्रा रविवार को निकाली जाएगी। रथ यात्रा के दौरान रांची के धुर्वा में 10 दिन का मेला भी लगता है। इस मेले की तैयारी पूरी हो गई है। मेला की तैयारी एवं सुरक्षा व्यवस्था का अधिकारियों ने शनिवार को जायजा लिया।

उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा एवं वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन सिन्हा ने जगन्नाथपुर रथ यात्रा मेला की तैयारी एवं सुरक्षा व्यवस्था का

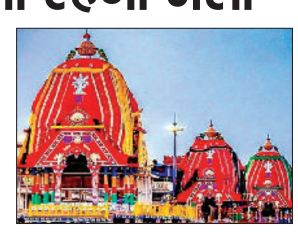

जायजा लिया। पुलिस अधीक्षक (नगर) राजकुमार मेहता एवं मंदिर समिति के पदाधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे। मेला परिसर में व्यवस्था का जायजा लेते हुए वरीय अधिकारियों ने मंदिर समिति के पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

तमिलनाडु बसपा चीफ की हत्या

8 संदिग्धों को किया गिरफ्तार समर्थकों ने किया बड़ा प्रदर्शन

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

बहुजन समाज पार्टी की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रांग की हत्या के सिलसिले में 8 संदिग्धों को पकड़ा गया है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (उत्तर) असरा गर्ग ने बताया कि पुलिस ने इस मामले को सुलझाने के लिए 10 टीम गठित की हैं।

उन्होंने कहा कि हमने अब तक 8 संदिग्धों को पकड़ा है। यह शुरुआती जांच है। कुछ समय बाद अधिक तथ्यों और घटना की परिस्थितियों का पता चलने के बाद

और स्पष्ट तस्वीर सामने आएगी। उन्होंने कहा कि इस हत्या के पीछे 2-3 संदिग्ध मकसद नजर आ रहे हैं। इनसे पूछताछ के बाद ही पता चल पाएगा कि किस कारण इस घटना को अंजाम दिया गया।हत्या को लेकर बसपा कार्यकर्ताओं ने चेन्नई में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया है।

सूरत में बड़ा हादसा: 6 मंजिला इमारत गिरी, 15 घायल

सूरत। गुजरात के सूरत में 6 मंजिला बिल्डिंग गिर गई है। ये हादसा सचिन पाली गांव में हुआ है। घटना में 15 लोगों के घायल होने की खबर है। घटनास्थल पर फायर और पुलिस की टीमें मौजूद हैं। बताया जा रहा है कि यह एक पुरानी इमारत थी।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्य का नाम और इसकी स्थिति	30-Elect-35-T-2024-25-E3 "एनआरडीएच अस्पताल पुरानी दिल्ली के नए भवन में नवनिर्मित 02 मॉड्यूलर ओटी में लेमिनार एयर फ्लो सिस्टम के साथ एयर कंडीशनिंग सिस्टम से संबंधित विद्युत कार्य।"
निविदा की अनुमानित लागत	रु. 45.85 लाख
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/जी, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली
बयाना राशि	रु. 91700.00
निविदा निवेदन की दिनांक व समय	02.08.2024, 12.00 Hrs.
निविदा खोलने की दिनांक व समय	02.08.2024, 12.00 Hrs.
वेबसाइट व नोटिस बोर्ड	www.ireps.gov.in व वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/जी, नई दिल्ली

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2045/24

गृहमंत्री शाह ने नैनो-उर्वरक सब्सिडी योजना की शुरुआत की

हर जिले में बैंक, दूध से जुड़ा यूनियन होगा

सहकार दिवस पर कार्यक्रम में बताया पूरा प्लान

एजेंसी ▶▶ गांधीनगर

केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि केंद्र ने देश के प्रत्येक जिले में एक सहकारी बैंक और एक दूध उत्पादक संघ बनाने का लक्ष्य रखा है।

उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में ऐसी दो लाख पंचायतों में बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि ऋण समितियां (पीएसीएस या पैक्स) भी स्थापित की जाएंगी, जहां कोई सहकारी संस्था नहीं है।

सहकारिता मंत्रालय ने कई अहम कदम उठाए

शाह ने कहा कि केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय ने कई अहम कदम उठाए हैं। सरकार ने लक्ष्य रखा है कि देश में ऐसा कोई राज्य या जिला न हो, जहां जिला सहकारी बैंक और जिला दुग्ध उत्पादक संघ न हो। आज भी देश में दो लाख पंचायतें ऐसी हैं, जहां कोई सहकारी संस्था नहीं है। हम इन दो लाख पंचायतों में बहुउद्देशीय पैक्स बनाने का काम करेंगे।

किसानों को 50 फीसदी सब्सिडी

गांधीनगर में 102वें अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के मौके पर आयोजन हुआ। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नैनो-उर्वरकों की खरीद के लिए किसानों को 50 फीसदी सब्सिडी वाली केंद्रीय योजना एग्रीकल्चर 2 का शुभारंभ किया।

एफपीओ बनाए गए

गृहमंत्री शाह ने कहा कि केंद्र जल्द ही राष्ट्रीय सहकारिता नीति लाएगा। उन्होंने कहा कि देश में 1,100 नए किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) बनाए गए हैं और एक लाख से अधिक पैक्स ने नए उपनियमों को स्वीकार कर लिया है। अमित शाह ने कहा कि राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) 2,000 करोड़ रुपये के बॉन्ड जारी करने से अधिक सहकारी संस्थाओं के कल्याण के लिए काम कर सकेगा।

2 लाख कृषि ऋण समितियां बनेंगी

शाह ने कहा कि केंद्र ने देश के प्रत्येक जिले में एक सहकारी बैंक और एक दूध उत्पादक संघ बनाने का लक्ष्य रखा है। अगले पांच वर्षों में ऐसी दो लाख पंचायतों में बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि ऋण समितियां भी स्थापित की जाएंगी, जहां कोई सहकारी संस्था नहीं है। शाह ने 102वें अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर आयोजित सहकार से समृद्धि' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नैनो-यूरिया और नैनो डीएपी पर 50 प्रतिशत की सब्सिडी की घोषणा करने के लिए गुजरात सरकार को धन्यवाद दिया।

पहचान के लिए अपील

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक पुरुष जिसका **नामः अज्ञात, पुत्रः अज्ञात, पताः अज्ञात जोकि दिनांक 24.06.2024 पेट्रोल पंप के सामने, बाबा खड़क सिंह मार्ग पर पाया गया उन्हें एलएचएमसी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।।** इस संदर्भ में **DD No. 25A dated 24.06.2024** पुलिस थाना पुलिस थाना,मंडी मार्ग में रिपोर्ट दर्ज है। फोटो साफ नहीं है। नीचे मृत पुरुष की पहचान दी गई हैः

नामः अज्ञात, उम्रः 35 वर्ष, कदः 5'4'', रंगः सांवला , पहनावाः ग्रे लाइन के साथ सफेद टी–शर्ट और काले रंग का हाफ पैंट।।

अगर किसी को इस मृत पुरुष के बारे में कोई जानकारी मिले कृपया नीचे दिए गए नंबर पर संपर्क करें।

थाना प्रभारी
पुलिस थाना, मंडी मार्ग, दिल्ली
फोनः 011-23364100

DP/8525/NDD/2024

लगातार कुलाचें भर रहा शेयर बाजार, अब क्या करें निवेशक

एसआईपी का टारगेट पूरा हो गया है तो पैसा निकालने का सही समय

सेंसेक्स 80,000 के पार पहुंचा, निवेशकों की मिलीजुली प्रतिक्रिया

● एक्सपर्ट बोले, एसआईपी कर रहे हैं घबराएं नहीं, निवेश करते रहें ● बाजार में अगर गिरावट आती है तो और यूनिट खरीदें यानी निवेश बढ़ाएं ● मौजूदा घरेलू मैक्रोज के आधार पर, निवेशक लंबी अवधि का लक्ष्य बनाए ● इक्विटी में एसआईपी जारी रखें, अच्छा मुनाफा देकर जाएगा बाजार

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

इस समय शेयर बाजार अपने रिकॉर्ड हाई पर है। यह लगातार कुलाचें भर रहा है और नित नए रिकॉर्ड बना रहा है। निवेशक हर रोज लाखों रुपये कमा रहे हैं। लगातार बढ़ते बाजार के कारण 4 जुलाई को बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स ने पहली बार 80,000 का स्तर पार कर लिया। 12 दिसंबर 2023 को सेंसेक्स 70 हजार तक पहुंचा था, यानी 7 महीनों से कम समय में इसने 10 हजार अंकों की तेजी दिखाई है। वहीं, 2 साल की बात करें तो सेंसेक्स 53 हजार से 27 हजार अंक बढ़कर 80 हजार के लेवल तक पहुंचा है। कोविड के समय की बात करें तो सेंसेक्स मार्च 2020 में 26,000 के लेवल पर था। तब से अब तक इसमें 54,000 अंकों की तेजी आ चुकी है। अब सवाल यह है कि इक्विटी में इतनी बड़ी रैली रैली आने के बाद इक्विटी म्यूचुअल फंड निवेशकों को क्या करना चाहिए। एसआईपी भुना लें या अभी भी जारी रखें। इस रिपोर्ट हम देंगे ऐसी ही जानकारी जो आपके निवेश की बढ़त बनाए रखेगी।

अवास्तविक नहीं बाजार की तेजी

बाजार के जानकारों का कहना है कि 4 साल पहले देखें तो मार्च 2020 में सेंसेक्स 26,000 के लेवल के आस पास था, जो अब करीब 54,000 अंक बढ़कर 80,000 के पार चला गया है। यह अवास्तविक लगता जरूर है, लेकिन यह सच भी है। यह निवेशकों को भरोसा दिलाता है कि इक्विटी बाजारों ने लंबे समय में अच्छा प्रदर्शन किया है, हमें निवेश करते समय और उसके बाद भी धैर्य और आत्मविश्वास की आवश्यकता है। मौजूदा घरेलू मैक्रोज के आधार पर, निवेशकों को लंबी अवधि का लक्ष्य बनाकर इक्विटी में एसआईपी जारी रखना चाहिए। म्यूचुअल फंड स्ट्रैटेजीज, स्टॉक मार्केट में सीधे निवेश करने से अलग होती है। लंबी अवधि के निवेशक जिनके पास अच्छी तरह से डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो हैं और एसआईपी के जरिए निवेश करते हैं, उन्हें लंबी अवधि तक निवेश को बनाए रखना चाहिए। बंद नहीं करना चाहिए।

बाजार कमजोर हो तो यूनिट खरीदें

बाजार में यह रैली पहली बार नहीं है। रैली और फिर कंसोलिडेशन ये बाजार के नेचर में हैं। इसलिए बाजार भले ही 80,000 के पार चला गया है, आगे भी इसमें तेजी आती रहेगी। इसलिए एसआईपी कर रहे हैं तो बाजार की तेजी से घबराने की बजाय, एसआईपी में बने रहें, बल्कि बाजार में अगर गिरावट आती है तो और यूनिट खरीदें यानी बाजार की गिरावट पर निवेश बढ़ा दें।

अगर गोल पूरे हो गए

अगर आपके फाइनेंशियल गोल पूरे हो गए हैं तो आप इक्विटी से अपना पैसा किसी ज्यादा सुरक्षित विकल्प में शिफ्ट कर सकते हैं। इसे ऐसे समझ सकते हैं कि मान लिया आपने बच्चे के हायर एजुकेशन के लिए एसआईपी शुरू किया था। आपका लक्ष्य इसके जरिए 15 लाख जुटाने का था। अगर आपके एसआईपी की वैल्यू 15 लाख हो गई है या बिल्कुल इसके करीब है, तो आपको बाजार के इस वैल्युएशन पर अपना पैसा किसी सुरक्षित विकल्प में शिफ्ट करने की सलाह दी जाती है। इससे लक्ष्य तक आपको एक भी पैसा नुकसान नहीं होगा। आप अपना पैसा एफडी या डेट विकल्पों में शिफ्ट कर सकते हैं। इससे आपके लक्ष्य पूरे हो जाएंगे और आपका निवेश भी सुरक्षित रहेगा।

पहली बार के निवेशकों के लिए

अगर आप बाजार में नए हैं तो आपको एसेट अलोकेशन स्ट्रैटेजी पर चलना होगा, जहां इक्विटी, डेट और गोल्ड का सही रेश्यो हो। इक्विटी में एक्सपोजर चाहते हैं तो अभी के दौर में लार्जकैप और मल्टी कैप फंड बेहतर विकल्प हैं। एसेट अलोकेशन अपनी उम्र और जोखिम लेने की क्षमता के आधार पर तय कर सकते हैं।

रिस्क क्षमता जांच लें

अगर 21 से 40 साल की उम्र है और रिस्क ले सकते हैं तो इक्विटी में 80 फीसदी और डेट में 20 फीसदी अलोकेट रख सकते हैं। उम्र अगर 40 से 55 साल है तो मॉडरेट रिस्क कैटेगरी में आएंगे। ऐसे में आप इक्विटी और डेट में 60 और 40 फीसदी या 50 और 50 फीसदी रेश्यो तय कर सकते हैं। उम्र 55 साल से ज्यादा है यानी आप रिस्क लेने की क्षमता के आधार पर कन्जर्वेटिव इन्वेस्टर हैं, तो इक्विटी और डेट में एक्सपोजर 40 फीसदी और 60 फीसदी होना चाहिए। इस तरह से निवेश करेंगे तो आपको नुकसान नहीं होगा। अगर इक्विटी नुकसान करेगी तो डेट इसकी भरपाई कर देगा। निवेश करते समय अच्छी रणनीति अपनाएंगे तो नुकसान से बचा जा सकता है। इसलिए सावधानी, धैर्य के साथ रणनीति बनाकर निवेश करें।

स्मॉल कैप में निवेश की क्या होगी सही रणनीति

- इस हाई रिटर्न-हाई रिस्क कैटेगरी में लगा रहे पैसा
- स्मॉल कैप को हाई रिस्क इनवेस्टमेंट माना जाता है
- जोखिम के बावजूद मोटा मुनाफा भी दे जाते हैं ये फंड
- निवेशक चाह कर भी नहीं करते नजरअंदाज
- धैर्य और लंबे समय के लिए निवेश से बढ़िया रिटर्न मिलेगा
- स्मॉल कैप में निवेश के लिए सही रणनीति अपनाएं
- रिस्क को मैनेज करते हुए बेहतर रिटर्न हासिल करें

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

स्मॉल कैप फंड में बढ़िया पैसा देने की क्षमता है। इसलिए ये फंड हाई रिस्क के बावजूद निवेशकों की पहली पसंद बने हुए हैं। निवेशक इन फंडों में निवेश कर लगातार मालामाल हो रहे हैं। बाजार आधारित निवेश से मोटी कमाई करनी हो, तो ऊंचा रिटर्न देने वाले स्मॉल कैप शेयर या स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड का जिक्र आ ही जाता है, लेकिन स्मॉल कैप के साथ हाई रिटर्न के साथ ही साथ हाई रिस्क भी जुड़ जाता है। यानी स्मॉल कैप शेयर या उनमें पैसे डालने वाले स्मॉल कैप फंड्स, निवेश पर मोटा मुनाफा तो दे सकते हैं, लेकिन उनके साथ ज्यादा जोखिम भी जुड़ा होता है। यही वजह है कि आमतौर पर छोटे निवेशकों को स्मॉल कैप से दूरी बनाए रखने या उनमें एक्सपोजर बेहद सीमित रखने की सलाह दी जाती है।

स्मॉल कैप में निवेश का मतलब

स्मॉल कैप में निवेश का मतलब है अपने पैसों को ऐसी छोटी कंपनियों में लगाना, जिनमें आगे चलकर बेहतर रिटर्न देने की क्षमता हो। ये कंपनियां, आकार में छोटी होने के बावजूद, तेजी से बढ़ने की क्षमता रखती हैं। यही बात मुख्य रूप से स्मॉल कैप शेयरों में निवेश करने वाले म्यूचुअल फंड्स के बारे में भी कही जा सकती है। हालांकि स्मॉल कैप में निवेश के साथ एक बड़ा जोखिम भी जुड़ा रहता है, क्योंकि स्मॉल कैप इनवेस्टमेंट काफी अस्थिर माने जाते हैं। यही वजह है कि सिर्फ उन्हीं लोगों को इनमें निवेश की सलाह दी जाती है, जो बाजार में आने वाले भारी उतार-चढ़ाव को हैंडल कर सकते हैं।

असाधारण रिटर्न संभव

असाधारण रिटर्न मिलने की संभावना स्मॉल कैप में निवेश का मुख्य आकर्षण है। उन छोटी कंपनियों में निवेश करना जबरदस्त ढंग से फायदेमंद साबित हो सकता है, जिनके बिजनेस में आगे चलकर नई ऊंचाइयां छूने की संभावना हो। हालांकि इस दौरान उनमें काफी उतार-चढ़ाव भी आ सकते हैं, जिसे झेलना सबके लिए संभव नहीं हो सकता है, लेकिन जो लोग इसे बर्दाश्त करने की क्षमता रखते हैं, वे अच्छा-खासा मुनाफा हासिल कर सकते हैं।

स्मॉल कैप में सफल निवेश की रणनीति

बाजार में निवेश से जुड़ा एक सच यह भी है कि जिन निवेशकों को मार्केट में पैसे लगाकर मोटा मुनाफा कमाना है या मल्टीबैगर की तलाश है, वे स्मॉल कैप को पूरी तरह नजरअंदाज नहीं कर सकते। स्मॉल कैप में निवेश करने वाले अगर सही रणनीति पर अमल करें तो रिस्क को मैनेज करते हुए बेहतर रिटर्न हासिल कर सकते हैं। स्मॉल कैप में निवेश की स्ट्रैटजी को सफल बनाने के लिए इन बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

डायवर्सिफिकेशन पर ध्यान दें
रिस्क को कम करने के लिए अपने पैसों को कई स्मॉल कैप फंडों में बांटकर निवेश करें।

नियमित रूप से निवेश करें
बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव के बीच कॉस्ट एवरेजिंग करने के लिए सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (SIP) के माध्यम से नियमित निवेश करें।

लॉन्ग टर्म नजरिये से निवेश
बाजार की अस्थिरता का मुकाबला करना है, तो आपको अपना इनवेस्टमेंट होराइजन 7 से 10 साल तक रखना चाहिए।

रिसर्च पर ध्यान दें
स्मॉल कैप में निवेश से मुनाफा कमाना है और मल्टी-बैगर स्टॉक्स की पहचान करनी है, तो आपको रिसर्च पर मेहनत करनी पड़ेगी। तभी आप सही समय पर ऐसी कंपनियों की पहचान कर पाएंगे, जो आगे चलकर मोटा मुनाफा देने की संभावना रखती हैं।

धैर्य बनाए रखें
लंबी अवधि में स्मॉल कैप में निवेश के जरिये मुनाफा कमाना है, तो बाजार में आने वाले शॉर्ट टर्म उतार-चढ़ाव के बीच धैर्य बनाए रखना जरूरी है। तभी आप निवेश के सही मौकों का लाभ उठा पाएंगे।

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड का सेलेक्शन

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड में निवेश करना, भविष्य में बड़ा मुनाफा देने की संभावना रखने वाली छोटी कंपनियों में निवेश करने का एक सुरक्षित और अधिक व्यावहारिक तरीका हो सकता है। फंड मैनेजरों के पास अच्छे स्मॉल कैप स्टॉक चुनने और खराब या संदेहजनक मैनेजमेंट वाले स्टॉक से दूर रहने के लिए जरूरी विशेषज्ञता होती है। सही फंड चुनने के लिए फुल मार्केट साइकल के दौरान उसके प्रदर्शन का मूल्यांकन करना और फंड मैनेजर के अनुभव और रणनीति पर विचार करना भी जरूरी है।

फंड के साइज और लिक्विडिटी का महत्व

स्मॉल कैप फंड जैसे-जैसे बड़े होते जाते हैं, फंड मैनेजरों के लिए अपने प्रदर्शन को बनाए रखना अधिक चुनौती भरा काम हो जाता है। कैपिटल का फ्लो बहुत बड़ा हो, तो फंड मैनेजर के लिए स्मॉल कैप कंपनियों के शेयरों की कीमतों पर असर डाले बिना उन्हें खरीदना और बेचना बेहद मुश्किल हो सकता है। इसलिए छोटे या मंझोले आकार के फंड में निवेश करने से ग्रोथ के बेहतर मौके मिल सकते हैं।

निवेश में सोना सबसे 'खरा' लोगों को बना रहा 'धनवान'

छह महीने में 8,400 रुपये तक महंगा हो गया गोल्ड, सोने की कीमत में हाल में काफी तेजी दर्ज की गई है, चीन में मांग बढ़ने, दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों के जमकर खरीदारी की, फेड रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती करने की संभावना से भी कीमत बढ़ी

जानकारी
विनोद कौशिक

कहा जाता है कि सोना सबसे सुरक्षित निवेश है। चाहे इसे आप किसी भी रूप में खरीदें। यह आपको कभी निराश नहीं करेगा। अक्सर निवेशकों खासकर महिलाओं के लिए तो यह और भी खास है। निवेश के मामले में सोना लगातार बढ़िया प्रदर्शन कर रहा है। पिछले छह महीने में तो सोने ने सबसे ज्यदा रिटर्न दिया है। इसके दाम 8,400 रुपये तक बढ़ गए हैं। इसलिए तो कहा जा रहा है कि सोना निवेश के मामले में सबसे 'खरा' उतरा है। इसका कोई तोड़ नहीं है। वहीं जानकारों का कहना है कि इस साल सोने के दाम 77000 से 80000 रुपये प्रति दस ग्राम तक जाने की संभावना है। ऐसे में यह निवेश के लिए बेहतर विकल्प है। सोने ने कभी निवेशकों को धोखा नहीं दिया है। इसलिए आप भी इस पीली धातू में निवेश कर मोटा मुनाफा कमा सकते हैं।

सोने का निफ्टी से बेहतर प्रदर्शन

साल की पहली छमाही खत्म हो चुकी है। इस दौरान सोने ने निफ्टी से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है। सोने ने साल की पहली छमाही में 13.37% रिटर्न दिया है, जबकि निफ्टी में इस दौरान 10.5% तेजी आई है। रुपये के लिहाज से देखें तो इस दौरान एमसीएक्स गोल्ड कॉन्ट्रैक्ट में करीब 8,400 रुपये प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी हुई है। दूसरी ओर देखें तो इस दौरान सेंसेक्स में 2,279 अंकों की बढ़ोतरी हुई है। जुलाई का सोना वायदा 74,777 रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था और अब यह 71,800 करोड़ रुपये के आसपास मंडरा रहा है। मध्य पूर्व में तनाव, चीन में सोने की मांग में तेजी और फेड ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों के कारण सोने की कीमत में तेजी देखने को मिली।

सोने ने छह महीने में दिया 13.37% रिटर्न

पांच साल से बेहतर रिटर्न

पिछले पांच सालों में सोने और निफ्टी के पहली छमाही के प्रदर्शन को देखें तो गोल्ड ने काफी बेहतर रिटर्न दिया।

सोने का रिटर्न: साल 2019 और 2023 के बीच, सोने का रिटर्न चार मौकों पर सकारात्मक रहा है, जिसमें 2020 में सबसे ज्यादा (13.71%) और 2022 में सबसे कम (0.59%) रहा। 2021 में इसने 3.63% का नकारात्मक रिटर्न दिया है।

निफ्टी का रिटर्न : वहीं, इसके विपरीत, निफ्टी ने तीन मौकों (2019, 2021 और 2023) में सकारात्मक रिटर्न दिया है। इस दौरान 2021 की पहली छमाही में इसने 12% से अधिक रिटर्न दिया जो 2019 और 2023 के बीच 5 साल की अवधि में सबसे अधिक है। 2020 में, मार्च में कोविड 19 लॉकडाउन के कारण निफ्टी के स्तर में 15% की गिरावट देखी गई। 2022 की पहली छमाही में निफ्टी में 9% की गिरावट आई।

कहां तक जाएगी कीमत

सोने के प्रदर्शन के बारे में स्वर्ण बाजार के जानकारों का कहना है कि फरवरी और अप्रैल के बीच 18% की तेजी के साथ रेकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद सोना 71,000-72,000 रुपये के आसपास मजबूत हो रहा है। उक्त अवधि में इसमें 12,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी आई है। जानकारों ने कीमतों में स्थिरता के लिए पर्याप्त ट्रिगर्स की कमी को जिम्मेदार ठहराया है। कमजोर बुनियादी बातों और तकनीकी कारणों से अगले 1-2 महीनों में सोना 70,000 रुपये तक पहुंच सकता है। मध्यम से लंबी अवधि का नजरिया अभी भी सकारात्मक है और 2024 की आखिरी तिमाही में पीली धातु नए रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच सकती है। साल के अंत तक यि 75,000 रुपये से 77,000 या 80000 रुपये प्रति 10 ग्राम के लक्ष्य को हासिल कर सकता है। हालांकि अगले एक दो महीने में यह 70,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास रहने की उम्मीद है। इस दौरान निवेश इसे खरीदेंगे जो इसमें अच्छा मुनाफा मिलने के पूरे चांस है।

सोने में निवेश के विकल्प

गोल्ड ईटीएफ

आप शेयरों की तरह भी सोने को खरीद सकते हैं। इस सुविधा को ही गोल्ड ईटीएफ कहते हैं। ये एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड होते हैं। इन्हें स्टॉक एक्सचेंजों पर खरीदा और बेचा जा सकता है। आप इसे गोल्ड की वास्तविक कीमत के करीब खरीद सकते हैं, क्योंकि गोल्ड ईटीएफ का बेंचमार्क स्पॉट गोल्ड की कीमतें हैं। हालांकि आपके पास ट्रेडिंग डीमैट अकाउंट होना जरूरी है।

फिजिकल गोल्ड

आप फिजिकल गोल्ड भी खरीद सकते हैं। फिजिकल गोल्ड जैसे सोने के बिस्किट-सिक्के या ज्वैलरी खरीदना है। हालांकि एक्सपर्ट ज्वैलरी खरीदने को गोल्ड में निवेश का अच्छा विकल्प नहीं मानते हैं। इसकी वजह है कि इसपर आपको मेकिंग चार्ज और जीएसटी देना पड़ता है।

पेमेंट ऐप से करें निवेश यानी डिजिटल गोल्ड

अब आप बेहद आसानी से अपने स्मार्टफोन से भी सोने में निवेश कर सकते हैं। आपको इसके लिए ज्यादा रुपये खर्च करने की भी जरूरत नहीं है। आप अपनी सुविधा के हिसाब से जब चाहें गोल्ड में निवेश कर सकते हैं। गूगल पे, पेटीएम, फोनपे और अमेजन पे जैसे कई प्लेटफार्म उपलब्ध हैं। डिजिटल गोल्ड खरीदने के कई फायदे हैं।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड

सोने में निवेश का एक विकल्प सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड भी है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड एक सरकारी बॉन्ड होता है, जिसे सरकार समय-समय पर जारी करती है। इसका मूल्य रुपये या डॉलर में नहीं होता है, बल्कि सोने के वजन में होता है। अगर बॉन्ड एक ग्राम सोने का है, तो एक ग्राम सोने की जितनी कीमत होगी, उतनी ही बॉन्ड की कीमत होगी। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में इश्यू प्राइस पर हर साल 2.50% का निश्चित ब्याज मिलता है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश के लिए भी डीमैट अकाउंट जरूरी होता है।

बाढ़ में कार डैमेज हो जाए तो क्या मिलता है इंश्योरेंस कवर

अगर आपकी कार बाढ़ में डैमेज हो जाए तो इंश्योरेंस कंपनी को उनके कस्टमर हेल्प नंबर पर संपर्क करके या उनकी वेबसाइट पर जाकर डैमेज कार की जानकारी दें। फिर कंपनी डैमेज का आकलन कर आगे की प्रक्रिया को आगे बढ़ाती हैं।

बीमा की बात
बिजनेस डेस्क

देश के अधिकांश हिस्सों में मॉनसून आ चुका है। कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति है। ऐसे में आप बाढ़ में कार के बहने और डूबने की खबरें देखते हैं। हाल ही में हरिद्वार में एक सूखी नदी में बाढ़ के कारण कई कारें बह गई थी, पहाड़ी इलाकों में कई जगह भूस्खलन के कारण कारों को नुकसान पहुंचा है। लेकिन क्या आपने यह सोचा है कि जब ये कारें बाढ़ में बहकर डैमेज हो जाती हैं तो क्या इस स्थिति में कार इंश्योरेंस कवर मिलता है? जानकारों का कहना है कि बाढ़ से होने वाले नुकसान के लिए कवरेज आपके द्वारा चुनी गई कार बीमा पॉलिसी के प्रकार पर निर्भर करता है। अगर आपने व्यापक कार पॉलिसी चुनी है, तो आप बाढ़ से होने वाले नुकसान या अपने वाहन को होने वाले नुकसान से सुरक्षित रहेंगे। आइए इस रिपोर्ट में हम उन बातों पर चर्चा करते हैं जो आपको अपनी कार के लिए बाढ़ बीमा, व्यापक कार बीमा लाभों और बाढ़ के नुकसान की स्थिति में कार बीमा दावा दायर करने के तरीके के बारे में जानने की ज़रूरत है।

बाढ़ से होने वाले नुकसान के लिए कवरेज की सीमा आपकी पॉलिसी के विशिष्ट विवरण के आधार पर अलग-अलग हो सकती है, इसलिए विस्तृत जानकारी के लिए पॉलिसी दस्तावेज़ों की समीक्षा करना या अपने बीमा प्रदाता से परामर्श करना महत्वपूर्ण है। बाढ़ से होने वाले नुकसान को समझना बेहद जरूरी है। बारिश से होने वाले नुकसान की गंभीरता तभी स्पष्ट होती है जब आप अपने वाहन को मैकेनिक के पास ले जाते हैं। जब वे मरम्मत की लिस्ट देते हैं, तो परिणामस्वरूप वित्तीय भार भारी हो सकता है।

बाढ़ से कार को होने वाले नुकसान

इंजन डैमेज

जब पानी कार के इंजन में चला जाता है, तो इससे कार के आंतरिक हिस्सों को आंशिक या संपूर्ण क्षति हो सकती है। इससे आपकी कार बेकार हो सकती है।

गियरबॉक्स डैमेज

जब पानी गियरबॉक्स में प्रवेश करता है, तो यह उपकरण को खराब कर सकता है या पूरी तरह से बेकार बना सकता है। यह आपकी परेशानी बढ़ाने वाला हो सकता है।

इलेक्ट्रॉनिक फ़ंक्शन

जब बाढ़ के दौरान पानी कार में घुस जाता है, तो इससे इलेक्ट्रॉनिक्स में शॉर्ट सर्किट हो सकता है और डैशबोर्ड अलर्ट लाइट की संभावित विफलता हो सकती है। इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस को पानी बहुत जल्दी और भारी नुकसान पहुंचाता है।

इंटीरियर को नुकसान

पानी के आक्रमण के परिणामस्वरूप इंटीरियर बर्बाद हो सकता है। इसमें कार्पेट, सीटें और दूसरे नरम सामान शामिल हैं। इससे आपकी गाड़ी पूरी रूह बिगड़ सकती है। अगर आप ऐसे क्षेत्र में रहते हैं जहां बाढ़ का खतरा है, तो आपके पास पर्याप्त कार बीमा कवरेज होना चाहिए।

कौन सी कार पॉलिसी बेहतर

व्यापक कार बीमा बाढ़ से संबंधित कवरेज प्रदान करता है। भूकंप और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाएं कभी भी हो सकती हैं और उनकी भविष्यवाणी करना मुश्किल है। इसलिए, अगर आप ऐसे क्षेत्र में रहते हैं जहां बाढ़ का खतरा है, तो आपके पास पर्याप्त कार बीमा कवरेज होना चाहिए। इससे आपको आसानी से डैमेज कार का इंश्योरेंस मिल सकेगा।

कवरेज के निम्न तरीके

इंजन सुरक्षा कवरेज
कार का इंजन बाढ़ के पानी के घुसने से क्षतिग्रस्त हो जाता है। व्यापक बीमा इंजन क्षति को कवर नहीं करता है। हालांकि, यह इंजन की मरम्मत या रिप्लेसमेंट के लिए वित्तीय कवरेज प्रदान करता है। इसलिए बीमा करवाते समय यह ध्यान रखने की बातें हैं।

शून्य मूल्यह्रास कवरेज
कार के पुर्जे समय के साथ घिसाव और टूट-फूट के कारण स्वाभाविक रूप से खराब हो जाते हैं, जिससे वाहन के मूल्य में कमी आती है, जिसे मूल्यह्रास कहा जाता है। क्लेम करते समय, मानक बीमा क्षतिग्रस्त पुर्जों के मूल्यह्रास मूल्य को कवर करता है। हालांकि, शून्य मूल्यह्रास कवरेज के साथ, बीमा मूल्यह्रास को ध्यान में रखे बिना मरम्मत के लिए पूरी राशि का भुगतान करता है, यह सुनिश्चित करता है कि कार की मरम्मत की कुल लागत को कवर किया जाए।

चाबी बदलने का कवर
आधुनिक कार की चाबियां ठीक करना या बदलना जटिल और महंगा है। अगर बाढ़ के चलते आपकी कार की चाबी या लॉकसेट डैमेज हो जाता है, तो यह कवरेज लॉकसेट को बदलने या मरम्मत करने की लागत को कवर करेगा।

उपभोज्य कवर
बेस प्लान लुब्रिकेंट, गियरबॉक्स और इंजन ऑयल, नट और बोल्ट, ग्रीस इत्यादि जैसी उपभोग्य वस्तुओं को बदलने के खर्च को कवर नहीं करता है। हालांकि, इस ऐड-ऑन के साथ, आप किसी दुर्घटना या प्राकृतिक आपदा, जैसे बाढ़ के बाद होने वाले उपभोग्य खर्चों के लिए कवर किए जाते हैं।

खबर संक्षेप

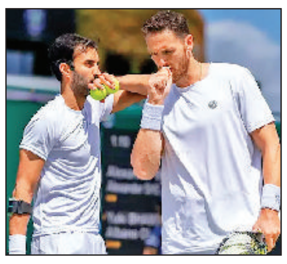

भांबरी-ओलिवेटी की जोड़ी बाहर

लंदन। भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के उनके जोड़ीदार अल्बानो ओलिवेटी जर्मनी के केविन क्राविएट्ज़ और टिम पुएट्ज़ से तीन सेटों में हारने के बाद विंबलडन टेनिस चैंपियनशिप के पुरुष युगल के दूसरे दौर से बाहर हो गए। भांबरी और ओलिवेटी की जोड़ी ने अच्छी शुरुआत की और पहला सेट जीतकर बढ़त बनाई लेकिन इसके बाद वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए और आठवीं वरीयता प्राप्त जर्मन जोड़ी से 2 घंटे 5 मिनट तक चले मैच में 6-4, 4-6, 3-6 से हार गए।

द.अफ्रीका-भारत का दूसरा टी-20 मैच आज

चेन्नई। भारतीय महिला टीम को पहले मैच में 12 रन से हार मिली थी। रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला का दूसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला जाएगा।भारत को शुक्रवार को हुए पहले मैच में कैच छूटने और बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन का खामियाजा भुगतना पड़ा जिससे टीम दक्षिण अफ्रीका के चार विकेट पर 189 रन के जवाब में 20 ओवर में चार विकेट पर 177 रन ही बना सकी। इससे पहले अफ्रीका को वनडे श्रृंखला में 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था जबकि एकमात्र टेस्ट में 10 विकेट से शिकस्त मिली थी।

विंबलडनः तेंदुलकर का खड़े होकर अभिवादन

लंदन। चैंपियन क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर का शनिवार को दोपहर में यहां पहुंचने पर विंबलडन सेंटर कोर्ट पर दर्शकों ने खड़े होकर अभिवादन किया। बादामी रंग का सूट पहने तेंदुलकर ने हाथ हिलाकर सभी के अभिवादन का जवाब दिया। विंबलडन ने एक्स पर डाले वीडियो के साथ लिखा, 'सेंटर कोर्ट पर फिर आपका स्वागत है सचिन।' सेंटर कोर्ट पर प्रस्तोता ने भी तेंदुलकर का स्वागत करते हुए कहा, 'हमारे बीच भारत के महान क्रिकेटर, विश्व कप विजेता और क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले लीजैंड हैं। सचिन तेंदुलकर का स्वागत कीजिए।' इंग्लैंड के टेस्ट और सीमित ओवरों के कप्तान बेन स्टोक्स और जोस बटलर के साथ पूर्व कप्तान जो रूट भी रॉयल बॉक्स में बैठे थे।

जॉब

☞ सुनहरा अवसर सरकारी नौकरी, भारतीय वनविभाग द्वारा निकाली पक्की सीधी भर्ती परमानेंट बेसेस पर, (10008) पद-फॉरेस्टगार्ड, क्लर्क, वनपाल, चपरासी, पदों पर (10वीं-12वीं) पास लड़के लड़कियां आवेदन करे। सैलरी-(28600-35600) कॉल/व्हाट्सएप करे-8274989318

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

रोनाल्डो का सपना टूटा, पुर्तगाल बाहर
फ्रांस-स्पेन में होगी सेमीफाइनल की जंग

एजेंसी ▸▸| हैम्बर्ग

फ्रांस ने पुर्तगाल को पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से हराकर यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बनाई। फ्रांस सेमीफाइनल में स्पेन से भिड़ेगा जिसने एक अन्य क्वार्टर फाइनल मैच में मेजबान जर्मनी को हराया। क्रिस्टियानो रोनाल्डो का खिताब के साथ टूर्नामेंट से विदाई लेने का सपना हार के साथ टूट गया।

इस मुकाबले को रोनाल्डो बनाम काइलियन एमबापे के बीच जंग के रूप में देखा जा रहा था लेकिन आखिर में फ्रांसीसी खिलाड़ी अपने आदर्श फुटबॉलर पर भारी पड़ा। दोनों टीम ने एक दूसरे को कड़ी चुनौती दी लेकिन अतिरिक्त समय तक भी कोई टीम गोल नहीं कर पाई। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया जिसमें पुर्तगाल के जोआओ फेलिक्स का शॉट गोल पोस्ट से टकरा गया। इसके बाद थियो हर्नांडेज़ ने निर्णायक किक को गोल में बदलकर फ्रांस को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया।

रोनाल्डो का संन्यास

पुर्तगाल की इस हार से 39 वर्षीय रोनाल्डो ने यूरोपीय चैंपियनशिप से भी विदा ली। वह पहले ही घोषणा कर चुके थे कि वह आखिरी बार इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं। रोनाल्डो ने रिकॉर्ड छह बार यूरोपीय चैंपियनशिप में हिस्सा लिया।

स्पेन ने मेजबान जर्मनी को हराया

स्टुटगार्ट। माइकल मेरिनो के अतिरिक्त समय के अंतिम क्षणों में किए गए गोल की मदद से स्पेन ने रोमांचक क्वार्टर फाइनल में मेजबान जर्मनी को 2-1 से पराजित करके यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दोनों टीम निर्धारित समय तक 1-1 से बराबरी पर थी। जब मैच पेनल्टी शूटआउट की तरफ बढ़ रहा था तब स्थानापन्न खिलाड़ी मेरिनो ने 119वें मिनट में गोल करके अपनी टीम को यादगार जीत दिलाई। मेरिनो ने गोल करने के बाद कॉर्नर फ्लैग के पास उसी तरह से जश्न मनाया जैसे उनके पिता मिगुएल मेरिनो ने 1991 में यूएफा कप में इसी स्टेडियम में खेले गए मैच में ओसासुना की तरफ से स्टुटगार्ट के खिलाफ गोल करने के बाद मनाया था।

क्रिकेट : आठ साल में जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत की पहली हार

भारत की युवा टीम को पहले टी20 में मिली हार, 13 रन से जीता जिम्बाब्वे

एजेंसी ▸▸| हरारे

शुभमन गिल की अगुआई वाली युवा भारतीय टीम बल्लेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के कारण शनिवार को यहां पांच मैच की श्रृंखला के पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में कम अनुभवी जिम्बाब्वे से 13 रन से पराजित हो गई। लेग स्पिनर रवि बिश्नोई की अगुआई में भारतीय गेंदबाजों ने जिम्बाब्वे को नौ विकेट पर 115 रन पर रोक दिया। पर उछाल भरी पिच पर भारतीय बल्लेबाजों को काफी मुश्किल आई जिसने पावरप्ले में चार विकेट गंवा दिए और पूरी टीम 19.5 ओवर में 102 रन पर सिमट गई। हाल में टी20 विश्व कप जीतने वाले भारत ने इस दौरे पर युवा खिलाड़ियों को उतारा था और उनके आसानी से जिम्बाब्वे पर जीत की उम्मीद थी। लेकिन जिम्बाब्वे ने तेज गेंदबाज टेंडाई चतारा और कप्तान सिंकदर रजा की बदौलत भारत को हराकर उलटफेर कर दिया। यह 2024 में भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय में पहली हार थी। यह आठ साल में जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत की पहली हार भी है।

अभिषेक, रियान, ध्रुव ने किया पदार्पण

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टीम में तीन नए चेहरों को शामिल किया है जिसमे अभिषेक शर्मा, रियान पराग और ध्रुव जुरेल शामिल हैं। अभिषेक और रियान ने जहां भारत के लिए पदार्पण किया है, वहीं जुरेल टीम के लिए पहली बार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने उतरे हैं। दिलचस्प बात यह है कि रियान को भारतीय टीम की कैप उनके पिता ने सौंपी।

अभिषेक पर्दापण मैच में शून्य पर आउट होने वाले चौथे भारतीय

स्कोर बोर्ड

जिम्बाब्वे	रन	गेंद	4	6
वेसली मेडेवेरे बो बिश्नोई	21	22	3	0
इनोसेंट केइया बो मुकेश	00	01	0	0
ब्रायन बेनेट बो बिश्नोई	22	15	5	0
रजा का बिश्नोई बो आवेश	17	19	1	1
मायर्स का और बो सुंदर	23	22	2	0
जोनाथन कैंपबेल रन आउट	00	01	0	0
क्लाइव मडांडे नाबाद	29	25	4	0
मसाकाजा स्ट जुरेल बो सुंदर	00	01	0	0
जोंगवी पगबाधा बो बिश्नोई	01	03	0	0
ब्लेसिंग मुजाराबानी बो बिश्नोई	00	02	0	0
टेंडाइ छटारा नाबाद	00	09	0	0

अतिरिक्त : 02, कुल : 20 ओवर में 115/9
गेंदबाजी : खलील 3-0-28-0, मुकेश 3-0-16-1, बिश्नोई 4-2-13-4, अभिषेक 2-0-17-0, आवेश 4-0-29-1, सुंदर 4-0-11-2.

भारत	रन	गेंद	4	6
अभिषेक का मसाकाजा बो बेनेट	00	04	0	0
शुभमन गिल बो रजा	31	29	5	0
गायकवाड़ का केइया बो मुजाराबानी	07	09	1	0
रियान पराग का मावुता बो छटारा	02	03	0	0
रिंकू सिंह का बेनेट बो छटारा	00	02	0	0
ध्रुव जुरेल का मेडेवेरे बो जोंगवी	06	14	1	0
सुंदर का मुजाराबानी बो छटारा	27	34	1	1
रवि बिश्नोई पगबाधा बो रजा	09	08	2	0
आवेश का रजा बो मसाकाजा	16	12	3	0
मुकेश कुमार बो रजा	00	03	0	0
खलील अहमद नाबाद	00	01	0	0

अतिरिक्त : 04, कुल : 19.5 ओवर में 102/10
गेंदबाजी : बेनेट 1-1-0-1, मसाकाजा 3-0-15-1, छटारा 3.5-1-16-3, मुजाराबानी 4-0-17-1, जोंगवी 4-0-28-1, रजा 4-0-25-3.

भारत की 23 सदस्यीय महिला टीम की घोषणा

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने शनिवार को म्यांमा के खिलाफ यांगून में नौ और 12 जुलाई को होने वाले दो मैत्री मैचों के लिए 23 सदस्यीय सीनियर महिला टीम की घोषणा की।

मुख्य कोच चाओबा देवी ने कहा, 'टीम में सीनियर और जूनियर खिलाड़ियों का मिश्रण है। मैं टीम के संयोजन से संतुष्ट हूं। पिछले महीने उज्बेकिस्तान के साथ खेलने के बाद हमने 10 दिन अंदर अपना राष्ट्रीय शिविर शुरू कर दिया।'

भारतीय टीम

गोलकीपरः श्रेया हुड्डा, एलंगबाम पंथोई चानू, मैबाम लिनथोइंगम्बी देवी।
डिफेंडर : लोइटोंगबाम आशालता देवी, हेमम शिल्की देवी, संजू, वांगखेम लिनथोइंगम्बी देवी, अरुणा बाग। **मिडफील्डरः** नाओरेम प्रियंगका देवी, संगीता बसफोर, कार्तिका अंगमुथु, नेहा, नोंगमाईथेम रतनबाला देवी, मौसमी मुर्मू।
फॉरवर्ड : काजोल ह्यूबर्ट डिसूजा, अंजू तमांग, सौम्या गुगुलोथ, संध्या रंगनाथन, करिश्मा पुरुषोत्तम शिरवोइकर, लिंडा कोम सेर्टो, प्यारी खाका, ज्योति, रिम्पा हलधर।

अभय एशियाई टूर्नामेंट में दो स्वर्ण की दौड़ में शामिल

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के पदक विजेता अभय सिंह शनिवार को मलेशिया के जोहोर में एशियाई डबल्स स्क्वाश चैंपियनशिप में पुरुष युगल और मिश्रित स्पर्धा के फाइनल में पहुंच गए। शीर्ष वरीय अभय और वेलावन सेंथिलकुमार ने जापान के टोमोटाका एंडो और नाओकी हयाशी की जोड़ी पर 23 मिनट में 11-9, 11-2 से शानदार जीत से पुरुष युगल खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया जिसमें उनकी भिड़ंत मलेशिया के दूसरे वरीय ओंग साई हंग और स्याफिक कमाल की जोड़ी से होगी।

बड़ा उलटफेर

राजावत ने वर्ल्ड नंबर-4 एंडर्स एंटोनसेन को रौंदा

एजेंसी ▸▸| कैलगरी

भारत के उदीयमान खिलाड़ी प्रियांशु राजावत ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शीर्ष वरीय और दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन को हराकर कनाडा ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

विश्व में 39वें नंबर के खिलाड़ी राजावत ने शुक्रवार रात एक घंटे 19 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मैच में एंटोनसेन को 21-11, 17-21, 21-19 से हराया। त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय महिला युगल जोड़ी हालांकि क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई। यह तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी चीनी ताइपे के पेई शान हसीह और एन-त्जु हंग से 18-21, 21-19, 16-21 से हार गई।

राजावत ने एंटोनसेन को हराकर अपने कॅरियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। यह पहला अवसर है जबकि इस 22 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने शीर्ष 10 में शामिल किसी खिलाड़ी को हराया। राजावत दूसरी बार विश्व टूर सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं जहां उनका सामना फ्रांस के अलेक्स लेनियर से होगा।

डायमंड लीग में चुनौती देंगे साबले और जेना

पेरिस। भारत के शीर्ष स्टीपलचेस एथलीट अविनाश साबले और भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना रविवार को एक दिवसीय डायमंड लीग के पेरिस चरण में अपनी ओलंपिक तैयारियों को बेहतर करने की उम्मीद करेंगे। मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने पिछले कुछ समय से परेशान कर रही जांघ की समस्या के कारण इसमें हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है। साबले और जेना दोनों ही फॉर्म में नहीं हैं और उन्होंने ओलंपिक से पहले ज्यादा प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं लिया है। पर अब वे पेरिस की परिस्थितियों के अनुकूल ढलने की कोशिश करेंगे।

विनेश फोगाट ने स्पेन ग्रां प्री का स्वर्ण पदक जीता

मैड्रिड। पेरिस ओलंपिक जाने वाली भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने शनिवार को यहां स्पेन ग्रां प्री में महिलाओं के 50 किलोवर्ग का स्वर्ण पदक जीता। दो बार की विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता विनेश ने फाइनल में मारिया तियुमेरेकोवा को 10-5 से हराकर पहला स्थान हासिल किया। पूर्व में रूस की खिलाड़ी रही मारिया अब तटस्थ खिलाड़ी के तौर पर खेलती है। बुधवार को ऐन मौके पर शेंगेन वीजा पाने वाली विनेश ने तीन मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनाई। विनेश ने पहले क्यूबा की युस्नेलिस गुजमैन को 12-4 से हराया। इसके बाद कनाडा की मेडिसन पार्क्स को चित किया और सेमीफाइनल में कनाडा की ही कैटी डचाक को 9-4 से मात दी। विनेश इसके बाद 20 दिन की ट्रेनिंग के लिये फ्रांस जाएगी।

सुपरबेट क्लासिक टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले का टाइब्रेकर में हुआ फैसला

प्रज्ञानानंदा और गुकेश हारे कारुआना ने जीता खिताब

एजेंसी ▸▸| बुखारेस्ट

भारत के आर प्रज्ञानानंदा और डी गुकेश को चार खिलाड़ियों के बीच खेले गए टाइब्रेकर में हार का सामना करना पड़ा जिसमें दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी फैबियानो कारुआना ने तीनों रैपिड गेम जीतकर सुपरबेट क्लासिक में अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया।

कारुआना क्लासिकल प्रारूप में नीदरलैंड के अनीश गिरी से हार गए, जिससे मुकाबला रोचक बन गया क्योंकि गुकेश, प्रज्ञानानंदा और फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा सभी उनकी बराबरी पर पहुंच गए। प्रज्ञाननंदा मुख्य बाजी में अलीरेजा के सामने एक समय बेहद मुश्किल स्थिति में फंसे हुए थे। यदि फ्रांसीसी खिलाड़ी क्लासिकल दौर की इस बाजी को जीत जाता तो फिर वह कारुआना से आगे निकल जाते और विजेता का फैसला करने के लिए टाइब्रेकर की जरूरत नहीं पड़ती। लेकिन कारुआना हार गए, जबकि गुकेश और प्रज्ञाननंदा ने अपनी अपनी बाजियां ड्रॉ खेली जिससे विजेता का फैसला करने के लिए चार खिलाड़ियों के बीच टाइब्रेकर की स्थिति बन गई।

कारुआना ने दिखाया कि आखिर उन्हें क्यों टाइब्रेकर का मास्टर कहा जाता है। उन्होंने साबित कर दिया कि वे युवा पीढ़ी से बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। अमेरिका के इस खिलाड़ी ने टाइब्रेकर में अपने तीनों प्रतिद्वंदियों गुकेश, प्रज्ञाननंदा और अलीरेजा को हराकर 68500 अमेरिकी डॉलर का पहला पुरस्कार जीता।

टी20 विश्व कप के बाद मुख्य कोच का कार्यकाल समाप्त

टीम में लगातार बदलाव करना पसंद नहीं था : द्रविड़

एजेंसी ▸▸| मुंबई

राहुल द्रविड़ ने कहा कि भारतीय टीम के मुख्य कोच के अपने कार्यकाल के दौरान उन्हें टीम में बहुत अधिक काट छांट और बदलाव करना पसंद नहीं था और उन्होंने हमेशा कप्तान रोहित शर्मा के सहायक की भूमिका निभाई ताकि वह अपनी रणनीति के अनुसार चल सके।

भारत के टी20 विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका पर जीत के साथ ही द्रविड़ का मुख्य कोच का कार्यकाल भी समाप्त हो गया।

द्रविड़ ने बीसीसीआई द्वारा जारी किए गए वीडियो में कहा, 'मैं वास्तव में ऐसा व्यक्ति हूं जिसे निरंतरता पसंद है। मुझे बहुत अधिक काट छांट और बदलाव करना पसंद नहीं है। क्योंकि मेरा मानना है कि इससे बहुत अस्थिरता पैदा होती है और बहुत अच्छा माहौल नहीं बनता। मुझे लगता है कि मैं उस टीम का हिस्सा हूं जिसकी जिम्मेदारी सही पेशेवर, सुरक्षित, संरक्षित वातावरण बनाना है जिसमें वास्तव में असफलता का डर न हो, लेकिन लोगों को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त चुनौतियां हों। यह हमेशा मेरा प्रयास रहा है।' द्रविड़ ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद जब खिलाड़ी बाहर आए तो वह मुश्किल दौर था तथा उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उन्हें आधा दर्जन कप्तानों के साथ काम करना पड़ेगा।

युवाओं को दिया मौका

द्रविड़ के कोच रहते हुए भारत ने इंग्लैंड को पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में हराया और टीम वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंची। उन्होंने कहा, 'कोविड की पाबंदियां हटने के बाद सकारात्मक बात यह रही कि हमने काफी क्रिकेट खेली। पिछले ढाई वर्षों में हमने विशेषकर सीमित ओवरों की क्रिकेट में कई युवा खिलाड़ियों को मौका दिया। पिछले कुछ समय में हमने टेस्ट क्रिकेट में भी कुछ युवा खिलाड़ियों को अवसर दिया।' द्रविड़ कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को लंबे समय से जानते हैं। जब वह अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर थे तब इन दोनों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था।

सियाचिन ग्लेशियर में बचाई थी जवानों की जान

कैप्टन अंशुमन ने कहा था 'मैं सामान्य मौत नहीं मरूंगा'

नई दिल्ली। कैप्टन अंशुमान सिंह के मरणोपरांत उनकी पत्नी स्मृति और मां मंजू सिंह ने कीर्ति चक्र राष्ट्रपति से लिया।

> कैप्टन अंशुमन सिंह ने अपनी बहादुरी से न सिर्फ अपने साथियों की जान बचाई, बल्कि जीवन रक्षक दवाइयों और उपकरणों को बचाते हुए शहीद हो गए।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सेना के जवान और अधिकारी ही देश के लिए जज्बा और बहादुरी नहीं दिखाते, बल्कि उनके माता-पिता, पत्नी और बच्चे भी हर अग्निपरीक्षा में उनके साथ रहते हैं। हर दर्द बराबरी से सहते हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सैन्य बलों, अर्धसैनिक बलों व पुलिस कर्मियों को कीर्ति चक्र और शौर्य चक्र से सम्मानित किया। उनकी बहादुरी के लिए मरणोपरांत प्रदान किया गया।

स्मृति सिंह ने अपने पति को याद करते हुए कहा, वह मुझसे कहते थे। मैं अपने सीने पर पीतल रखकर मरूंगा, मैं सामान्य मौत नहीं मरूंगा इसी दौरान पंजाब रेजिमेंट की 26वीं बटालियन के आर्मी मेडिकल कोर के कैप्टन अंशुमन सिंह को मरणोपरांत कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया।

कैप्टन अंशुमन सिंह की पत्नी भावुक नजर आईं

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तो कैप्टन अंशुमन सिंह की पत्नी को देखकर एक मां की तरह भावुक नजर आईं। वह उनके कंधे पर हाथ रखकर सांत्वना और लाड जताती नजर आईं। इस दृश्य को देखकर सभी नम आंखों से ताली बजाने लगे। राजनाथ सिंह से लेकर किरेन रिजिजू तक तालियां बजाते नजर आए। मगर पीएम मोदी उस समय तक भावुक नजर आने लगे। वह इन दोनों को देख भी नहीं पा रहे थे। कैप्टन अंशुमन सिंह की पत्नी स्मृति और मां मंजू सिंह ने कीर्ति चक्र राष्ट्रपति से अपने हाथ में लिया तो दोनों के चेहरे पर कुछ सेकंड के लिए अपने पति और बेटे के लिए गर्व के भाव भी नजर आए।

पांच माह पहले हुई थी शादी

पांच माह पहले स्मृति सिंह की शादी कैप्टन अंशुमन से हुई थी। इतनी छोटी सी उम्र में स्मृति सिंह ने देश के लिए अपने पति को खो दिया। फिर भी वह खुद को संभाले हुए रहीं। अपने पति के मान-सम्मान और बहादुरी के सम्मान के लिए वह अपने आंसुओं को हिमालय जैसी बड़ी इच्छाशक्ति से रोक रहीं।

ऐसे शहीद हुए थे कैप्टन सिंह

कैप्टन अंशुमन सिंह देवरिया के रहने वाले थे। 19 जुलाई को 17 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित सियाचिन ग्लेशियर में वह शहीद हो गए। ऑपरेशन मेघदूत के अंतर्गत सियाचिन ग्लेशियर में चिकित्सा अधिकारी के रूप में वह तैनात थे। 19 जुलाई 2023 को सियाचिन ग्लेशियर के चंदन ड्रॉपिंग जोन में हुई भीषण अग्नि दुर्घटना के दौरान नजदीकी फाइबर ग्लास हट में फंसे लोगों को देखकर वह खुद को रोक नहीं सके और उन्हें बचाने की मदद की। जबकि वह एक चिकित्सा अधिकारी थे। मगर उन्होंने अपने साथियों की जान बचाने के लिए अपनी जान की परवाह नहीं की। इसी दौरान मेडिकल इन्वेस्टिगेशन शेल्टर में आग लगता देख वह उसमें कूद पड़े ताकि जीवन रक्षक दवाइयों और उपकरणों को बचाया जा सके। तेज हवा के कारण पूरे शेल्टर को आग ने अपनी चपेट में ले लिया और वह देश के लिए शहीद हो गए। कैप्टन अंशुमन सिंह के अदम्य साहस और देशभक्ति को देखते हुए मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया।

एलएसी विवाद के बीच बढ़ेगी सेना की ताकत

पूरे हुए 'जोरावर' टैंक के शुरुआती परीक्षण, वर्ष 2027 तक सेना के बेड़े में शामिल होगा यह स्वदेशी टैंक

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पूर्वी लद्दाख में बीते करीब चार साल से अधिक समय से एलएसी पर जारी विवाद के बीच रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और निजी क्षेत्र की कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने देश के पहले स्वदेशी हल्के टैंक 'जोरावर' के शुरुआती आंतरिक परीक्षण (ट्रैक ट्रायल) पूरे कर लिए हैं। रक्षा सूत्रों ने बताया कि टैंक ने एल-एंड-टी के गुजरात के हजीरा स्थित भारी अभियांत्रिकी प्लांट में यह परीक्षण पूरे किए हैं। इसके बाद अब यह सेना के साथ रेगिस्तान में परीक्षण करेगा और उसके बाद अत्यधिक ऊंचाई वाले लद्दाख जैसे इलाकों में बेहद चुनौतीपूर्ण मौसम के दौरान भी इसकी युद्धक क्षमता को व्यापक आधार पर जांचा-परखा जाएगा। इन परीक्षणों के दौरान अगर यह सेना द्वारा तय किए गए हर पैमाने पर खरा उतरता है तो जोरावर को वर्ष 2027 तक भारतीय सेना में शामिल किया जा सकता है। सेना ने 59 टैंकों का शुरुआती ऑर्डर दिया है। मीडिया से बातचीत में डीआरडीओ अध्यक्ष डॉ. समीर.वी कामत ने कहा कि यूजर ट्रायल में सर्दियों और ऊंचाई से जुड़े कई परीक्षण होते हैं। इसमें लगभग डेढ़-दो साल का समय लग सकता है। जिसके बाद इनकी खरीद प्रक्रिया शुरू होगी। मुझे विश्वास है कि पहला टैंक वर्ष 2027 तक बनकर तैयार हो जाएगा।

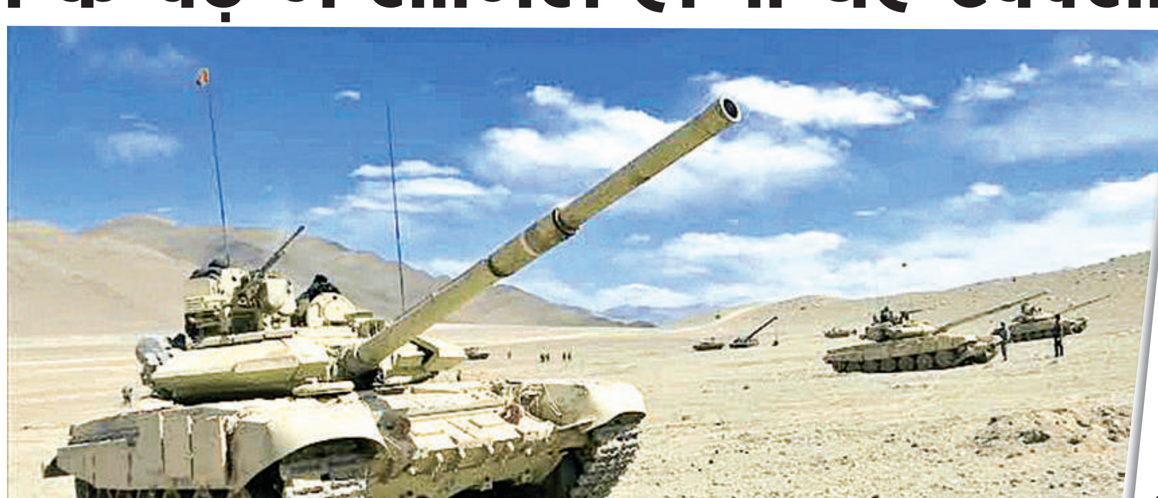

डोगरा जनरल के नाम पर हुआ नामकरण

इस टैंक का नामकरण 19वीं शताब्दी के एक डोगरा जनरल जोरावर सिंह के नाम पर किया गया है। जो कि मूल रूप से लद्दाख और पश्चिमी तिब्बत में सैन्य अभियानों की अगुवाई करते थे। उक्त शुरुआती परीक्षण टैंक में कुछ सुधारों के बाद किए गए हैं। जोरावर देश का पहला ऐसा टैंक है जिसे डिजाइन और मंजूरी के बाद परीक्षण के लिए रिकॉर्ड दो वर्ष के समय में तैयार किया गया है। उधर, सैन्य जानकारों का मानना है कि सीमाओं पर जारी विवाद के मध्य जोरावर टैंक को लेकर जारी प्रगति और इसके सेना में शामिल होने से उसकी रणनीतिक क्षमता में काफी बढ़ोतरी होगी। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इसके परीक्षण का एक वीडियो भी साझा किया गया है।

सेना को चाहिए 350 हल्के टैंक

सूत्रों ने बताया कि इस टैंक का विकास भारतीय सेना की 'जोरावर परियोजना' के जरिए की गई है। इसका उद्देश्य स्वदेशी हल्के टैंक की मदद से अत्यधिक ऊंचाई वाले इलाकों में जरूरत पड़ने पर सेना की तैनाती को आसान बनाना है। सेना जोरावर जैसे कुल 350 टैंकों की खरीद करना चाहती है। जिनका अधिकतम वजन 25 टन है। लेकिन उनकी मारक क्षमता बल के बेड़े में शामिल पुराने टैंकों की तरह ही है। जोरावर एक जल थल पर तैनाती में सक्षम टैंक है। इसलिए इसे एलएसी के पैंगोंग झील के इलाके में भी आसानी से तैनात किया जा सकेगा। रूस-यूक्रेन संघर्ष को देखते हुए सेना चाहती है कि जोरावर को कृत्रिम मेधा (एआई) और सुनियोजित निगरानी ड्रोन, लॉइट्रिंग म्यूनिशन से लैस किया जाए। जिससे इसके पास परिस्थिति के हिसाब से उच्च-स्तर की जागरूकता आ सके और ये सभी मौसम में एक सतर्क सैन्य सिस्टम की तरह काम कर सके।

चार साल पहले शुरू हुई कवायद

लार्सन एंड टुब्रो ने 2021 में इस हल्के टैंक के डिजाइन और विकास के लिए सहमति प्रदान की थी। इसके साथ कंपनी ने डीआरडीओ को टैंक के संयुक्त विकास के लिए एक प्रस्ताव भेजा था। जिससे सेना की तमाम जरूरतों को पूरा किया जा सके। केंद्र सरकार ने 2022 में पहाड़ी युद्ध के लिए एक हल्के टैंक के विकास के लिए सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान की थी। पूर्वी लद्दाख में मौजूदा विवाद की स्थिति में सेना ने टी-90, टी-72 टैंक तैनात किए हैं। जोरावर टैंक को विमान रोधी और जमीनी भूमिकाओं वाले हथियारों से लैस किया जाएगा। इसके जरिए सेना लंबी दूरी पर मौजूद दुश्मन के ठिकानों को नेस्तनाबूद कर सकती है। इसके अलावा थर्मल नाइट विजन से रात में लड़ने की क्षमता और स्टेल्थ फीचर की भी इसे आवश्यकता है। ये वो तमाम खूबियां हैं जिनके जरिए दृश्यगत, ऑडियो, थर्मल और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सिग्नेचर पहचाने जा सकते हैं।

ईरान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पजशकियान को पीएम मोदी ने दी बधाई

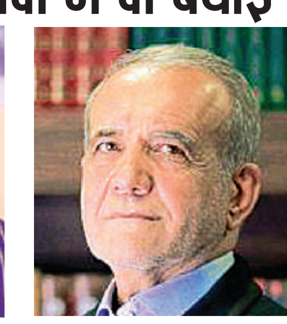

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मसूद पजशाकियान को राष्ट्रपति बनने पर बधाई दी। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि इस्लामी गणतंत्र ईरान के राष्ट्रपति के रूप में आपके चुनाव पर बधाई। हमारे लोगों, क्षेत्र के लाभ के लिए मधुर व दीर्घकालिक द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए आपके साथ काम करने की आशा है। गौरतलब है कि ईरान के पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की इसी साल 19 मई को एक हेलिकॉप्टर हादसे में हुई मौत के बाद हुए चुनाव में पजशाकियान ने कट्टरपंथी नेता सईद जलीली को 30 लाख मतों से हराकर यह जीत दर्ज की है।

नई लेबर सरकार में नंदी संस्कृति मीडिया, खेल राज्यमंत्री

ब्रिटेन की सरकार में मंत्री बनीं भारतीय मूल की लिसा नंदी

एजेंसी ▶▶ लंदन

ब्रिटेन में चुनाव नतीजों में ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी को करारी हार मिली है। लेबर पार्टी 14 साल बाद फिर से सत्ता में लौटी है। कीर स्टार्मर देश के नए प्रधानमंत्री बने हैं। स्टार्मर की नई कैबिनेट में भारतीय मूल की लिसा नंदी भी शामिल हैं। इस चुनाव में कुल 29 भारतवंशी सांसद चुनकर आए हैं।

44 वर्षीय नंदी को नई लेबर सरकार में संस्कृति, मीडिया और खेल राज्य मंत्री बनाया गया है। वे विगन से सांसद के रूप में चुनी गईं हैं। लिसा नंदी विगन संसदीय सीट से लेबर पार्टी के उम्मीदवार के रूप में पांचवीं बार चुनी गई हैं। नंदी का जन्म मैनचेस्टर में लुइस और दीपक नंदी के घर हुआ था। कोलकाता में जन्मे लिसा नंदी के पिता दीपक नंदी भारतीय मूल के एक्टिविस्ट और शिक्षाविद थे। लिसा नंदी ने पारस वुड हाई स्कूल और होली क्रॉस कॉलेज में शिक्षा प्राप्त की। उसके बाद नंदी ने न्यूकैसल विश्वविद्यालय में राजनीति की पढ़ाई की। न्यूकैसल विश्वविद्यालय में अपनी पहली डिग्री लेने के बाद उन्होंने 2003 में लंदन विश्वविद्यालय के बर्कबेक कॉलेज में सार्वजनिक नीति का अध्ययन किया। पढ़ाई के बाद उन्होंने वाल्थमस्टो के सांसद नील गेरार्ड के सहायक के रूप में काम किया। गेरार्ड बेघरों के लिए काम करने वाली चैरिटी सेंटरपॉइंट के लिए शोधकर्ता थे। लिसा की शादी एंडी कोलिस के साथ हुई है जो एक पीआर कंसल्टेंट हैं।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने सपत्नीक मैंगोस्टीन का पौधा रोपा

तिरुवनंतपुरम। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पत्नी सुदेश धनखड़ के साथ शनिवार को तिरुवनंतपुरम में भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान के परिसर में मैंगोस्टीन का पौधा रोपते हुए।

ब्रिटेन : नए विदेश मंत्री डेविड लैमी को जयशंकर ने दी बधाई, बताया दोस्त

लंदन। ब्रिटेन में नई सरकार का गठन हो चुका है। ऋषि सुनक की जगह नए प्रधानमंत्री बने कीर स्टार्मर ने डेविड लैमी को विदेश मंत्री बनाया है।

मंत्री जयशंकर ने लैमी को ब्रिटेन का विदेश मंत्री बनाए जाने पर बधाई दी। दिलचस्प बात यह है कि डेविड लैमी, भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर को अपना दोस्त बताते हैं। इतना ही नहीं, वह भारत के साथ मजबूत द्विपक्षीय संबंधों के पैरोकार भी हैं। इसकी बानगी पिछले हफ्ते लंदन में 'इंडिया ग्लोबल फोरम' में देखने को मिली थी जब लैमी ने कहा था कि यदि चुनावों में लेबर पार्टी सत्ता में आती है तो वह अपने कार्यकाल के पहले महीने के भीतर भारत का दौरा करने का इरादा रखते हैं। जयशंकर ने 'एक्स' पर लिखा कि हमारी भागीदारी जारी रहने और भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की आशा है।

गाजा में इजराइल का हमला, 6 की मौत

फिलिस्तीन। दीर अल बलाह (फलस्तीन) छह जुलाई (एपी) मध्य गाजा में इजराइल के हवाई हमलों में शुक्रवार को दो बच्चों और संयुक्त राष्ट्र के एक कर्मी समेत कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। फलस्तीनी अस्तपाल के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दीर अल-बलाह शहर में अल अक्सा शहीद अस्पताल के अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गाजा में सलाह अल-दीन मार्ग पर मघाजी शरणार्थी शिविर के पास एक इजराइली हमले में तीन वयस्कों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए।

उन्होंने बताया कि मृतकों में से एक व्यक्ति ने संयुक्त राष्ट्र की वर्दी पहन रखी थी। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि नुसेरात शरणार्थी शिविर में हुए हमले में भी एक वयस्क और दो बच्चों की मौत हो गई। इजराइली सेना ने इन हमलों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इजराइल अपने हमलों में आम नागरिकों की मौत के लिए हमास को जिम्मेदार ठहराता है। उसका कहना है कि इजराइल आम लोगों की आड़ में अपनी गतिविधियों को अंजाम देता है जबकि हमास ने इन आरोपों से इनकार किया है और इजराइल पर आम लोगों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109